सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

कोहली अभी संन्यास नहीं लेंगे, सिडनी में बड़ी पारी खेलेंगे : गावस्कर -पेज: 7

नरगिस फाखरी ने अमेरिका और पाकिस्तान में मॉडलिंग के बाद की बॉलीवुड में धमाकेदार एंट्री -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 197 | शनिवार 25 अक्टूबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

बिहार चुनाव: बक्सर रैली में बोले अमित शाह, 'वृद्धा पेंशन बढ़ाकर 400 से 1100 किया गया'

बक्सर रैली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि 14 नवंबर को लालू यादव के बेटे तेजस्वी यादव का सुपड़ा साफ होगा और एनडीए की सरकार मोदी-नीतीश के नेतृत्व में फिर बनेगी। शाह ने मोदी सरकार की 11 साल की उपलब्धियों का जिक्र किया

बिहार एजेंसी: बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के प्रचार अभियान के तहत बक्सर में आयोजित रैली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लालू परिवार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि लालू यादव ने 'लैंड फॉर जॉब' घोटाले में शामिल थे और उनके शासनकाल में लूट, डकैती और अपहरण जैसी घटनाएं आम थीं। अमित शाह ने कहा कि लालू राज में कानून-व्यवस्था की स्थिति बेहद खराब थी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और एनडीए सरकार ने वृद्धा पेंशन को 400 रुपए से बढ़ाकर 1100 रुपए कर दिया है। लालू यादव के बेटे का सुपड़ा साफ होने वाला है बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के प्रचार अभियान के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बक्सर में रैली को संबोधित करते हुए कहा कि आगामी 14 नवंबर को लालू प्रसाद यादव के बेटे तेजस्वी यादव का सुपड़ा साफ होने वाला है और फिर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि यह चुनाव हम नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ रहे हैं। शाह ने बताया कि नीतीश कुमार ने बिहार को विकास की राह पर लाने का प्रयास किया और पिछले 10 वर्षों में नरेंद्र मोदी ने राज्य को संवारा है। अमित शाह ने कहा कि बक्सर वह पावन भूमि है जहां प्रभु श्रीराम के चरण पड़े हैं। उन्होंने बताया कि बक्सर के पूर्व में सीतामढ़ी में माता सीता के भव्य मंदिर का शिलान्यास किया गया जबकि अयोध्या में साढ़े 500 साल बाद मोदी सरकार के नेतृत्व में श्रीराम मंदिर का निर्माण कार्य पूरा हुआ। 11 वर्षों में 11 करोड़ गरीबों को मुफ्त राशन शाह ने मोदी सरकार की उपलब्धियों का भी उल्लेख करते हुए कहा कि 11 वर्षों में 11 करोड़ गरीबों को मुफ्त राशन दिया गया आयुष्मान भारत योजना के तहत पांच लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज प्रदान किया गया, 15 करोड़ से अधिक घरों में नल से जल पहुंचाया गया, 13 करोड़ किसानों को सालाना 6 हजार रुपए दिए गए, 12 करोड़ शौचालय बनाए गए 10 करोड़ गैस सिलेंडर वितरित किए गए और 4 करोड़ लोगों को पक्का घर दिया गया। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि हाल ही में पहलगाम में पाकिस्तान के आतंकियों ने हमला किया। उस समय केंद्र में सोनिया-लालू की सरकार थी, जब आतंकियों को बिरयानी खिलाई जा रही थी। लेकिन मोदी सरकार में ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों का सफाया किया गया।

महिला डॉक्टर ने की आत्महत्या... पुलिस सब इंस्पेक्टर पर 4 बार बलात्कार करने का आरोप

-हाथ पर लिखे सुसाइड नोट में हुआ खुलासा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के सतारा के फाल्टण जिला अस्पताल में एक महिला डॉक्टर ने आत्महत्या कर ली। मृतका का नाम संपदा मुंडे था। अपने हाथ पर लिखे सुसाइड नोट में मृतका महिला डॉक्टर मुंडे ने लिखा कि पुलिस सब इंस्पेक्टर (पीएसआई) गणेश बडने ने 4 बार उनका बलात्कार किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, डॉक्टर और जिला पुलिस के बीच एक मेडिकल एक्जामिनेशन को लेकर पहले से विवाद चल रहा था। हथेली पर लिखे नोट में उन्होंने पीएसआई गणेश के अलावा एक और पुलिस कर्मी प्रशांत बांकर पर भी शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया। घटना के बाद सतारा के गार्जियन मंत्री शंभूराज देसाई ने जांच का आश्वासन देकर कहा है कि दोषी बख्शे नहीं जाएंगे। मामला समाने आने का बाद अब पुलिन ने पीएसआई गणेश को सस्पेंड किया है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स का कहा ही कि गणेश को सीधे मुख्यमंत्री फडणवीस के आदेश पर सस्पेंड किया गया है। डॉक्टर मुंडे ने मामले और पुलिस से हो रही दिक्कत के बारे में पहले भी अपने सीनियर डॉक्टरों से शिकायत की थी। उन्होंने कहा था कि उनके साथ गलत व्यवहार हो रहा है। अगर उनकी बात नहीं सुनी गई, तब वे आत्महत्या कर लेंगी। संपदा महाराष्ट्र के बीड की रहने वाली थीं और फाल्टण जिला अस्पताल में काम करती थीं। उनके साथ काम कर रहे लोगों ने बताया कि पुरानी मेडिकल जांच की वजह से बहुत प्रेशर में थी। संपदा हमेशा स्ट्रेस में रहती थी। इस मामले का संज्ञान महाराष्ट्र महिला आयोग ने भी ले लिया है। आयोग प्रमुख रुपाली चंद्राकर ने कहा है कि जांच के लिए अलग टीमें बना ली गई हैं।

गुजरात के राजकोट में महसूस किए गए भूकंप के झटके

राजकोट (एजेंसी)। गुजरात के राजकोट जिले के गोंडल शहर और आस-पास के इलाकों में दोपहर 12:37 बजे भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। खबरों में तीव्रता 3.6 (नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी -एनसीएस और अन्य स्रोतों के अनुसार) और 3.4 (एनसीएस के एक अन्य उल्लेख के अनुसार) बताई गई है। गांधीनगर स्थित भूकंप विज्ञान अनुसंधान संस्थान (आईएसआर) के अनुसार, केंद्र गोंडल से 24 किमी दूर पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम में एक खेत में दर्ज किया गया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई पर दर्ज किया गया। भूकंप के झटके राजकोट जिले के गोंडल शहर, जेतपुर और सौराष्ट्र के विभिन्न इलाकों में महसूस किए गए। इन झटकों से किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। भूकंप का एहसास होते ही लोग घरों और दुकानों से बाहर निकल आए, जिससे स्थानीय लोगों में चिंता और दहशत का माहौल बन गया।

शराबी पति ने अपने तीन माह के बच्चे को खाई में फेंका...फिर खुद कूदकर आत्महत्या की

पौड़ी (एजेंसी)। पहाड़ी राज्य उत्तराखंड के पौड़ी जिले में एक मजदूर ने शराब के नशे में जो किया वह दिल दहला देने वाला है। मजदूर ने अपने 3 महीने के बेटे को कथित तौर पर खाई में फेंककर मार डाला और फिर खुद भी खाई में कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। यह घटना तब हुई जब डबोली गांव निवासी मृतक 30 साल का ललित और उसकी पत्नी के बीच तीखी बहस हुई। अधिकारियों के अनुसार, ललित शराब का आदि था और इस बात पर पत्नी कमला से बहस हुई। इसके बाद पत्नी गुस्से में यह कहकर घर से निकल गई कि वह अपने तीन महीने के बच्चे के साथ अपने गांव वापस जा रही है। ये देखकर गुस्से में आए ललित ने कथित तौर पर अपनी पत्नी की गोद से बच्चे को छीनकर सड़क के किनारे एक खाई में फेंक दिया। घटना के बाद, दंपति ने अपने बच्चे को खोजने की कोशिश की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। एक अधिकारी ने बताया कि हताश होकर ललित ने भी खाई में छलांग लगा दी। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों ने ललित को बचाया और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, लेकिन वहां पहुंचने पर मजदूर को मृत घोषित किया गया। कमला के भाई प्रकाश ने बताया कि ललित और कमला का प्रेम विवाह हुआ था, लेकिन ललित कथित तौर पर शराब के नशे में कमला को पीटता था।

बिकिनी पहन महिला ने गंगा में किया स्नान, सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

रिक्रिकेश (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो इतने ज्यादा वायरल हो जाते हैं कि उनपर बहस छिड़ जाती है। ऐसा ही एक वीडियो अब वायरल हो रहा है, जिससे लोगों में गुस्सा भड़क गया। एक विदेशी महिला बिकिनी पहनकर गंगा नदी में कूदती नजर आ रही है। अब सही और गलत पर बहस छिड़ गई। कई लोग महिला को बुरा-भला बोल रहे हैं, तो कई उसका पक्ष ले रहे हैं। एक शख्स ने कहा कि आदमी लोग कच्छा पहनकर नहाते हैं तब अनादर नहीं होता। ऋषिकेश के फेमस लक्ष्मण झूला के पास बिकिनी पहनकर गंगा में डुबकी लगाती एक विदेशी पर्यटक का वीडियो वायरल हो गया है। इससे बहस छिड़ गई है। सोशल मीडिया पर तेजी से शेयर इस वीडियो ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और सांस्कृतिक संवेदनशीलता के बीच की रेखा पर सवाल उठाए हैं। वायरल हो रहे इस वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है। इसमें देखा जा सकता है कि महिला बिकनी पहने खड़ी है। गले में फूलों की माला और माथे पर रोली का तिलक लगा है। वह पहले हाथ जोड़कर गंगा में स्नान करने उतर जाती है। सारी मालाओं को गंगा में बहा देती है फिर प्रार्थना कर डुबकी लगाती है। इसके बाद वह तैरने लगती है। देखा जा सकता है कि महिला किसी बुरी सोच से ऐसा नहीं कर रही बल्कि सम्मान देते हुए ही वह प्रार्थना कर रही थी। लोगों ने उसके कपड़ों पर सवाल उठा दिया। कुछ लोगों ने इसे भारत की सबसे पूजनीय नदियों में से एक की पवित्रता के प्रति अनादरपूर्ण बताते हुए इसकी आलोचना की। कुछ ने महिला का पक्ष लेते हुए जो वीडियो रिकॉर्ड कर रहा उसकी गलती बताई। एक यूजर ने लिखा कि 'मां गंगा एक पवित्र नदी है, कोई समुद्र तट या स्विमिंग पूल नहीं। सम्मान दिखाएं, सभ्य कपड़े पहनें, बिकिनी नहीं। वहीं, एक ने कहा कि लड़की के इरादे नहाते समय गलत नहीं थे। एक अन्य ने कहा कि आदमी लोग कच्छा पहन कर नहाते हैं तो वो बेइज्जती नहीं होती? उनके बारे में भी कुछ बोलना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री खट्टर ने बाबा साहब को लेकर जो कहा वह बर्दाश्त नहीं कर सकते

-आप के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। केंद्रीय मंत्री मनोहरलाल खट्टर के संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव आंबेडकर को लेकर दिए बयान पर आम आदमी पार्टी ने मोर्चा खोल दिया है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने कहा है कि केंद्रीय मंत्री खट्टर ने बाबा साहब के लिए जो बातें कही हैं, उन्हें किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं कर सकते है। खट्टर का बयान सिर्फ एक नेता का बयान नहीं, बल्कि भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की दलित विरोधी सोच और नफरत को दिखाता है। आप प्रवक्ता ढांडा ने कहा कि बाबा साहब को संविधान निर्माता के रूप में छोटा दिखाने की कोशिश सीधा-सीधा दलित समाज का अपमान है। उन्होंने कहा कि बीजेपी का इतिहास बाबा साहब और दलित समाज के अपमान से भरा पड़ा है। संसद में आंबेडकर को ट्रेंड बताकर उनका मजाक उड़ाया गया। संविधान बदलने की बात कर उनके बनाए संविधान को ठुकराने की कोशिश की गई। इतना ही नहीं दलित समाज से आने वाले जज पर हमला कर उन्हें बदनाम करने की मुहित चलाई गई।

उन्होंने कहा कि अब केंद्रीय मंत्री खट्टर ने बाबा साहब की भूमिका पर सवाल उठाकर वहीं बीजेपी की गंदी सोच दोहरा दी है। आप नेता अनुराग ढांडा ने कहा कि खट्टर की सोच बेहद घटिया और नफरत से भरी हुई है। हरियाणा में मुख्यमंत्री रहते हुए खट्टर ने दलित समाज को कमजोर करने, बांटने और उनके अधिकारों को खत्म करने की हर कोशिश की। उन्होंने कहा कि अब वह (खट्टर) बाबा साहब पर टिप्पणी कर अपनी छोटी मानसिकता और बीजेपी की विचारधारा को सामने ले आए हैं।

धर्मांतरण विरोधी कानून पर सुप्रीम कोर्ट ने उठाए सवाल, कहा- भारत की धर्मनिरपेक्षता का ध्यान रखें

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में लागू धर्मांतरण विरोधी कानून को लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने सवाल उठाए। न्यायालय ने कहा कि इस कानून के जरिए धर्म बदलने की इच्छा रखने वालों के लिए प्रक्रिया को जटिल किया गया है। इन सबके बाद भी हमें ये ख्याल रखना होगा कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने धर्म परिवर्तन की प्रक्रिया में सरकारी अधिकारियों की भागीदारी और हस्तक्षेप पर चिंता जताई। पीठ ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि यह कानून धर्म परिवर्तन की प्रक्रिया में सरकारी मशीनरी की दखलअंदाजी बढ़ाने के लिए बनाया गया है। हालांकि, न्यायालय ने स्पष्ट किया कि इस कानून की वैधता पर अभी विचार नहीं किया जा सकता। पीठ ने याद दिलाया कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है और कोई भी व्यक्ति अपनी इच्छा से धर्म परिवर्तन कर सकता है। पीठ ने कहा कि इस मामले में उत्तर प्रदेश धर्मांतरण अधिनियम के प्रावधानों की संवैधानिक वैधता पर विचार करना हमारे क्षेत्र में नहीं है। फिर भी, हम यह मानने से खुद को रोक नहीं सकते कि धर्म परिवर्तन से पहले और बाद में घोषणा से संबंधित नियम व्यक्ति के लिए धर्म परिवर्तन की औपचारिकता को जटिल करते हैं। यह स्पष्ट है कि इन नियमों के जरिए धर्म परिवर्तन की प्रक्रिया में अधिकारियों का हस्तक्षेप बढ़ाया गया है। यहां तक कि जिला मजिस्ट्रेट को प्रत्येक धर्म परिवर्तन मामले में पुलिस जांच का निर्देश देने के लिए बाध्य किया गया है। न्यायालय ने धर्म परिवर्तन के बाद घोषणा की अनिवार्यता पर भी सवाल उठाए। कोई व्यक्ति किस धर्म को अपनाता है, यह उसका निजी मामला है। इस संबंध में घोषणा की बाध्यता निजता के खिलाफ है। यह विचारणीय है कि किसी को यह बताने की क्या जरूरत है कि उसने धर्म परिवर्तन किया और अब वह किस धर्म को मानता है। इस पर विचार करना होगा कि क्या यह नियम निजता के प्रावधान का उल्लंघन नहीं करता। राज्य में धर्म परिवर्तन की जटिल प्रक्रिया को लेकर पीठ ने कहा कि भारतीय संविधान की प्रस्तावना और धर्मनिरपेक्ष प्रकृति पर ध्यान देना जरूरी है। न्यायालय ने कहा कि संविधान की प्रस्तावना अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसे इसकी महान और दिव्य दृष्टि के आधार पर पढ़ा जाना चाहिए। न्यायालय ने यह भी रेखांकित किया कि हालांकि 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द 1976 में संशोधन के माध्यम से संविधान में जोड़ा गया, फिर भी धर्मनिरपेक्षता संविधान के मूल ढांचे का अभिन्न हिस्सा है, जैसा कि 1973 के केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य के फैसले में कहा गया था।

पाकिस्तान में बैठी 'शातिर हसीना' ने भारतीय अधिकारियों को हनीट्रैप में फंसाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में कई हनीट्रैप कांड हो चुका हैं। ये हरकत पाकिस्तान ने ही करवाई थी, जिसमें एक 'शातिर हसीना' का नाम सामने आया था। इस हसीना ने भारत के बड़े-बड़े पदों पर बैठे 98 अधिकारियों को फंसाया था। ये जासूस इतनी चालाकी से काम करती थी कि किसी को कानों-कान खबर तक नहीं होती थी। फिर एक दिन शातिर हसीना की पोल खुली और सामने आया कि वो किस तरह अपने मिशन को अंजाम देती थी। ये पाकिस्तानी स्पाई असल में एक हैकर थी, जो ऑनलाइन अपने शिकार को फंसाती थी। इस शातिर हसीना का नाम सेजल कपूर था। इस स्पाई ने भारतीय रक्षा विभाग से जुड़े अधिकारियों को टारगेट किया था। मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि ये काम पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी (आईएसआई) से जुड़े उन पाकिस्तानी जासूसों का था, जो भारतीय लड़कियों के नाम से फेसबुक आईडी बनाते थे, जिसमें से एक का नाम सेजल कपूर था। सेजल तीन सालों तक एक्टिव थी और इस दौरान उसने 98 भारतीय अधिकारियों को फंसाया, जिसमें से आर्मी, नेवी, एयरफोर्स, पुलिस विभाग में काम करने वाले ऑफिशियल्स शामिल थे। साल 2015 से 2018 के बीच मिशन के दौरान वह ऑनलाइन चैटिंग करते-करते अधिकारियों के कंप्यूटर्स को हैक करती थी। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो चैटिंग के दौरान वह शिकार को 'विस्पर' नाम का मैसेंजर डाउनलोड करने के लिए कहती थी, जो असल में एक मैलवेयर है। इस चैट करने के लिए एक कोड का इस्तेमाल किया जाता था, जो सेजल को जाता था। सॉफ्टवेयर और कोड के जरिए वह सारा डेटा हैक कर लेती थी।

राज्यसभा चुनाव में एनसी उम्मीदवारों का समर्थन करेंगे कांग्रेसी विधायक

तीन सीटों पर एनसी प्रतिद्वंदी को तो चौथी पर बीजेपी को मिल सकती है बढ़त

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के सभी कांग्रेस विधायक राज्यसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस उम्मीदवारों का समर्थन करेंगे। राज्यसभा चुनाव के लिए मतदान होना है। जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (जेकेपीसीसी) की गुरुवार देर शाम श्रीनगर में हुई बैठक के बाद यह फैसला लिया था। एनसी को समर्थन देने के अपने फैसले की घोषणा करके, कांग्रेस ने पार्टी के साथ अपने राजनीतिक गठबंधन की पुष्टि की है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और जेकेपीसीसी अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा ने घोषणा की कि सभी छह कांग्रेस विधायक एनसी उम्मीदवारों के पक्ष में मतदान करेंगे।

बैठक के बाद कर्रा ने इस बात पर जोर दिया कि बीजेपी को हराना कांग्रेस-एनसी गठबंधन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ हमारा गठबंधन मजबूत और सैद्धांतिक है। हमारा लक्ष्य यह तय करना है कि इन चुनावों में बीजेपी को हार का सामना करना पड़े। राज्यसभा चुनाव गठबंधनों की ताकत की परीक्षा लेगा और पार्टियों में किसी भी दरार को उजागर कर सकता है। दोनों पक्ष निर्णायक दिन के लिए तैयार हैं; अब सबकी नजरें आंकड़ों पर हैं। एनसी ने चार उम्मीदवार उतारे हैं जिनमें मोहम्मद रजवान चौधरी, सजाद किचलू, शमी ओबेरॉय और इमरान नबी डार। वहीं बीजेपी ने तीन सीटों के लिए तीन उम्मीदवार उतारे हैं। चौथी सीट के लिए बीजेपी ने अपने केंद्र शासित प्रदेश इकाई के अध्यक्ष सत शर्मा को मैदान में उतारा है। एनसी को तीन सीटों पर प्रतिद्वंद्वियों पर बढ़त है, जबकि चौथी सीट पर बीजेपी को एनसी गठबंधन पर बढ़त है, 28 वोटों के मुकाबले एनसी के 24 वोट। पीडीपी ने तीसरी सीट पर नेशनल कॉन्फ्रेंस को समर्थन देने की घोषणा की है। 90 सदस्यीय जम्मू-कश्मीर विधानसभा के सभी निर्वाचित विधायक राज्यसभा चुनाव में मतदान करने के पात्र हैं। ये चुनाव करीब 10 सालों के बाद हो रहे हैं और फरवरी 2021 के बाद जम्मू-कश्मीर में कोई सक्रिय विधानसभा नहीं होने के कारण ये चुनाव नहीं हो पाए थे।

जयशंकर ने यूएन को दिखाया आइना... सुरक्षा परिषद का एक सदस्य देश आंतक का समर्थक

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय विदेश मंत्री डॉ.एस. जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की आतंकवाद के प्रति प्रतिक्रिया पर सवाल उठा दिए हैं। उन्होंने कहा कि जब सुरक्षा परिषद का एक सदस्य देश खुलेआम उस संगठन की रक्षा करता है, जो भारत में पहलगाम जैसे बर्बर आतंकी हमलों की जिम्मेदारी लेता है, तब इससे बहुपक्षवाद की विश्वसनीयता पर गहरा असर दिखाता है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के पीड़ितों और अपराधियों को एक ही श्रेणी में रखना अधिक निंदनीय बना देता है। जब खुद को आतंकवादी कहने वालों को प्रतिबंधों से बचाया जाता है, तब इसमें शामिल लोगों की ईमानदारी पर सवाल उठता है।

केंद्रीय मंत्री जयशंकर ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के सामने आने वाली चुनौतियों को समझने के लिए आतंकवाद के प्रति उसकी प्रतिक्रिया एक बड़ा उदाहरण है। उन्होंने चिंता जाहिर कि सुरक्षा परिषद का एक स्थायी सदस्य खुले तौर पर उन संगठनों का बचाव करता है जो पहलगाम जैसे भयानक आतंकवादी हमलों की जिम्मेदारी लेते हैं।

विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने कहा, हमें मानना होगा कि संयुक्त राष्ट्र में सब कुछ ठीक नहीं है। इसकी निर्णय प्रक्रिया न इसके सदस्यों को प्रतिबिंबित करती है और न ही वैश्विक प्राथमिकताओं को संबोधित करती है। इसकी बहसें तेजी से ध्रुवीकृत हो गई हैं और इसका कामकाज स्पष्ट रूप से अवरुद्ध हुआ है। किसी भी सार्थक सुधार को सुधार प्रक्रिया के माध्यम से ही बाधित होता है। अब, वित्तीय बाधाएं एक अतिरिक्त चिंता के रूप में उभरी हैं। भारत के विदेश मंत्री जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र के 80वीं वर्षगांठ के मौके पर कहा कि दुनिया आज कई चुनौतियों का सामना कर रही है, जिनमें सामाजिक-आर्थिक प्रगति, व्यापारिक नियम और सप्लाई चेन पर निर्भरता शामिल है। उन्होंने कहा कि इन मुश्किलों के बावजूद, बहुपक्षवाद के प्रति हमारी प्रतिबद्धता मजबूत रहनी चाहिए और संयुक्त राष्ट्र का समर्थन किया जाना चाहिए।

दिल्ली में रेखा गुप्ता सरकार ने महिला कर्मचारियों को नाइट शिफ्ट में काम करने की अनुमति दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में महिला कर्मचारी अब दुकानों और अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में राम में काम कर सकेंगी। दिल्ली सरकार ने नोटिफिकेशन जारी कर इसकी औपचारिक मंजूरी दे दी है। हालांकि, इसके लिए महिला कर्मचारियों की लिखित सहमति अनिवार्य होगी।

दिल्ली सरकार की ओर से जारी नोटिफिकेशन में कहा गया है कि हर कर्मचारी को ओवरटाइम पर सामान्य वेतन का दोगुना भुगतान मिलेगा और साप्ताहिक कार्य की अधिकतम सीमा 48 घंटे तय की गई है। इसके साथ ही सभी प्रतिष्ठानों में आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) बनाना भी अनिवार्य किया गया है।

महिलाओं को नाइट शिफ्ट में काम करने की अनुमति देने के प्रस्ताव को साल की शुरुआत में उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मंजूरी दी थी। इसके बाद श्रम विभाग ने दिल्ली दुकानदार एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठान अधिनियम, 1954 में दो नए प्रावधान जोड़े हैं, जो महिलाओं की नियुक्ति और उनके कार्य की शर्तों से संबंधित हैं। महिला कर्मचारियों को नाइट शिफ्ट में तभी लगाया जा सकेगा जब वे इसके लिए लिखित रूप से सहमत हों। कोई भी कर्मचारी किसी भी दिन 9 घंटे से अधिक (भोजन-विश्राम सहित) और सप्ताह में 48 घंटे से अधिक काम नहीं कर सकेगा। लगातार 5 घंटे से ज्यादा काम करवाने की अनुमति नहीं होगी। नाइट शिफ्ट या ओवरटाइम करने वाले कर्मचारियों के लिए सुरक्षा, परिवहन और उपयुक्त सुविधाओं की व्यवस्था नियोक्ता को करनी होगी। ओवरटाइम का भुगतान दोगुना वेतन दर पर किया जाएगा। शिफ्ट प्रणाली इस तरह बनाई जाएगी कि किसी भी कर्मचारी को सिर्फ नाइट शिफ्ट में ही काम करने के लिए मजबूर न किया जाए। सुरक्षा और निगरानी के लिए भी प्रावधान नोटिफिकेशन में कहा गया है कि हर प्रतिष्ठान जहां महिलाएं कार्यरत होंगी, वहां यौन उत्पीड़न रोकथाम कानून, 2013 के तहत आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) गठित की जाएगी। साथ ही इसतरह के सभी वर्क प्लेस में सीसीटीवी लगाए जाएंगे और उनकी फुटेज कम से कम एक महीने तक सुरक्षित रखी जाएगी। जरूरत पड़ने पर यह रिकॉर्डिंग मुख्य निरीक्षक (शॉप्स विभाग) को प्रस्तुत करनी होगी।

संपादकीय

'हलाल' के चिंतित मायने

उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'हलाल प्रमाणन' वाले उत्पाद इस्तेमाल नहीं करने का आह्वान किया है। उन्होंने इसे आतंकवाद, इस्लामी धर्मान्तरण, लव जेहाद आदि हिन्दू-विरोधी गतिविधियों से जोड़ा है। योगी के मुताबिक, इस प्रमाणन का काफी पैसा आतंकवाद और धर्मान्तरण पर खर्च किया जाता है। यह देश की जनसंख्या के समीकरण बदलने की इस्लामी साजिश है। बिहार में चुनाव का मौसम है और योगी भाजपा के स्टार प्रचारकों में एक हैं। उन्होंने 'राजनीतिक इस्लाम' का मुद्दा भी उठाया है। चूंकि योगी आदित्यनाथ धुर हिन्दूवादी नेता हैं और उन्होंने 2023 से उप्र में 'हलाल प्रमाणन' पर पाबंदी थोप रखी है, लिहाजा उनके आरोप और आह्वान सियासी भी हो सकते हैं। चुनाव के दौरान हिन्दू-मुसलमान ध्रुवीकरण के वह सूत्रधार रहे हैं, लेकिन देश में 'हलाल प्रमाणन' की सिर्फ 4 संस्थाएं हैं। चारों इस्लामी हैं। सरकार इस प्रमाणन से तटस्थ रही है। सवाल किया जा सकता है कि ऐसा क्यों? जबकि भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय ने ही इन निजी संस्थाओं को 'हलाल प्रमाणन' के लिए अधिकृत किया है, लिहाजा ये किसी भी संदर्भ में 'अवैध' नहीं हैं। भारत सरकार की अनुमति के बिना 'हलाल' ठप्पे वाले उत्पादों का निर्यात नहीं किया जा सकता। 'हलाल प्रमाणन' सिर्फ मांस तक ही सीमित नहीं है। हालांकि इस प्रमाणन का चलन 1974 में मांस के लिए ही हुआ था, लेकिन 1993 में अन्य उत्पादों पर भी लागू कर दिया गया। अब दूध, दही, पनीर जैसे डेयरी उत्पाद, बिस्कुट, चिप्स, कोल्ड ड्रिंक, मसाले, तेल सरीखे शाकाहारी उत्पाद, फलियां, मेवे, अनाज और चीनी आदि भी 'हलाल प्रमाणन' के दायरे में हैं। यह दलील दी जाती रही है कि उत्पादों में 'हराम' अथवा निषिद्ध सामग्री (सूअर का मांस और शराब आदि) का उपयोग तो नहीं किया गया, उसके लिए 'हलाल प्रमाणन' अनिवार्य है। बेहद अहम सवाल है कि माचिस, चाय की प्याली, सरिया, सीमेंट, फ्लैट आदि में गैर-इस्लामी सामग्री का कैसे इस्तेमाल किया जा सकता है? लेकिन उन पर भी यह प्रमाणन अनिवार्य है। हास्यास्पद् है कि स्कूल, अस्पताल और अर्थव्यवस्था को भी 'हलाल' करार देने की कोशिशें जारी हैं। कुछ कामयाब भी रही हैं। केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर रघुराम राजन ने यह विचार दिया था कि बैंकिंग क्षेत्र को भी 'हलाल प्रमाणन' के दायरे में लाया जाए। यह दीगर है कि ऐसा राजनीतिक तौर पर संभव नहीं हो सका। कई दवाएं और सौन्दर्य प्रसाधन के उत्पाद 'हलाल' की निगरानी में हो सकते हैं, क्योंकि उनमें गैर-इस्लामी, निषिद्ध सामग्री इस्तेमाल की जाती रही है।

चिंतन-मनन

ईश्वर की कृपा बुद्धि से ही प्राप्त होती है

योग में आसन, प्राणायाम, मुद्रा और आहार-विहार आदि पर तो बहुत शोध हुए हैं, अब ध्यान और मुद्रा की बारी है। इस विधा के अनुसार शांत मस्तिष्क ऊर्जा का केंद्र है तो निर्मल मन शांति और स्थिरता का। शास्त्रों में इन केंद्रों की उपमा ब्रह्मलोक और क्षीर सागर से दी गई है। मस्तिष्क या खोपड़ी में जहां दिमाग माना जाता है वहां एक केंद्र की कल्पना की गई है। इस केंद्र को ब्रह्मकेंद्र कहते हैं। ब्रह्मरंध अर्थात् मस्तिष्क का मध्यबिन्दु। ब्रह्माण्ड के मध्य में ब्रह्मलोक माना गया है और ब्रह्मरंध्र मस्तिष्क में है। जीव और ब्रह्म के बीच अति महत्वपूर्ण आदान-प्रदान का माध्यम यही है। पृथ्वी भी मनुष्य की तरह अंतग्रही आदान प्रदान से समृद्ध होती रहती है। उससे सूक्ष्म आवश्यकताओं की पूर्ति के साधन जुटते रहते हैं। इस आदान-प्रदान का केन्द्र द्वार ध्रुव है। ठीक इसी प्रकार मस्तिष्क का मध्य केन्द्र ब्रह्मरंध्र सहस्त्रार कमल है। यह जितना सशक्त या दुर्बल होता है उसी अनुपात में जीवन को ब्रह्मसत्ता के अनुदान पाने की सम्भावना बढ़ती है। अन्तर्जगत के इस ब्रह्मलोक की अमृत वर्षा का लाभ लेने के लिए खेचरी मुद्रा का साधन बताया गया है । ध्यान मुद्रा में शान्त चित्त का साधन बताया गया है। ध्यान मुद्रा में शान्त चित्त से बैठकर जीभ के अगले भाग को तालु मूर्धा से लगाया जाता है। सहलाने जैसे मन्द-मन्द स्पन्दन पैदा किये जाते हैं। उस उत्तेजना से सहस्त्र दल कमल की प्रसुप्त स्थिति जागृति में बदलती है। यह खेचरी मुद्रा है। इस स्तर पर अनुभव होने वाले उपादानों का वैज्ञानिक विश्लेषण अभी बाकी है। अध्यात्मविदों के अनुसार यदि भावना और क्रिया का सही समन्वय कर-के इस साधना को किया जा सके तो चेतना क्षेत्र में आनन्द और कार्य क्षेत्र में उल्लास की उपलब्धि होती है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस कला को जानने का दिन

संजय गोस्वामी

हर साल अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस 25 अक्टूबर को मनाया जाता है, 25 अक्टूबर को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस कलाकारों और उनके योगदान का सम्मान करता है। यह दिन सबसे प्रसिद्ध कलाकारों में से एक, पाब्लो पिकासो, जिनका जन्म 25 अक्टूबर, 1881 को हुआ था, उनके सम्मान में कलाकार दिवस मनाया जाता है। पाब्लो पिकासो विपुल रचनाकार, वे मुख्यतः एक चित्रकार थे, लेकिन उन्होंने प्रभावशाली मूर्तिकला, चित्रकला, मुद्रण, चीनी मिट्टी की चीजें और रंगमंचीय डिजाइन के साथ-साथ कविताएँ और कला पर भी लेखन किया।कलाकार अपनी कृतियों को रचने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। वे हमारे आसपास की दुनिया में सुंदरता भरते हैं। ज्यादातर कलाकार कई अलग-अलग माध्यमों से काम करते हैं। इतना ही नहीं, कलाकार शब्द में चित्रकार, फोटोग्राफर, मूर्तिकार, संगीतकार, नर्तक, लेखक, अभिनेता, डिजिटल कलाकार और बहुत कुछ शामिल हैं। जब कोई रचनात्मक प्रतिभा के साथ पैदा होता है, तो उसकी रचनात्मकता कई अलग-अलग क्षेत्रों में प्रवाहित होती है। उदाहरण के लिए, पिकासो एक चित्रकार, मूर्तिकार, सिरेमिक कलाकार, कवि और नाटककार थे। कला रचनात्मक या कल्पनाशील प्रतिभा का उपयोग करके बनाई गई सांस्कृतिक गतिविधि है, जिसमें भावनात्मक शक्ति, तकनीकी दक्षता या सुंदरता की अभिव्यक्ति के माध्यम से एक सार्थक अनुभव उत्पन्न करने की उम्मीद की जाती है। यह एक कौशल है जिसमें शारीरिक और मानसिक दक्षता का उपयोग होता है। कला में चित्रकला, मूर्तिकला, साहित्य, संगीत और नृत्य जैसे विविध रूप शामिल हैं। कला की परिभाषा और महत्व अभिव्यक्ति का माध्यमः कला मानवीय भावनाओं, विचारों और अनुभवों को व्यक्त करने का एक शक्तिशाली माध्यम है। कौशल और कल्पनाः यह कौशल और कल्पना का एक संयोजन है जो विभिन्न रूपों में प्रकट होता है। सांस्कृतिक और भावनात्मक लाभः कला तनाव कम करने, मानसिक शांति देने और भावनाओं को बेहतर ढंग से समझने में मदद करती है। यह संस्कृति और परंपराओं को संजोने और अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का भी एक साधन है। कला के प्रकार दृश्य कलाः इनमें चित्रकला, मूर्तिकला, ड्राइंग, फोटोग्राफी और वास्तुकला शामिल हैं। प्रदर्शन कलाः इनमें नृत्य, संगीत, रंगमंच और अभिनय शामिल हैं। साहित्यः इसमें कविता, नाटक और कहानियाँ शामिल हैं। हस्तशिल्पः इसमें उपयोगी और सुंदर वस्तुएँ बनाना शामिल है। कला के तत्व कला के सात मुख्य तत्व हैंः रेखा (Line): विकर्ण, ऊर्ध्वाधर और लहरदार रेखाएं। आकार (रँस्त्री): द्विविमीय रूप। स्थान (Space): वस्तुओं के बीच और आसपास का क्षेत्र। मूल्य (Value): रंग की हल्कापन या गहरापन। रूप (Form): त्रि-आयामी वस्तुएँ। बनावट (Texture): सतह का अनुभव। रंग (Color): रंगों का उपयोग आदि शामिल है । कला का उद्भव लिखित कृतियों से बहुत पहले हुआ था। आदिकाल से ही, कला विचारों का संचार करती रही है और महत्वपूर्ण घटनाओं का अभिलेख रखती रही है। कला अतीत से जुड़ाव प्रदान करती है। कलाकार हमारे इतिहास को अमिट रूप से दर्ज करते हैं। वे सत्य को भी उजागर करते हैं। अपने काम के माध्यम से, वे कहानियाँ सुनाते हैं और परंपराओं को आगे बढ़ाते हैं। कलाकारों के पास अपने आसपास के लोगों से जुड़ने का एक अनूठा तरीका होता है। बुरी खबरों से भरी इस दुनिया में, उनकी सबसे महत्वपूर्ण भूमिकाओं में से एक आशा का संदेश देना है। दुनिया भर के कई संगठन अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस का समर्थन करते हैं। इनमें मेट्रोपॉलिटन म्यूज़ियम ऑफ आर्ट, आर्ट गैलरी ऑफ ओंटारियो, नेशनल गैलरीज ऑफ स्कॉटलैंड, जेरूसलम फाउंडेशन और कई अन्य शामिल हैं। स्थानीय कलाकारों का सम्मान करने के लिए, व्हाइट रॉक, ब्रिटिश कोलंबिया और सैन मिगुएल, स्पेन जैसे कई शहर ललित कला उत्सवों का आयोजन करते हैं। दुनिया भर की कला दीघाएँ ओपन हाउस आयोजित करती हैं और जनता को अपनी कला को निःशुल्क या रियायती मूल्य पर देखने के लिए आमंत्रित करती हैं। अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस में भाग लेने के लिएः आप किस तरह के कलाकार हैं, यह जानने के लिए एक ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी करें किसी भूखे कलाकार को दोपहर के भोजन पर ले जाएँ अपने घर के लिए एक नई पेंटिंग खरीदें किसी आर्ट गैलरी में जाएँ सिम्फनी में जाएँ कला कक्षाओं के लिए साइन अप करें किताब लिखना शुरू करें कोई संगीत वाद्ययंत्र बजाना सीखें किसी प्रतिभा प्रदर्शन प्रतियोगिता में भाग लें अपने स्थानीय कलाकारों का समर्थन करें किसी ऐसे बच्चे को प्रोत्साहित करें जिसमें रचनात्मकता का उपहार हो एक चित्र बनाएँ कला में रचनात्मकता आपके चारों ओर है, जिसका अर्थ है कि यह एक ऐसा दिन है जिसे आप हर दिन मना सकते हैं.। अपने फोन से एक तस्वीर लेना भी कला का एक रूप है। आप जश्न मनाने के लिए चाहे जो भी करें कनाडाई कलाकार, क्रिस मैकक्लर ने 2004 में अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस की शुरूआत की थी। तब से, 25 अक्टूबर का दिन कलाकारों द्वारा समाज में दिए गए सभी योगदानों का जश्न मनाने के लिए समर्पित है।

प्रकृति, पवित्रता और प्रार्थना का अनूठा लोकपर्व छठ

योगेश कुमार गोयल

आस्था और निष्ठा का अनुपम लोकपर्व 'छठ' उत्तर भारत, विशेषकर बिहार, झारखण्ड, पूर्वी उत्तर प्रदेश तथा नेपाल के तराई क्षेत्रों में मनाया जाने वाला सूयोर्पासना का महापर्व है। यह पर्व सूर्य, उनकी पत्नी उषा तथा प्रत्यूषा, प्रकृति, जल, वायु और सूर्य की बहन छठी मैया को समर्पित है। उषा तथा प्रत्यूषा को सूर्य की शक्तियों का मुख्य स्रोत माना गया है, इसीलिए छठ पर्व में सूर्य तथा छठी मैया के साथ इन दोनों शक्तियों की भी आराधना की जाती है। षष्ठी देवी को ही छठ मैया कहा गया है, जो निसंतानों को संतान देती हैं और संतानों की रक्षा कर उनको दीघार्यु बनाती हैं। पुराणों में षष्ठी देवी का एक नाम कात्यायनी भी है, जिनकी पूजा नवरात्र में षष्ठी को होती है। माना जाता है कि छठ पर्व में सूर्य की उपासना करने से छठी माता प्रसन्न होकर घर-परिवार में सुख-समृद्धि, रोगमुक्ति, सम्पन्नता और मनोवांछित फल प्रदान करती हैं।

इस साल 25 अक्तूबर से नहाय-खाय के साथ चार दिवसीय अनुष्ठान के साथ कार्तिक छठ पर्व की शुरूआत हो रही है। इस दिन छठ व्रती नियम-धर्म से सात्विक भोजन बनाकर प्रसाद स्वरूप ग्रहण करेंगे। छठी मइया को ध्यान कर छठ पूजा 2025 का संकल्प नहाय-खाय पर ही लेने का विधान है। इस दिन छठी मइया और आदित्य देव के लिए गीत गाकर उनका आह्वान किए जाने की परंपरा है। 26 अक्तूबर को खरना है। इस दिन छठ व्रती पूरी निष्ठा से छठी मइया को खीर का प्रसाद बनाकर भोग लगाती हैं। लोहंडा का यह प्रसाद घर-परिवार और पास-पड़ोस में जनमानस को ग्रहण कराने का विधान है। ऐसी मान्यता है कि खरना का प्रसाद ग्रहण करने से जीवन के सारे दूख दूर होते हैं। छठी मइया व्रती की सारी मनोकामनाएं पूर्ण करती हैं। 27 अक्तूबर को अस्ताचलगामी भगवान भाष्कर को संध्याकालीन अर्घ्य अर्पण किया जाएगा। इस दिन डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर छठ व्रती अपने परिवार की सुख-समृद्धि और संतति वृद्धि की कामना आदित्य देव से करते हैं। ऐसी मान्यता है कि ढ़लते सूरज को जल चढ़ाने से भगवान दिनकर छठ व्रती को भर-भरकर आशीष देते हैं। 28 अक्तूबर को उदीयमान सूर्य को प्रातःकालीन अर्ध्य दिया जाना है। इस दिन दीनानाथ के उगते स्वरूप का दर्शन कर छठ व्रती खुशहाली की कामना करती हैं। परिवार के लोग भी छठ व्रती को सामने से दूध-जल का अर्ध्य अपर्ण कर अपनी निष्ठा प्रकट करते हैं। छठी मइया से मंगलकामनाएं की जाती हैं। छठ पूजा का प्रसाद छठ घाट पर ही ग्रहण करने का विधान है। अंतिम चरण में छठ व्रती पारण कर चार दिवसीय छठ पर्व का अनुष्ठान समाप्त करती हैं।

नियम, संयम और तपस्या का महापर्व छठ चार दिनों तक चलता है लेकिन इसकी तैयारी कई सप्ताह पहले ही शुरू हो जाती है। षष्ठी तिथि को मनाए जाने वाले इस पर्व की शुरूआत मूल रूप से बिहार और पूर्वांचल से हुई मानी जाती है लेकिन अब यह न केवल भारत के अलग-अलग राज्यों में बल्कि विदेशों में भी मनाया जाने लगा है और बिहार तथा पूर्वांचल के ही नहीं, अन्य क्षेत्रों के बहुत से लोग भी अब छठ पर्व के प्रति आस्थावान होकर यह व्रत करने लगे हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार सूर्य देवता की बहन छठी मैया संतानों की रक्षा कर उन्हें लंबी आयु प्रदान करती हैं। प्रातःकाल में सूर्य की पहली किरण (उषा) और सायंकाल में सूर्य की अंतिम किरण (प्रत्यूषा) को अर्ध्य देकर दोनों को नमन किया जाता है। सूयोर्पासना का महापर्व छठ कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी को मनाया जाता है, इसीलिए इसे छठ कहा जाता है। इस चार दिवसीय उत्सव की शुरूआत कार्तिक शुक्ल चतुर्थी के दिन 'नहाय खाय' से होती है, अगले दिन 'खरना' होता है, तीसरे दिन छठ का प्रसाद तैयार किया जाता है और स्नान कर अस्त होते सूर्य को अर्ध्य दिया जाता है, सप्तमी को चौथे और अंतिम दिन उगते सूर्य की पूजा-आराधना के साथ इस महापर्व का समापन होता है। छठ पर्व के प्रसाद में प्रायः चावल के लड्डू बनाए जाते हैं और बांस की टोकरी में प्रसाद तथा फल सजाकर इस टोकरी की पूजा की जाती है। व्रत रखने वाली महिलाएं सूर्य को अर्ध्य देने तथा पूजा के लिए तालाब, नदी अथवा घाट पर जाकर स्नान कर डूबते हुए सूर्य की पूजा करती हैं और अगले दिन सूर्योदय के समय सूर्य को अर्ध्य देकर पूजा करने के पश्चात प्रसाद बांटकर छठ पूजा का समापन होता है। सही मायनों में यह महापर्व जीवनदायी सूर्यदेव के प्रति आभार प्रकट करने का महापर्व है।

छठ महापर्व की शुरूआत को लेकर कई कथाएं प्रचलित हैं। ऐसी मान्यता है कि लोक मातृका षष्ठी की पहली पूजा सूर्यदेव ने ही की थी। सूर्य को ज्योतिष विधा में सभी ग्रहों का अधिपति माना गया है। इसीलिए मान्यता है कि यदि समस्त ग्रहों को प्रसन्न करने के बजाय केवल सूर्यदेव की ही आराधना की जाए तो कई लाभ मिल सकते हैं। माना जाता है कि सर्वप्रथम महाबली कर्ण ने ही सूर्यदेव की पूजा शुरू की थी और आज भी छठ पर्व में सूर्य को अर्ध्य देने का विशेष महत्व है। सूर्यपुत्र कर्ण तो भगवान सूर्य के परम भक्त थे, जो प्रतिदिन घंटों तक कमर तक पानी में खड़े होकर सूर्यदेव को अर्ध्य दिया करते थे। सूर्यदेव की कृपा से ही वे महान योद्धा बने थे। एक मान्यता यह भी है कि देवमाता अदिति ने प्रथम देवासुर संग्राम में असुरों से देवताओं के हार जाने पर तेजस्वी पुत्र की प्राप्ति के लिए देवारण्य के देव सूर्य मंदिर में छठी मैया की आराधना की थी। छठी मैया ने उनकी आराधना से प्रसन्न होकर उन्हें सर्वगुण सम्पन्न तेजस्वी पुत्र को

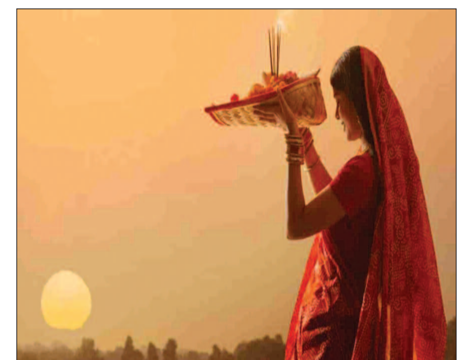

जन्म देने का वरदान दिया, जिसके बाद अदिति ने त्रिदेव रूप आदित्य भगवान को जन्म दिया, जिन्होंने देवताओं को असुरों पर विजय दिलाई। कहा जाता है कि तभी से छठ पर्व मनाए जाने का चलन शुरू हो गया।

इस पर्व को लेकर कुछ मान्यताएं महाभारत काल से भी जुड़ी हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार पाण्डव जब अपना सारा राजपाट जुए में हार गए थे, तब श्रीकृष्ण के निर्देशानुसार द्रोपदी ने छठ व्रत रखा और छठी मैया के आशीर्वाद से उनकी मनोकामनाएं पूर्ण होने पर पाण्डवों को राजपाट वापस मिला। पाण्डवों की पत्नी द्रोपदी द्वारा परिजनों के उत्तम स्वास्थ्य की कामना और लंबी आयु के लिए नियमित रूप से सूर्य की पूजा करने का उल्लेख भी मिलता है। छठ पूजा के अवसर पर नदियों, तालाबों इत्यादि के किनारे पूजा की जाती है, जिससे लोगों को इन जलस्त्रोतों के आसपास साफ-सफाई रखने की प्रेरणा मिलती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार छठ पूजा साफ-सुथरी नदी, तालाबों या अन्य जलस्त्रोतों के किनारे की जाती है, इसीलिए पूजा से पहले इन जलस्त्रोतों के आसपास पूरी साफ-सफाई करने का विधान है। यह महापर्व नदियों को प्रदूषण से मुक्त करने का प्रेरणा देता है, इसीलिए इसे सर्वाधिक पर्यावरण अनुकूल हिन्दू त्यौहार माना जाता है।

झींगा से लेकर सॉफ्टवेयर तक - नए व्यापार समझौते से भारत के लिए बड़ा बाजार खुला

भारत ने समृद्धि का एक और दरवाजा खोल दिया है। उसने प्रति व्यक्ति 100,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक आय वाले यूरोपीय देशों के एक धनी समूह के साथ एक नए व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किया है। इससे भारतीय किसानों, मछुआरों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए एक आकर्षक बाजार में पहुंचने का रास्ता खुल गया है और प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत 2047 मिशन को पर्याप्त गति मिलेगी।

यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) - स्विट्जरलैंड, नॉर्वे, आइसलैंड और लिकटेंस्टीन - के साथ हुआ व्यापार एवं आर्थिक साझेदारी समझौता (टीईपीए) ऐतिहासिक है। यह समझौता 1 अक्टूबर को शुभ नवरात्रि के दौरान लागू हुआ। ईएफटीए के सदस्य देशों ने 15 वर्षों में 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश का संकल्प लिया है - जो दुनिया में किसी भी व्यापार समझौते में जतायी गई पहली ऐसी प्रतिबद्धता है। इस समझौते के जरिए, ईएफटीए के सदस्य देशों की सरकारें भारत में निवेश को बढ़ावा देंगी, कम से कम दस लाख रोजगार सृजित करेंगी और प्रधानमंत्री मोदी के 'मेक इन इंडिया' मिशन को गति प्रदान करेंगी।

विकसित भारत हेतु व्यापार की रणनीतिः मोदी सरकार ने अतीत की झिझक को छोड़कर मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) को अपनाया है। ये समझौते हमारे उत्पादों और सेवाओं को प्रीमियम एवं विकसित बाजारों में पहुंचाते हैं। ये समझौते न सिर्फ नए दरवाजे खोलते हैं, बल्कि हमारे उद्योगों को सशक्त बनाते तथा हमें आगे बढ़ने में मदद करने वाले प्रतिस्पर्धात्मकता और गुणवत्ता का संचार भी करते हैं। भारत ने जहां जुलाई 2025 में यूनाइटेड किंगडम के साथ एक ऐतिहासिक समझौता किया, वहीं यूरोपीय संघ के साथ बातचीत भी अच्छी तरह आगे बढ़ी है। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी के निर्णायक प्रयासों से ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त अरब अमीरात के साथ दोनों पक्षों के लिए लाभदायक समझौते हुए।

प्रतिस्पर्धा के बीच आगे बढ़ते हुए वैश्विक मंचों पर अपनी छाप छोड़ने के आत्मविश्वास से भरा हुआ, भारतीय उद्योग जगत आज बुलंदियों पर खड़ा है। यूपीए शासन के दौरान किए गए जल्दबाजी भरे सौदों के उलट, गहन विचार-विमर्श के बाद तैयार किए गए मोदी-युग के हर मुक्त व्यापार समझौते का उद्योग जगत के विभिन्न हितधारकों ने खुले दिल से स्वागत किया है। यूपीए शासन के सौदे बिना किसी जानकारी के और अक्सर उन प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्थाओं के साथ किए गए थे, जिन्हें हमारे बाजारों तक पहुंच तो मिली, लेकिन उन्होंने अपने दरवाजे पर्याप्त रूप से नहीं खोले।

भारत को आकर्षक बनाना - यह बदलाव 11 वर्ष पहले शुरू हुआ था, जब प्रधानमंत्री मोदी ने हमारी अर्थव्यवस्था को 'नाजुक पांच' के तमगे से उबारकर इसे व्यापार एवं पूंजी के लिए एक आकर्षण का केन्द्र बनाया। मोदी सरकार ने बुनियादी सुधारों के जरिए विरासत में मिली समस्याओं, गतिरोध, उच्च मुद्रास्फीति, भ्रष्टाचार और अक्षमताओं को दूर किया। अकेले उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना ने मार्च 2025 तक कुल 1.76 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित किया है, जिससे 12 लाख से अधिक नौकरियां सृजित हुई हैं। प्रधानमंत्री गति शक्ति एवं राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति ने लागत में कमी की है और बुनियादी ढांचे को सुव्यवस्थित किया है। हमारी डिजिटल रीढ़ - जन-धन, यूपीआई और ट्रेड कनेक्ट - ने अवसरों का लोकतंत्रीकरण किया है और छह वर्षों में कुल 12,000 लाख करोड़ रुपये मूल्य के 65,000 करोड़ लेनदेन को संभव बनाया है। इससे वंचित वर्ग अब वित्तीय मुख्यधारा में आ गया है।

निवेश और रोजगार सृजन - अब, ईएफटीए के 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश से दस लाख प्रत्यक्ष और अनगिनत अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने का वादा किया गया है। यह निवेश पिछले 25 वर्षों में इन देशों से प्राप्त मात्र 11.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) से कहीं अधिक बड़ा है। वर्ष 2024-25 में भारत का कुल एफडीआई 81 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने के साथ, जोकि 14 प्रतिशत की वृद्धि है, वास्तविक प्रवाह जतायी गई प्रतिबद्धताओं को पीछे छोड़ सकता है। इसका श्रेय दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था में मौजूद अवसरों और मजबूत बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) कानूनों को जाता है, जिनका प्रभावी ढंग से पालन किया जाता है। टीईपीए प्रवर्तन एवं सुव्यवस्थित सुरक्षा उपायों के मामले में बेहतर सहयोग के जरिए आईपीआर को मजबूत करता है, नवोन्मेषकों को सशक्त बनाता है और ठोस नियामक संबंधी निश्चितता के बीच उच्च-तकनीक से संबंधित पूंजी को आकर्षित करता है।

किसान और मछुआरे - प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के अलावा, वस्त्र तथा रत्न एवं आभूषण जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्र से जुड़े निर्यात में भी तेजी आएगी। इससे रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। ईएफटीए के समृद्ध उपभोक्ता हमारे कृषि उत्पादों, चाय और कॉफी के लिए लालायित रहते हैं। भारत ने जहां डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों को संरक्षण दिया है, वहीं चावल, ग्वार गम, दालें, अंगूर, आम, सब्जियां, बाजरा और काजू के व्यापार को अवसर प्रदान किए हैं। बिस्कुट, कन्फेक्शनरी, चॉकलेट और सॉस जैसे प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों पर शुल्क में कटौती से यह सौदा और भी बेहतर हो गया है। मछुआरे इस बात से खुश हैं कि निर्बाध मानक सहयोग के जरिए फ्रोजन झींगा, प्रॉन्स और स्क्विड का निर्यात बढ़ेगा।

आकांक्षी भारतीयः टीईपीए द्वारा नर्सिंग, अकाउंटेंसी और आर्किटेक्चर के क्षेत्र में पारस्परिक मान्यता से संबंधित समझौतों का मार्ग प्रशस्त होने से इन सेवाओं को बढ़ावा मिलेगा, जिससे भारतीय पेशेवरों के लिए ईएफटीए में प्रवेश आसान हो जाएगा। सक्रिय नियामक वाताओं के जरिए तकनीकी बाधाओं के कम होने से सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), व्यवसाय, सांस्कृतिक, मनोरंजन, शिक्षा और दृश्य-श्रव्य सेवाओं के लिए द्वार खुलेंगे।

बाधाओं की समाप्तिः टीईपीए टैरिफ से आगे बढ़कर खाद्य सुरक्षा, पशु एवं पादप स्वास्थ्य, उत्पादों की गुणवत्ता, सुरक्षा एवं उपभोक्ता संरक्षण के संबंध में निष्पक्ष व पारदर्शी नियम तैयार करता है। स्पष्ट सूचना साझाकरण, सत्यापन, आयात संबंधी जांच एवं प्रमाणन इन्हें व्यापार से संबंधित मकड़जाल बनने से रोकते हैं, भारतीय वस्तुओं के लिए ईएफटीए तक पहुंचने का मार्ग सुगम बनाते हैं और साथ ही उद्योग जगत को घरेलू मानकों को ऊंचा उठाने के लिए प्रेरित करते हैं। हमारे किसान और उत्पादक सुरक्षित निर्यात, कीट-मुक्त उत्पाद, वैश्विक स्तर के मानकों के अनुरूप उत्पाद तैयार करेंगे, जिससे घरेलू गुणवत्ता भी बढ़ेगी। बेहतर जांच और अनुपालन का अर्थ है प्रत्येक भारतीय परिवार के लिए स्वास्थ्यवर्धक भोजन और विश्वसनीय उत्पाद।

बेहतर भविष्यः ये समझौते निमार्ताओं, सेवा प्रदाताओं और आम नागरिकों के बीच उत्साह जगाते हैं, जो गहरे आर्थिक संबंधों के जरिए उच्च-गुणवत्ता वाले वैश्विक उत्पादों का आनंद लेते हैं। टीईपीए अपने मूल में स्थिरता को समाहित करता है, समावेशी विकास को बढ़ावा देने वाले व्यापार को बढ़ावा देता है, गरीबी से लड़ता है और हमारे पर्यावरण की रक्षा करता है। पेरिस समझौते और अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के मूल सिद्धांतों की पुष्टि करते हुए, यह जलवायु संबंधी कार्रवाई, लैंगिक समानता तथा जैव विविधता संरक्षण से संबंधित सहयोग को बढ़ावा देता है और उचित वेतन, सुरक्षित रोजगार एवं एक हरी-भरी धरती सुनिश्चित करता है। हरित प्रौद्योगिकी के आदान-प्रदान एवं सहयोग के जरिए, यह श्रमिकों का उत्थान करता है, असमानता को कम करता है और हमारे बच्चों के लिए एक समृद्ध भविष्य सुनिश्चित करता है। मोदी के भारत में जन्मे बच्चे को घर पर भी उतने ही अवसर मिलते हैं, जितने कि आल्प्स की पहाड़ियों वाली भूमि, आग एवं बर्फ वाली भूमि या फिर मध्यरात्रि के सूर्य वाली भूमि में!

भारत की नियति में अलगाव नहीं, बल्कि सक्रिय भागीदारी है। जिस तरह पुरानी सभ्यता वाले हमारे राष्ट्र के प्राचीन नाविकों ने साहस के साथ अज्ञात जलमार्गों पर यात्रा की थी, ठीक उसी तरह आज के 140 करोड़ भारतीय - आत्मविश्वास एवं दृढ़निश्चय के साथ और एकजुट होकर - आगे बढ़ रहे हैं। लक्ष्य है - अपनी वैश्विक उपस्थिति का विस्तार करना, शिक्षा एवं डिजिटल क्रांति के जरिए सशक्त बनना और एक टिकाऊ भविष्य का निर्माण करना। हम सबको मिलकर वाणिज्य के क्षेत्र में भारत को एक ऐसे अग्रणी देश के रूप में पुनर्स्थापित करना है, जहां व्यापार एवं प्रौद्योगिकी मानवता की सेवा करें और नवाचार एवं समावेशन कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ें।

(लेखक केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री हैं।)

भाकियू शंकर के किसानों ने किया जोरदार प्रदर्शन, सीएम के नाम सौंपा 10-सूत्री मांग पत्र

मांगे न मानीं तो सड़कों पर बड़ा आंदोलन करने की किसानों ने दी चेतावनी

हसनपुर/अमरोहा(सब का सपना):- जिले के हसनपुर तहसील में किसानों का गुस्सा फूट पड़ा। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) शंकर के बैनर तले सैकड़ों किसानों ने उपजिलाधिकारी (एसडीएम) कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम 10-सूत्रीय मांग पत्र सौंपते हुए किसान नेताओं ने सरकार को खुली चेतावनी दी कि यदि उनकी जायज मांगों पर तत्काल कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन को पूरे प्रदेश में फैलाया जाएगा। प्रदर्शन की अगुवाई राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने की, जिन्होंने कहा, कि "किसानों की समस्याएं अब कागजों तक सीमित नहीं रहेंगी। अगर सरकार ने हमारी आवाज दबाने की कोशिश की, तो खेतों से सड़कों तक आग सुलग जाएगी। यह आर-पार की लड़ाई होगी! प्रदर्शन दोपहर 12 बजे शुरू हुआ, जिसकी अध्यक्षता जगत सिंह प्रेस ने की और संचालन हरि सिंह ने संभाला। किसानों ने भ्रष्टाचार, प्रदूषण, गन्ना मूल्य समेत कई मुद्दों पर सरकार की घेराबंदी की। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासनिक लापरवाही से किसान परेशान हैं और यदि मांगे पूरी न हुईं, तो हाईवे जाम सहित बड़े स्तर पर धरना-प्रदर्शन किए जाएंगे। एसडीएम को सौंपे गए ज्ञापन में 10 प्रमुख मांगे शामिल थी जो न केवल स्थानीय मुद्दों पर केंद्रित हैं, बल्कि किसान कल्याण से जुड़ी व्यापक समस्याओं को भी रेखांकित करती हैं। प्रदेशभर के पुलिस और प्रशासनिक विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार पर तत्काल जांच और सख्त कार्रवाई हो। गजरौला की फैक्ट्रियों से निकलने वाले "जहर के धुएं" पर तुरंत रोक लगे, अन्यथा किसानों की फसलें और स्वास्थ्य खतरे में हैं। गन्ने का समर्थन मूल्य 518 रुपये प्रति क्विंटल घोषित किया जाए, ताकि किसानों को उचित लाभ मिले। अमरोहा विकास प्राधिकरण (एडीए) का शीघ्र गठन हो, जिससे जिले में योजनाबद्ध विकास संभव हो सके। गंगा धाम तिगरी में विद्युत शवदाह गृह और गंगा रिवर फ्रंट का निर्माण तुरंत शुरू हो। उर्वरकों की सख्त सैंपलिंग हो और नकली खाद बेचने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाए।विद्युत निजीकरण और घरेलू बिजली दरों में वृद्धि के फैसले को फौरन वापस लिया जाए। हसनपुर बस अड्डे से ग्रामीण इलाकों तक नियमित बस सेवा शुरू की जाए। गुलड़िया और हसनपुर में नए रजिस्ट्री कार्यालय और पुलिस सीओ कार्यालय स्थापित किए जाएं। किसान क्रेडिट कार्ड (केईसीसी) की सीमा 5 लाख रुपये तक बढ़ाई जाए, ताकि किसान कर्ज के जाल से मुक्त हो सकें। पत्र में ये भी उल्लेख किया गया कि यह हमारी पीढ़ियों की मेहनत है प्रदर्शन के दौरान किसानों ने जनपद के गांवों में जबरन चकबंदी का भी तीखा विरोध किया। चौधरी दिवाकर सिंह ने कहा, "जहां 70 प्रतिशत किसान चकबंदी के खिलाफ हैं, वहां इसे थोपना किसान हितों के विरुद्ध है। यह खेत नहीं, हमारी पीढ़ियों की मेहनत का प्रतीक है। कोई इसे छीन नहीं सकता।" किसानों ने चेतावनी दी कि यदि चकबंदी पर दबाव बनाया गया, तो गांव स्तर पर प्रतिरोध तेज होगा। यह प्रदर्शन भाकियू शंकर की ओर से किसानों की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का प्रतिबिंब है। हाल ही में अमरोहा क्षेत्र में धान खरीद केंद्रों पर अनियमितताएं, बिजली बिलों में अवैध वसूली और आवारा पशुओं से होने वाली दुर्घटनाओं के कारण किसान आक्रोशित हैं। संगठन के पदाधिकारियों का कहना है कि यदि सरकार ने 15 दिनों के अंदर मांगें पूरी नहीं कीं, तो जिला मुख्यालयों पर घेराव और हाईवे ब्लॉकेज जैसे कदम उठाए जाएंगे। प्रदर्शन में सैकड़ों किसान और नेता शामिल हुए। मुख्य रूप से चौधरी धर्मवीर सिंह, चौधरी नेपाल सिंह, राकेश चौहान, नेतराम सैनी, कैप्टन वीर सिंह चौहान, राजपाल सैनी, मुकुट लाल सैनी, कौशल सैनी, मदनपाल सैनी, चौधरी जगवीर सिंह, सुखबीर भगत, मोनू चौधरी, संजीव चौधरी, सत्येंद्र सिंह, अमीपाल चौधरी, सीताराम सैनी, याकूब चौधरी, फकीरा, बबीता रानी, अशोक चौधरी, जरीना बेगम, तेजपाल सैनी, प्रधान मंत्री मुकेश और प्रधान लोकेश चौहान आदि किसानों ने भाग लिया।

धनौरा स्थित नॉनवेज रेस्टोरेंट पर रोटी को लेकर हंगामा

दूसरे होटल से रोटी मंगवाने पर ग्राहक व रेस्टोरेंट मालिक के बीच तीखी नोकझोंक

धनोरा/अमरोहा (सब का सपना):- नगर क्षेत्र स्थित एक नॉनवेज रेस्टोरेंट में उस वक्त हंगामें की स्थिति बन गई, जब एक रेस्टोरेंट में खाना खाने आए कुछ युवकों के लिए रेस्टोरेंट मालिक ने दूसरे होटल से रोटी मंगा कर उनके सामने परोस दी। रेस्टोरेंट मालिक को दूसरे होटल से रोटी मंगाना महंगा पड़ गया, जिसको लेकर रेस्टोरेंट मालिक और ग्राहक के बीच जमकर नोकझोंक हुई और विवाद की स्थिति बन गई, जिसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई। बता दें कि पूरा मामला धनोरा के मौहल्ला होली पार्क स्थित एक नॉनवेज रेस्टोरेंट का है जहां पर गुरुवार की रात रोटी को लेकर विवाद हो गया। जानकारी के मुताबिक कुछ युवक रेस्टोरेंट में भोजन करने आए थे, भोजन परोसते समय रेस्टोरेंट मालिक ने रोटी पड़ोस के दूसरे होटल से मंगवा ली और ग्राहकों के सामने परोस दी,इस पर ग्राहकों ने आपत्ति जताई। जिसके बाद रेस्टोरेंट मालिक और युवकों के बीच बहस शुरू हो गई। देखते ही देखते यह बहस विवाद और हंगामें में बदल गई। वहीं मौके पर मौजूद लोगों ने किसी तरह विवाद शांत करने का प्रयास किया, लेकिन स्थिति बिगड़ती देख मामले की सूचना पुलिस को दी गई। हंगामे के दौरान हल्की धक्का मुक्की होने की भी जानकारी प्राप्त हुई है, सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक बालेंद्र कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को वमुश्किल सामान्य किया। उन्होंने बताया कि मौके पर शांति व्यवस्था बहाल कर दी गई है और तहरीर मिलने पर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

पुलिस लाइन का निरीक्षण कर स्वच्छता संबंधित दिए गए दिशा-निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):-पुलिस लाइन में शुक्रवार परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के पश्चात पुलिस अधीक्षक द्वारा परेड में एकरूपता व अनुशासन बनाए रखने के लिए टोलीवार ड्रिल करवाई गयी एवं अन्य दिशा निर्देश भी दिए। पुलिस अधीक्षक द्वारा यूपी 112 पीआरवी का भी निरीक्षण कियागया। उन्होंने पीआरवी में मौजूद दंगा नियंत्रण उपकरणों, फर्स्ट ऐड किट और अन्य उपकरणों की नियमित सफाई और देखरेख के बारे में दिशा-निर्देश दिए। साथ ही पीआरवी वाहनों पर तैनात पुलिसकर्मियों से उनके उपकरणों और संचालन के बारे में भी पूछताछ की। पुलिसकर्मियों से शस्त्र हैंडलिंग का अभ्यास कराया गया तथा फील्ड यूनिट टीम द्वारा घटनास्थल के निरीक्षण के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी । यातायात प्रशिक्षण कर रहे कर्मियों से ड्रिल कराकर आवश्यक जानकारी दी गई। जिसके बाद पुलिस लाइन का भ्रमण कर निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पुलिस लाइन की विभिन्न शाखाओं/इकाईयों, एम0टी0 शाखा, शास्त्रागार, क्वार्टर गार्द, भोजनालय, बन्दी वाहन, डॉग स्कवॉड, पीआरवी वाहन आदि का निरीक्षण किया गया। एम0टी0 शाखा के निरीक्षण के दौरान समस्त पुलिस वाहनों के रख-रखाव के विषय में पूछताछ करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये तथा ईंधन व वाहनों से संबंधित लॉग बुक सहित अन्य दस्तावेजों का अवलोकन भी किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने शास्त्रागार में निरीक्षण के दौरान रखे हुये शस्त्रों की साफ-सफाई आदि का निरीक्षण किया व उनके संचालन के विषय में जानकारी दी। क्वार्टर गार्ड के निरीक्षण के दौरान सुरक्षा गार्डों की मुस्तैदी का परीक्षण किया गया तथा विषम परिस्थितियों में अपनाये जाने वाले टैक्टिस का अभ्यास भी देखा गया साथ ही प्रतिसार निरीक्षक अमरोहा को सुरक्षा मानकों के दृष्टिगत आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। पुलिस मेस का निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता को चेक किया गया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा शाखाओं में नियुक्त समस्त पुलिस कर्मचारियों से उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी की गई साथ ही समस्त शाखा प्रभारियों को रिकार्डों का सही ढंग से रख रखाव व साफ-सफाई रखने तथा राजकीय कार्य समय से सम्पादित करने हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए ।

किसान यूनियन के कार्यकर्ता सम्मेलन में किसानों की समस्याओं पर चर्चा, कई सदस्यों ने ली सदस्यता

हसनपुर/अमरोहा(सब का सपना):- जनपद के हसनपुर में गंगेश्वरी व हसनपुर ब्लॉक भारतीय किसान यूनियन बीआर अंबेडकर (भाकियू बीआर अंबेडकर) का कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में किसानों की प्रमुख समस्याओं जैसे बिजली आपूर्ति की अनियमितता, सिंचाई के लिए पानी की कमी, सड़कों की जर्जर स्थिति तथा चिकित्सा सुविधाओं की अपर्याप्तता पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। संगठन के पदाधिकारियों ने इन मुद्दों को लेकर जिला प्रशासन और संबंधित विभागों के समक्ष मजबूती से आवाज उठाने का संकल्प लिया। सम्मेलन का एक महत्वपूर्ण पहलू नई सदस्यताओं का स्वागत रहा। विभिन्न अन्य किसान यूनियनों से निराश होकर आए सदस्यों ने भाकियू बीआर अंबेडकर का दामन थाम लिया। इनमें टिकैत यूनियन से रामवीर सिंह, राजवीर सिंह, होराम सिंह, सतबीर सिंह हाकमपुर से, किरणपाल मंगरौला, यशपाल फरोटा भानु से, ओमपाल सिंह पौरारा अंबावता से इसके अलावा अंबावता से नन्हे सिंह, सोनू जाटव, पंकज जाटव, विक्रम जाटव, आशीष जाटव, महिपाल वाल्मीकि, रुस्तम वाल्मीकि तथा महिपाल वाल्मीकि अंबावता से भी संगठन के साथ जुड़े। इन सभी नए सदस्यों का सम्मेलन में भव्य स्वागत किया गया, और संगठन के सिद्धांतों पर आधारित शपथ दिलाई गई। सम्मेलन में प्रमुख रूप से इस्लाम अल्वी, बसीम, नदीम, सोनू गुर्जर, अक्की गुर्जर, वीर सिंह जाटव, सहजेव शालमनी, मंथन वर्मा, रूम सिंह खड़गवंशी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि यह सम्मेलन किसानों को एकजुट करने और उनकी मांगों को प्रभावी ढंग से उठाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भविष्य में इसी तरह के और आयोजन किए जाएंगे, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित हो सके। यह आयोजन क्षेत्रीय किसान आंदोलन को नई ऊर्जा प्रदान करने वाला साबित हुआ, जहां प्रतिभागियों ने एकजुट होकर सरकार से तत्काल कार्रवाई की मांग की।

पहले कार चालक पर दबंगों का जानलेवा हमला, फिर कार में डाल कर अपहरण की कोशिश

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर कोतवाली क्षेत्र में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां पर कार सवार कुछ दबंग युवकों ने दूसरे कार सवार युवक के ऊपर पहले तो जानलेवा हमला किया उसके बाद मारपीट कर उसे अपनी कार में डालकर अपहरण करने की कोशिश की। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। बता दें कि पूरा घटनाक्रम गजरौला नगर कोतवाली क्षेत्र स्थित किसी पेट्रोल पंप के निकट का है जहां पर दो कारों की मामूली टक्कर के बाद एक कार चालक को बीच सड़क पर बेरेहमी से पीटा गया। विवाद के दौरान लगभग 5 से 6 दबंग युवकों ने लाठी डंडों और लात घूसों से चालक पर बुरी तरह से हमला कर दिया। विवाद का यह पूरा घटनाक्रम पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। जानकारी के मुताबिक पीड़ित जागेश शर्मा अपनी पत्नी को जनपद संभल स्थित मायके छोड़कर घर लौट रहे थे ,इसी दौरान उनकी कार की दूसरी कार से हल्की सी टक्कर हो गई ,इस मामूली बात पर कार सवार पप्पू व उसके चार-पांच साथियों ने जागेश शर्मा के साथ कहा सुनी करनी शुरू दी जो देखते ही देखते झगड़े में तब्दील हो गई। इस दौरान दबंग युवकों ने चालक जागेश शर्मा को कार से खींचकर सड़क किनारे गिरा लिया और लगातार लात घूसों से और लाठी डंडों से उसकी पिटाई करने लगे। मारपीट का यह वीडियो वहीं पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी कमरे में कैद हो गया जिसमें साफ दिखाई दे रहा है कि मौके पर कई राहगीर मौजूद थे लेकिन किसी ने इस झगड़े का बीच बचाव नहीं किया। इतना ही नहीं वायरल वीडियो के आधार पर पिटाई के बाद दबंग युवकों ने जागेश शर्मा को अपनी कार में डालकर अपहरण करने की कोशिश भी की है। फिलहाल इस मामले में पीड़ित जागेश शर्मा ने गजरौला थाने में तहरीर दी है ,धनोरा क्षेत्र अधिकारी अंजली कटारिया ने बताया कि पीड़ित की शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है ,पुलिस उनकी तलाश कर रही है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया जाएगा।

तिगरी मेले में जेबीएफ लगाएगा कैम्प, आएंगे विशेषज्ञ चिकित्सक

गजरौला/अमरोहा(सब का सपना):- जनपद के गंगाधाम तिगरी में कार्तिक पूर्णिमा पर लगने वाले एतिहासिक एवं राजकीय मेले में इस बार भी जुबिलेंट भरतिया फाउंडेशन एवं जुबिलेंट इंग्रेविया लिमिटेड द्वारा मेगा हेल्थ कैम्प लगाया जाएगा। इसमें विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें निशुल्क दवाएं वितरित की जाएंगीं। शुक्रवार को जेबीएफ के मेडिकल हेड डा. सुजिंदर फोगाट ने बताया कि इस बार भी गंगाधाम तिगरी में लगने वाले मुफ्त स्वास्थ्य परीक्षण शिविर के लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को इस बार भी जेबीएफ एवं जुबिलेंट इंग्रेविया लिमिटेड द्वारा बेहतर उपचार उपलब्ध कराया जाएगा। शिविर में विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सक भी मौजूद रहेंगे। जो कि श्रद्धालुओं का परीक्षण कर उन्हें दवाएं देंगे। उन्होंने बताया कि इस बार भी जेबीएफ का हेल्थ कैम्प सदर गेट-कोतवाली मार्ग के बीच वाली सड़क पर लगाया जाएगा। वहीं जुबिलेंट इंग्रेविया लिमिटेड में निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित ने बताया कि जुबिलेंट समाजसेवा के क्षेत्र में बढचढ़कर कार्य कर रही है। गंगाधाम तिगरी में मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन भी इसी श्रृंखला में आता है। बता दें कि इस बार गंगा मेले का विधिवत उद्घाटन एक नवंबर को एकादशी के दिन होना है। जबकि कार्तिक पूर्णिमा का मुख्य स्नान पर्व पांच नवंबर को है। तिगरी में लग रहे मेले में श्रद्धालुओं का आवागमन शुरू हो गया है। यहां 30 से 40 लाख श्रद्धालु स्नान को आते हैं।

पुलिस ने चोरी करने वाले 3 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना नौगावा सादात पुलिस ने स्टार्टर चोरी की घटना का खुलासा करते हुए 03 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है, जिनके कब्जे से 07 अदद स्टार्टर, बिजली के केबल, बिजली की डोरी , तांबा के तार अर्ध जला, 02 अधकटे लोहे के सरिया, प्लाश कटर बरामद हुए हैं। आपको बता दें कि वादी नूरनबी पुत्र अब्दुल वहीद निवासी ग्राम सैदपुर इम्मा थाना नौगावा सादात व अन्य लोगो के खेत से स्टार्टर चोरी किये जाने के सम्बन्ध में मुकदमा पंजीकृत कराया गया था तथा वादी संजीव कुमार पुत्र स्व0 बाबूलाल निवासी गजस्थल थाना नौगावा सादात की ट्यूबवेल का कुन्दा तोडकर स्टार्टर व स्टेब लाइजर चोरी किये जाने के सम्बन्ध में भी थाना नौगावा सादात बीएनएस पंजीकृत कराया था थाना नौगावा सादात पुलिस द्वारा चोरी की घटनाओ का खुलासा करते हुए बताया गया कि बहादुरपुर खुर्द गांव जाने वाले रास्ते तिराहे पर चैकिंग/गश्त के दौरान थाना नौगावा सादात जनपद अमरोहा से अभियुक्त मुजम्मिल पुत्र असफर अली निवासी मौहल्ला रेता अमरोहा नगर थाना अमरोहा नगर, सालिम पुत्र गुलफाम निवासी मौहल्ला मौहम्मदी सराय थाना अमरोहा नगर, सुहैल पुत्र अजीज अहमद निवासी मोह0 मौहम्मदी सराय थाना अमरोहा नगर को गिरफ्तार किया गया है। जिनके कब्जे से चोरी किये गये 07 अदद स्टार्टर, बिजली के केबल, बिजली की डोरी , तांबा के तार अर्ध जला, 02 अधकटे लोहे के सरिया, प्लाश कटर आदि बरामद हुए हैं। पूछताछ पर अभियुक्तों द्वारा बताया गया कि आर्थिक लाभ लेने हेतु चोरी करते है तथा बरामद हुए अदद स्टार्टर पुराने व बिजली तार कोपर हमने थाना नौगावा सादात क्षेत्र से ही चोरी किये थे ।

जनपद में पुलिस कर्मियों को कराई गई परेड

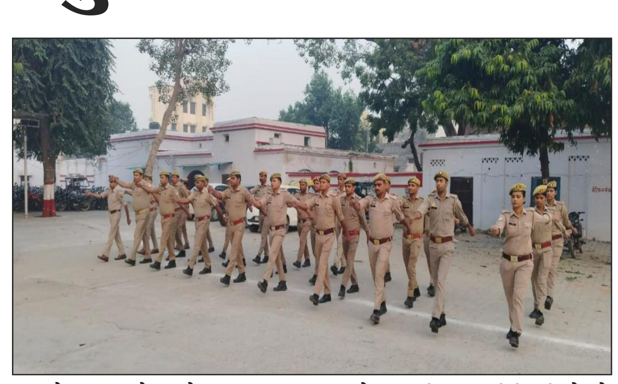

अमरोहा(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिसकर्मियों में अनुशासन, उच्च कोटि की शारीरिक दक्षता/टर्न-आउट के उद्देश्य से समस्त थानों पर शुक्रवार को परेड कराई गई तथा अनुशासन व एकरूपता बनाए रखने एवं विषम परिस्थितियों से निपटने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश भी दिये गये। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद द्वारा जनपद में पुलिसकर्मियों में अनुशासन, उच्च कोटि की शारीरिक दक्षता एवं टर्न-आउट एवं समाज को भय मुक्त बनाने के उद्देश्य से जनपद अमरोहा के प्रत्येक थानों पर साप्ताहिक शुक्रवार को परेड का खुले स्थानों पर आयोजन कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया। जिससे की जनमानस को पुलिस बल की मौजूदगी का आभास हो सके । इसी क्रम में जनपद के प्रत्येक थाना पर साप्ताहिक शुक्रवार की परेड का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिसकर्मियों को शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रखने हेतु दौड़ लगवाई गयी व ड्रिल कराया गया। पुलिसकर्मियों को शस्त्र परीक्षण/ शस्त्राभ्यास कराया गया व अनुशासन व एकरूपता बनाए रखने एवं विषम परिस्थितियों से निपटने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। परेड के उपरान्त थाना आदमपुर, थाना रहरा, थाना बछरायूं व साइबर थाना के थाना प्रभारियों, पैरोकार/ कोर्ट मोहर्रिर, मॉनिटरिंग सेल के साथ कानून व्यवस्था,NBW, ऑपरेशन क्लीन, ऑपरेशन त्रिनेत्र, ई-सम्मन पोर्टल एवं न्यायालय में प्रचलित वादों की समीक्षा की गयी। वांछित, गैर जमानती वारण्टियों एवं इनामी अपराधियों की गिरफ्तारी हेत निर्देशित किया गया । लम्बित एस0आर0 केस (हत्या, लूट, डैकती, बलात्कार, पॉक्सो एक्ट) के लम्बित अभियोगों एवं वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी की समीक्षा कर प्रभावी कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया । ऑपरेशन कनविक्शन अभियान के तहत न्यायालय में चल रहे लम्बित वादों, गौवध व पॉक्सो आदि जघन्य वादों की समीक्षा कर प्रकरण में प्रभावी पैरवी कर अभियुक्तों को शीघ्र सजा दिलाये जाने हेतु निर्देशित किया गया ।

महिलाओं और बालिकाओं के सशक्तिकरण के लिए पुलिस की चौपाल और जागरूकता अभियान

संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन के मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सशक्तिकरण और स्वावलंबन के लिए जनपद संभल में पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार और अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा के निर्देशन में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत 24 अक्टूबर को जनपद के सभी थानों पर नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों ने अपने-अपने थाना क्षेत्रों में चौपाल का आयोजन कर बालिकाओं और महिलाओं को जागरूक किया। इस दौरान महिला पुलिसकर्मियों ने प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों, स्कूलों, कॉलेजों, धार्मिक स्थलों और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर जाकर महिलाओं और बालिकाओं को विभिन्न सरकारी

योजनाओं की जानकारी दी। इन योजनाओं में मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पीएम स्वनिधि योजना, पीएम सम्मान निधि योजना, वन स्टॉप सेंटर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केंद्र योजना, और मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना शामिल हैं। साथ ही, पुलिस विभाग से संबंधित हेल्पलाइन नंबरों जैसे वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, सीएम हेल्पलाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्पलाइन 102, एम्बुलेंस सेवा 108, महिला हेल्पलाइन 181, और साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 के बारे में पंपलेट बांटकर जागरूकता फैलाई गई। महिला पुलिसकर्मियों ने मोबाइल पर इमरजेंसी कॉल/पैनिक बटन का डेमो भी दिखाया। इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षित व सशक्त वातावरण प्रदान करना और उनकी समस्याओं का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करना है। चौपालों के माध्यम से महिलाओं और बालिकाओं से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को सुना गया और समाधान के लिए प्रेरित किया गया।

पुरानी रंजिश में गोली मारकर हत्या की घटना में वांछित 25 हजार का इनामी गिरफ्तार

अमरोहा(सब का सपना):- जनपद के थाना अमरोहा देहात पुलिस ने पुरानी रंजिश को लेकर गोली मारकर हत्या की घटना में वांछित पच्चीस हजार के इनामी अभियुक्त को दिल्ली मुरादाबाद हाईवे पर मोगा ढाबा के पास यकबगडी चौराहे पर फ्लाईओवर के नीचे अण्डरपास के पास से गिरफ्तार किया है। आपको बता दें कि 12 अक्टूबर को रात्रि में थाना अमरोहा देहात क्षेत्रान्तर्गत कांठ रोड चिकन किंग के लगभग 500 मीटर आगे समरपाल सिंह चौहन के घेर में आयोजित पार्टी में मृतक भूरे पुत्र राम सिंह निवासी हाशमपुर थाना अमरोहा देहात की अज्ञात व्यक्ति द्वारा गोली मारकर हत्या कर देने के सम्बन्ध में थाना अमरोहा देहात पुलिस द्वारा पंजीकृत मु0अ0सं0 302/25 धारा 103(1)/3(5) बीएनएस एवं 3/25 आर्मस एक्ट में पंजीकृत कर घटना का खुलासा करते हुए 16 अक्टूबर को 02

अभियुक्तों को गिरफ्तार कर वैधानिक कार्यवाही की गयी थी। जिसमें अभियुक्त मनोज पुत्र नेमपाल निवासी ग्राम हासमपुर थाना अमरोहा देहात, गुड्डु पुत्र धर्मपाल निवासी ग्राम हासमपुर थाना अमरोहा देहात दर्ज अभियोग में वांछित चल रहे थे। जिनकी गिरफ्तारी के लिए 22 अक्टूबर को पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद द्वारा पच्चीस - पच्चीस हजार रुपए की ईनाम की घोषणा की गयी थी। शुक्रवार को थाना अमरोहा देहात पुलिस द्वारा सूचना पर पुरानी रंजिश को लेकर गोली मारकर हत्या की घटना में वांछित पच्चीस हजार के इनामी अभियुक्त मनोज पुत्र नेमपाल निवासी ग्राम हासमपुर थाना अमरोहा देहात को दिल्ली मुरादाबाद हाईवे पर मोगा ढाबा के पास यकबगडी चौराहे पर फ्लाईओवर के नीचे अण्डरपास के पास से गिरफ्तार किया गया है।

मुआवजे के लिए लड़की के परिजनों ने रचा नाटक, आशिक के साथ मिली बेटी

बिजनौर; ये कोई फिल्मी कहानी नहीं,,बल्कि एक ऐसी स्टोरी है,,जिसको सुनकर सब चौंक गए,,पहले इन तस्वीरों को गौर से देखिए,,भीड़ जुटी है,,खेतों से लेकर तमाम रास्तों में खोजबीन चल रही है,,जमीन पर तो खंगाला ही जा रहा है,,,लेकिन, आसमां से भी ड्रोन के जरिए खोजने की कोशिश हैं,,,लेकिन नतीजा सिफर है यानी शून्य है,,और शून्य हो भी क्यों न,, क्योंकि जिसकी खोज की जा रही है,, वो तो मजे में प्रेमी के साथ है। जी हां, ये कहानी है एक ऐसे नाटक की,,,जिसकी वजह से हायतौब्बा मच गई,, दरअसल बिजनौर के थाना नहटौर के गांव राजपुर नंहेड़ा में एक लड़की को गुलदार ने उठा दिया,,ऐसी सूचना दी गई,,,वो इसलिए की वन विभाग से मुआवजा लिया जा सके,,और ये मनगढंत पटकथा किसी और ने नहीं बल्कि लड़की के परिजनों ने गढ़ी, लेकिन, परिजनों के इस नाटक ने वन विभाग और पुलिस को सकते में डाल दिया,,पुलिस औड़ वन विभाग की टीम घंटों तक तक लड़की को खोजते रहे,,,पता नहीं चल पाया,,पता न चलने पर पुलिस कुछ और देर सर्च करने की सोचती की, तब तक खबर आई लड़की तो अपने प्रेमी के साथ देहरादून में है,,परिजनों ने उसे प्रेमी के साथ भगाया था,,,और मुआवजे के लिए ये सब कहानी गढ़ी गई। डीएफओ ने जानकारी देते हुए बताया कि ये सब लड़की के परिजनों ने 5 लाख का मुआवजा पाने के लिए किया,, परिजनों की झूठी कहानी से पुलिस और वन विभाग की टीम का काफी नुकसान हुआ,, मामले को लेकर अब उचित कार्रवाई की जाएगी। एक वक्त था जब पेरेंटस अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा देते थे,,,लेकिन वक्त ने ऐसी करवट ली की,,,अब गलत काम परिजनों के शह पर तो बच्चे कर ही रहे हैं,,,बल्कि कभी-कभी परिजन ही बच्चों के गलत काम करने की तरफ धकेल रहे हैं,,,जिसका अंजाम अंत में बुरा तो है ही,,लेकिन फिर भी ऐसे मामलों का आना चिंतनीय है।

ढढवारा गांव में लाठी-डंडों व फरसे से हमला, पीड़ित व बेटी घायल,चार गिरफ्तार

जुनावई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के थाना जुनावई क्षेत्र के ग्राम ढढवारा में एक सनसनीखेज घटना ने ग्रामीणों में दहशत पैदा कर दी। स्थानीय निवासी श्रीकान्त शर्मा पुत्र स्व. शंकर शर्मा के घर में अभियुक्तों ने धावा बोलकर लाठी-डंडों व फरसे से जानलेवा हमला किया। पीड़ित व उनकी बेटी को गंभीर चोटें आईं, जबकि अभियुक्तों ने शराब पीने के लिए पैसे मांगने व इनकार पर हमला बोल दिया। थाना पुलिस ने चारों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। घटना की तहरीरी सूचना के अनुसार, 22 अक्टूबर को अभियुक्तगण लाठी-डंडे, फरसा आदि हथियार लेकर श्रीकान्त शर्मा के घर में घुस

आए। त्योहार मनाने के बहाने उन्होंने 500 रुपये की मांग की, लेकिन पैसे देने से इंकार करने पर गाली-गलौज शुरू कर दी। क्रोधित अभियुक्तों ने श्रीकान्त व उनके परिवार पर लाठी-डंडों से प्रहार किया। फरसे से श्रीकान्त के सिर पर वार किया गया, जिसे उन्होंने अपनी बाजू से रोका, लेकिन बाजू पर गहरा घाव हो गया। हमलावरों ने श्रीकान्त की बेटी को भी नहीं बख्शा और उसके साथ भी मारपीट की, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। अंत में, जान से मारने की धमकी देकर अभियुक्त भाग निकले। थाना जुनावई पर इस मामले में सुसंगत धाराओं के तहत अभियोग दर्ज किया गया।24 अक्टूबर को थाना पुलिस की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चारों अभियुक्तो पूरन पुत्र महावीर,सतीश पुत्र महावीर, रामभरोसे, तथा अवधेश पुत्र कल्याण–सभी निवासी ग्राम ढढवारा, थाना जुनावई, जनपद सम्भल–को ग्राम ढढवारा के रामगोपाल पुत्र नत्थू की ट्यूबवेल के पास से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस द्वारा अग्रिम कारवाही की जा रही है।

ललितपुर में चोर समझकर युवक की पिटाई मामले में बड़ा एक्शन, 10 लोग गिरफ्तार

झांसीः उत्तर प्रदेश के ललितपुर जिले के तालबेहट इलाके में एक युवक को चोर समझ कर पीटने के आरोप में पुलिस ने 10 लोगों को गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, बुधवार रात एक युवक को घूमते देख कुछ लोगों ने उसकी बेरहमी से पिटाई की थी। तालबेहट कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) मनोज मिश्रा ने बताया कि पीड़ित बृजेंद्र (20) की शिकायत के आधार पर संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ननू कुशवाहा, राजकुमार, हरचरण, रवि, मुकेश, अमित भोले, शंकर, धनीराम, फूलचंद और आसाराम समेत 10 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि बृजेंद्र सिमरधा, पाली का रहने वाला है और घटना की विस्तृत जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार, तालबेहट इलाके के खांदी मजरा, करीला गांव में पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही चोरियों से परेशान लोगों ने बुधवार रात करीब आठ बजे ननू कुशवाहा के घर के पास संदिग्ध अवस्था में बृजेन्द्र को घूमते हुए देखा और चोर समझ कर स्टेशन के पास पकड़कर खंभे से बांधकर डंडो से पिटाई कर दी।

अयोध्या में कांस्टेबल की हैवानियत! पहले जड़ा थप्पड़, फिर पलट दिया प्रसाद से भरा ठेला सोशल मीडिया पर भड़की जनता

अयोध्याः उत्तर प्रदेश के अयोध्या से एक शर्मनाक वीडियो सामने आया है, जिसने पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वीडियो में राम जन्मभूमि थाना क्षेत्र में तैनात एक सिपाही ठेले पर प्रसाद बेचने वाले युवक की बेरहमी से पिटाई करता नजर आ रहा है। यह घटना श्रीराम जन्मभूमि के निकासी द्वार के पास की बताई जा रही है।

ठेलेवाले सोनू कुशवाहा की बेबसी

मध्यप्रदेश निवासी सोनू कुशवाहा रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के समय से अयोध्या में प्रसाद बेचकर अपना गुजारा कर रहा है। शुक्रवार सुबह वह श्रीराम हॉस्पिटल के पास निकासी द्वार के पास ठेला लगाकर प्रसाद बेच रहा था।

सिपाही ने थप्पड़ मारा और ठेला पलट दिया

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, राम जन्मभूमि थाने में तैनात सिपाही अनूप पांडे ने सोनू को ठेला हटाने के लिए कहा। सोनू ने बात मान ली, लेकिन कुछ देर बाद सिपाही फिर पहुंचा और उससे दुर्व्यवहार करने लगा। इसी दौरान उसने सोनू को थप्पड़ मारा और प्रसाद से भरा ठेला पलट दिया। ठेले पर रखा सारा प्रसाद सड़क पर बिखर गया। वीडियो वायरल, पुलिस पर गुस्से में जनता

मौके पर मौजूद किसी व्यक्ति ने पूरी घटना मोबाइल में रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर डाल दी। वीडियो वायरल होते ही लोगों ने अयोध्या पुलिस की इस बर्बरता पर नाराजगी जताई और दोषी सिपाही पर सख्त कार्रवाई की मांग की।

परिजनों ने लगाए गंभीर आरोप

सोनू की मौसी प्रीति कुशवाहा ने आरोप लगाया कि सिपाही ने सोनू को डंडे से पैर पर मारा, जिससे उसके पैरों में सूजन आ गई है। उनका यह भी कहना है कि पुलिस ठेला लगाने के बदले 500 रिश्वत मांगती थी। सोनू की मां पूनम कुशवाहा ने कहा, मेरे बेटे को डंडे से मारा गया, ठेला पलट दिया गया और प्रसाद सड़क पर फेंक दिया गया। उसके पैर में गंभीर चोट आई है।

लोगों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं अयोध्या जैसी धार्मिक नगरी की छवि को धूमिल करती हैं। अब सबकी नजरें पुलिस प्रशासन पर हैं कि दोषी सिपाही पर क्या कार्रवाई होती है।

जिला पंचायत अध्यक्ष पर झूठा शपथ पत्र देने का आरोप, जांच की मांग तेज

अम्बेडकरनगरः जिले की राजनीति में इन दिनों बड़ा विवाद सामने आया है। जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुंदर वर्मा पर चुनाव के दौरान झूठा शपथ पत्र देने का गंभीर आरोप लगा है। शिकायतकर्ता मेराज अहमद ने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को पत्र भेजकर इस मामले में जांच और कार्रवाई की मांग की है। आरोप है कि श्याम सुंदर वर्मा ने वर्ष 2021 के जिला पंचायत सदस्य चुनाव में अपने नामांकन के साथ दिए गए शपथ पत्र में यह उल्लेख किया था कि उनके खिलाफ कोई आपराधिक मुकदमा दर्ज नहीं है। उन्होंने टांडा पूर्वी उत्तरी सीट से चुनाव लड़ा था

और विजयी हुए थे। इसके बाद वे जिला पंचायत अध्यक्ष बने।हालांकि, शिकायतकर्ता के अनुसार यह जानकारी भ्रामक और झूठी थी। दरअसल, वर्ष 2018 में इब्राहिमपुर थाने में श्याम सुंदर वर्मा के खिलाफ एक केस दर्ज हुआ था, जो SC/ST एक्ट के तहत दर्ज किया गया था। इस मामले में 2019 में चार्जशीट भी दाखिल की गई थी। मेराज अहमद ने अपने शिकायती पत्र में कहा है कि एक जनप्रतिनिधि द्वारा चुनाव प्रक्रिया के दौरान झूठा शपथ पत्र दाखिल करना लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत दंडनीय अपराध है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाए और उचित कानूनी कार्रवाई की जाए।

फिलहाल, इस मामले को लेकर जिला प्रशासन सतर्क हो गया है। सूत्रों के मुताबिक, शिकायत की प्रति जिला निर्वाचन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक और एसडीएम टांडा को भी भेजी गई है।

प्रशासन ने शिकायत की जांच कराने की बात कही है। अगर आरोप सही साबित होते हैं, तो जिला पंचायत अध्यक्ष को पद और प्रतिष्ठा – दोनों पर असर पड़ सकता है।

बेटी से दुष्कर्म के आरोपी का पिता ने काटा प्राइवेट पार्ट

देवरियाः जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। छह वर्षीय बेटी के साथ दुष्कर्म की कोशिश से आहत पिता ने शुक्रवार सुबह खुदकुशी कर ली। उसने अपने किराए के कमरे में फंदे से लटककर जान दे दी। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। मौके पर सीओ सलेमपुर मनोज कुमार, थानाध्यक्ष दिनेश कुमार मिश्र और फॉरेंसिक टीम पहुंचकर जांच में जुट गई है। मामला खुखुंदू थाना क्षेत्र का है। मृतक युवक पिछले दो माह से महाराजपुर गांव निवासी रामबाबू यादव के साथ किराए के मकान में रह रहा था। उसके साथ उसकी छह वर्षीय बेटी भी रहती थी। बीते मंगलवार की रात युवक, उसकी बेटी और दोस्त रामबाबू एक साथ सोए थे। आरोप है कि रात में रामबाबू ने बच्ची के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया। युवक की नींद खुली तो उसने यह घिनौनी हरकत देख ली। गुस्से में उसने रामबाबू पर चाकू से हमला कर उसके प्राइवेटट पार्ट को काट, जिससे आरोपी गंभीर रूप से घायल हो गया। फिलहाल वह गोरखपुर बीआरडी मेडिकल कॉलेज में इलाजरत है। पुलिस ने युवक से पूछताछ के लिए थाने बुलाया था। गुरुवार शाम वह घर लौटा और बेटी के साथ खाना खाकर सो गया। शुक्रवार सुबह पूजा-पाठ करने के बाद उसने बेटी को बाहर बैठाया और कमरे का दरवाजा बंद कर लिया। कुछ देर बाद वह फंदे से लटकता मिला।सीओ सलेमपुर ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह आत्महत्या का मामला है। युवक बेटी के साथ हुई घटना से मानसिक रूप से आहत था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच जारी है।

कुत्ते के काटने को लेकर हुई झड़पः पुलिस ने सात लोगों को हिरासत में लिया

बलियाः जिले के दोकटी थाना क्षेत्र के एक गांव में कुत्ते के काटने को लेकर हुए विवाद के बाद झड़प में चार महिलाओं समेत कुल 10 लोग घायल होने के मामले में पुलिस ने सात लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

बैरिया क्षेत्र के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) मोहम्मद फहीम कुरैशी ने बताया कि दलन छपरा गांव के लाल बहादुर माली की तहरीर पर बृहस्पतिवार को दस लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि पुलिस ने सात लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, दलन छपरा गांव निवासी लाल बहादुर माली बुधवार रात जब अपने घर जा रहे थे तभी अंधेरे के कारण उनका पैर रास्ते में सोये पालतू कुत्ते पर पड़ गया, जिससे कुत्ते ने उन्हें काट लिया। उसने बताया कि इसके बाद कुत्ते के भौंकने की आवाज सुनकर उसके मालिक संजीत माली नौ अन्य लोगों के साथ लाठी-डंडा लेकर आए और माली पर हमला कर दिया।

पुलिस ने बताया कि माली के शोर मचाने पर उनके परिजन और पड़ोसी मौके पर पहुंचे, जिन पर भी हमला किया गया और पथराव भी किया। उसने बताया कि इस घटना में सुधीर माली, चंद्रावती देवी, रेनू देवी, मनीष, शशिकांत, कपिल, रमावती देवी, लाल बहादुर, जितेंद्र और संजू घायल हो गए जिन्हें सोनबरसा स्थित सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बताया कि इनमें से पांच घायलों को जिला अस्पताल रेफर किया गया। गंभीर रूप से घायल सुधीर माली और चंद्रावती देवी को जिला अस्पताल से वाराणसी में भर्ती कराया गया।

विकसित भारत, आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश के लिए सुझाव संकलन बैठक आयोजित

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में जनपद में "विकसित भारत, विकसित उत्तर प्रदेश, आत्मनिर्भर भारत, आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश शताब्दी संकल्प विजन डॉक्यूमेंट @2047" के तहत सुझाव और फीडबैक संकलन के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में एनजीओ, आईएमए, नीमा, गायत्री परिवार, रामलीला कमेटी संभल सहित विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। जिलाधिकारी ने बताया कि पहले नीतियां ऊपरी स्तर पर बनाई जाती थीं और नीचे तक पहुंचती थीं, लेकिन अब केंद्र सरकार की प्रेरणा और उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देश पर स्थानीय समस्याओं को ध्यान में रखते हुए स्थानीय लोगों के सुझावों को प्राथमिकता दी जा रही

है। उन्होंने कहा कि इन सुझावों के आधार पर स्थानीय समस्याओं के समाधान और विकास के लिए नीतियां बनाई जाएंगी। डॉ. पैंसिया ने सभी संस्थाओं से अपील की कि वे जनपद के विकास के लिए अधिक से अधिक सुझाव और फीडबैक प्रदान करें। उन्होंने बताया कि एक सिम के माध्यम से तीन सुझाव दिए जा सकते हैं। बैठक में जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी रत्नेश कुमार, सतेंद्र पाल सिंह सहित आईएमए, नीमा और अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। यह पहल स्थानीय स्तर पर विकास को गति देने और समुदाय की भागीदारी को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

भाई दूज पर 42 किमी पैदल यात्रा कर भाई ने बहन के दर पर लगाई हाजिरी,फूलों से हुआ स्वागत

बहजोई/संभल(सब का सपना):- दीपावली के ठीक बाद भाई दूज के पावन पर्व पर भाई-बहन के अटूट प्रेम की एक अनोखी मिसाल कायम करते हुए संभल जिले के बहजोई निवासी राजीव कुमार गुप्ता ने अपनी बहन से मिलने के लिए 42 किलोमीटर लंबी पैदल यात्रा तय की। दौड़ने के अपने जुनून को अपनाते हुए उन्होंने मात्र 6 घंटे में इस दूरी को पार कर वजीरगंज पहुंचकर बहन का दिल जीत लिया। राजीव कुमार, जो दौड़ प्रतियोगिताओं के शौकीन हैं, ने इस्लामनगर और बिसौली होते हुए वजीरगंज जनपद बदायूं का सफर पैदल ही पूरा किया। सुबह-सुबह बहजोई से निकले राजीव जब दोपहर तक बहन के घर पहुंचे, तो पूरा मोहल्ला उनके स्वागत के लिए

उमड़ पड़ा। बहन ने फूलों की माला पहनाकर उनका हार्दिक स्वागत किया और तिलक लगाकर लंबी उम्र की कामना की। इस भावुक क्षण पर राजीव ने कहा, भाई दूज सिर्फ त्योहार नहीं, बल्कि बहन के प्रेम का प्रतीक है। दौड़ का जुनून मुझे फिट रखता है, लेकिन बहन का प्यार ही मेरी असली ताकत है। स्थानीय लोगों ने भी राजीव की इस पहल की सराहना की। एक पड़ोसी ने बताया, ऐसी मिसालें देखकर युवाओं में फिटनेस के प्रति

जागरूकता बढ़ती है। साथ ही, भाई-बहन के रिश्ते को मजबूत करने का यह अनोखा तरीका है। राजीव की यह यात्रा न केवल उनके जुनून को दशार्ती है, बल्कि पारंपरिक त्योहार को आधुनिक जीवनशैली से जोड़ने का बेहतरीन उदाहरण भी है। भाई दूज के इस दिन, जब पूरे देश में बहनें भाइयों को तिलक लगाकर रक्षा का वचन लेती हैं। लोग इसे प्रेरणा स्त्रोत मान रहे हैं, जो दशार्ता है कि सच्चा प्रेम दूरी की परवाह नहीं करता।

स्कॉलरशिप बैंक खातों को लेकर सीएम सैनी का बड़ा ऐलान, स्कॉलरशिप लेने के लिए अब करना होगा ये काम

चंडीगढ़ः हरियाणा के सीएम नायब सैनी ने एससी और बीसी विद्यार्थियों को दी जाने वाली स्कॉलरशिप योजनाओं की रिव्यू मीटिंग ली। बैठक में स्कॉलरशिप योजनाओं के संबंध में चर्चा की। बैठक में सीएम ने स्कॉलरशिप के लिए स्टूडेंट्स का बैंक खाता आधार से लिंक कराने के निर्देश दिए। सीएम ने मीटिंग में कहा, स्कूल और कॉलेज भी योजनाओं की जानकारी विद्यार्थियों को देकर स्कॉलरशिप के ऑनलाइन फॉर्म भी भरवाना सुनिश्चित करें।

इसके अलावा मेधावी और जरूरतमंद छात्र आर्थिक तंगी के कारण अपनी पढ़ाई बीच में न छोड़ें ये सरकार की जिम्मेदारी है। पात्र विद्यार्थी का बैंक खाता आधार से लिंक करवा के समय पर स्कॉलरशिप प्रदान कराना अधिकारी सुनिश्चित करें।

हरियाणा में जो भी छात्र-छात्राएं इस योजना का लाभ उठाना चाहते हैं, वो 31 जनवरी 2026 तक पोर्टल https://saralharyana.gov.in/ पर आवेदन जमा कर सकते हैं। सीएम ने कहा निरंतर बढ़ती प्रतिस्पर्धा के युग में अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, विमुक्त घुमंतु, टपरीवास श्रेणी और अन्य वर्ग के मेधावी विद्यार्थियों को अधिक से अधिक आर्थिक सहयोग और प्रोत्साहन प्रदान करने के उद्देश्य से ये योजना चलाई जा रही है।

8 से 12 हजार रुपए तक दी जाती है छात्रवृत्ति जो भी छात्र-छात्रा इसका

लाभ लेना चाहते हैं और इसके लिए आवेदन करने के लिए पात्र हैं, उनकी श्रेणी, कक्षा और प्राप्तांक के आधार पर 8 हजार रुपए से 12 हजार रुपए तक की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। इससे उनको आर्थिक तौर पर मजबूती मिलेगी। इस योजना का मुख्य उद्देश्य है कि वो ये छात्रवृत्ति प्राप्त करके अपनी उच्च स्तर की शिक्षा ग्रहण कर सके।किस क्लास के बच्चे को कितनी छात्रवृत्ति मिलती है

अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को 10वीं कक्षा में शहरी क्षेत्रों में 70 प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्रों में 60 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर 8 हजार रुपए, 12वीं कक्षा में क्रमशः 75 प्रतिशत और 70 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर 8 हजार रुपए से 10 हजार रुपए तक और स्नातक स्तर पर 65 प्रतिशत (शहरी) और 60 प्रतिशत (ग्रामीण) अंक प्राप्त करने पर 9 हजार रुपए से 12 हजार रुपए तक की छात्रवृत्ति दी जाएगी। इसी प्रकार, पिछड़ा वर्ग (ए) के विद्यार्थियों को 10वीं कक्षा में 70 प्रतिशत (शहरी) और 60 प्रतिशत (ग्रामीण) अंक प्राप्त करने पर 8 हजार रुपए, पिछड़ा वर्ग (बी) के विद्यार्थियों को 10वीं कक्षा में 80 प्रतिशत (शहरी) एवं 75 प्रतिशत (ग्रामीण) अंक प्राप्त करने पर 8 हजार रुपए और सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों को 10वीं कक्षा में 80 प्रतिशत (शहरी) एवं 75 प्रतिशत (ग्रामीण) अंक प्राप्त करने पर 8 हजार रुपए की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।

एएसआई संदीप लाठर आत्महत्या मामलाः अब 3 नहीं 4 के खिलाफ है एफआईआर दर्ज

रोहतक : आईपीएस वाई पूरन कुमार की आत्महत्या का मामला अभी सुलझा भी नहीं था कि उसके ठीक एक हफ्ते बाद रोहतक साइबर सेल में तैनात एएसआई संदीप लाठर ने भी खुद को गोली मार कर आत्महत्या कर ली थी लेकिन मरने से पहले उन्होंने चार पेज का सुसाइड नोट व लगभग 6:30 मिनट का एक वीडियो बनाया था, जिसमें उन्होंने विभाग में भ्रष्टाचार को उजागर किया था। साथ ही उस वक्त के एसपी नरेंद्र बिजरानिया को ईमानदार तो आईपीएस वाई पूरन कुमार को भ्रष्ट अधिकारी बताया था, जिससे दुखी होकर आत्महत्या कर ली थी तो वहीं, परिजनों की शिकायत पर वाई पूरन कुमार की पत्नी उनके भाई अमन रतन, गनमैन सुशील के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी लेकिन अब इस मामले में एक और नया मोड़ आ गया। दरअसल FIR की कॉपी में तीन नहीं बल्कि 4 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज है। जिन लोगों के खिलाफ FIR की गई है इसमें नया नाम आईजी ऑफिस में तैनात रक्र सुनील कुमार का है। 4 नामजद और एक अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। FIR की कॉपी मीडिया के सामने आने से चारों तरफ हलचल मच गई है। दरसल पुलिस ने FIR की कॉपी पूरी तरह से मीडिया से दूर रखी। वह इसलिए कहीं लोगों के बीच में आपसी टकराव न हो जाए और यह मामला जातीय रंग न ले ले। दूसरी ओर मृतक के भाई संजय चेयरमैन ने कहा है कि उसका भाई भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा है और वह पूरा ईमानदार व्यक्ति था। इस सारे मामले की सिटिंग जज से जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वाई पूरन कुमार के परिवार को भी न्याय मिलना चाहिए। उनके साथ भी अन्याय न हो और मामले की जांच होगी, तभी दूध का दूध और पानी का पानी हो पाएगा। गौरतलब है कि मृतक संजय संदीप लाठर की पत्नी संतोष की शिकायत पर सदर थाना में वाई पूरण कुमार की पत्नी अमनीत पी कौर, उनके भाई अमन रतन वाई पूरन कुमार के गनमैन सुशील कुमार और आईजी ऑफिस में तैनात रक्र सुनील कुमार चारों के खिलाफ नामजद FIR दर्ज हुई है तो वहीं, FIR में एक अन्य के खिलाफ भी शिकायत दी गई है। दूसरी ओर संजय चेयरमैन ने कहा कि इसमें और अन्य लोग भी शामिल हो सकते हैं जो जांच के बाद सामने आएंगे।

अंबाला में रूसी पर्यटक के साथ बदमाशों ने की लूट, वाराणसी से जम्मू तक कर रहा था पैदल यात्रा

हरियाणा : हरियाणा के अंबाला जिले में एक रूसी पर्यटक के साथ लूट की वारदात सामने आई है। वारदात को अंबाला-दिल्ली हाईवे स्थित मोहड़ा गांव के पास सर्विस लेन पर बाइक सवार 3 नकाबपोश बदमाशों ने अंजाम दिया है। मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार रूस के ओब्लास्ट स्थित ओकुलोवो गांव निवासी विक्टर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह रूस से भारत 29 सितंबर को पहुंच गए थे। देवी दुर्गा की भक्ति में वाराणसी से जम्मू तक पैदल यात्रा पर था। उन्होंने कहा कि 23 अक्टूबर को वह सुबह सर्विस रोड पर मोहड़ा गांव से थोड़ा आगे पहुंचा, तभी बाइक सवार 3 नकाबपोश युवकों ने पास में रूके और बैग छीनकर फरार हो गए। विक्टर ने कहा कि बैग में सैमसंग का

मोबाइल फोन, महत्वपूर्ण व्यक्तिगत दस्तावेज, आपातकालीन पासपोर्ट, मूल पासपोर्ट की वीजा लेमिनेटेड कॉपी सहित तीन सौ रुपये की भारतीय मुद्रा ले गए। वारदात की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। पड़ाव थाना पुलिस ने रूस निवासी विक्टर की तहरीर पर अज्ञात पर बीएनएस में झपटमारी की धारा 304 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। इस मामले को लेकर थाना प्रभारी धर्मबीर ने कहा कि रूसी पर्यटक विक्टर से लूट होने की सूचना मिली है।

केस दर्ज कर लिया है और आस-पास के सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं। जल्द ही आरोपियों को काबू कर लिया जाएगा।

मांगलिक दोष दूर करने घर पहुंचा था पंडित, मौका मिलते युवती के साथ कर दी ये घिनौनी हरकत

पानीपत : समालखा शहर में शादी से पहले युवती का मांगलिक दोष दूर करने के बहाने घर में घुसे एक पंडित की घिनौनी करतूत सामने आई है। उसने युवती के साथ जबरन छेड़छाड़ की और दुष्कर्म का प्रयास किया। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया, जिसे गुरुवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

ये है पूरा मामला

पीड़िता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी शादी 2 नवंबर को तय है और यह रिश्ता सोनीपत के गांव सनपेड़ा के आरोपी पंडित वीरेंद्र ने ही करवाया था। शादी से पहले उसने युवती को मांगलिक दोष होने की बात कही और उसे दूर करने के लिए बुधवार को समालखा स्थित उसके घर पर हवन करने पहुंच गया। हवन खत्म होने के बाद पंडित वीरेंद्र ने पूजा का कुछ सामान देकर बहाने से युवती की मां को मंदिर भेज दिया। जब युवती रसोई में अकेली थी, तभी पंडित ने उसे पकड़ लिया और छेड़खानी करने लगा। युवती के जबरन कपड़े भी उतार दिए और गलत काम करने का दबाव बनाया। विरोध करने पर उसने जान से मारने की धमकी दी। युवती ने हिम्मत दिखाते हुए पंडित को धक्का दिया और घर से भाग गई। तभी आरोपी मौके से फरार हो गया। पीड़िता ने मां को पूरी बात बताई और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी पंड़ित को गिरफ्तार कर लिया है और उसे कोर्ट में पेश करके 14 दिन की

न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।आरोपी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजाः चौकी इंचार्ज

इस मामले को लेकर चौकी इंचार्ज अनिल कुमार ने बताया कि युवती की शिकायत पर आरोपी वीरेंद्र के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया। पुलिस ने पीड़िता के 164 के बयान भी दर्ज करवाए हैं। उन्होंने कहा कि आरोपी को कोर्ट में पेश करके 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

हरियाणा में पेंशनर्स-सरकारी कर्मचारियों के लिए खुशखबरी, सरकार में इतना बढ़ाया मंहगाई भत्ता

चंडीगढ़ : हरियाणा सरकार ने राज्य के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों/पारिवारिक पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ता (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) की दरों में वृद्धि करने का निर्णय लिया है। महंगाई भत्ता एवं राहत की दर 55 प्रतिशत से बढ़ाकर 58 प्रतिशत कर दी गई है, जो 1 जुलाई, 2025 से प्रभावी होगी।

मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, जिनके पास वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव का दायित्व भी है, की ओर से इस सम्बन्ध में एक पत्र जारी किया गया है। बढ़ी हुई दरों के अनुसार महंगाई भत्ते/राहत का भुगतान अक्टूबर, 2025 के वेतन और पेंशन के साथ किया जाएगा, जबकि जुलाई से सितंबर, 2025 तक का एरियर नवंबर माह में दिया जाएगा6 लाख नियमित कर्मचारियों और पेंशनर्स को मिलेगा फायदा हरियाणा के करीब 6 लाख नियमित कर्मचारियों और पेंशनर्स को इसका फायदा मिलेगा। मिले डेटा के अनुसार प्रदेश में करीब 3 लाख नियमित कर्मचारी और 3 लाख पेंशनर्स शामिल हैं। हरियाणा सरकार के वित्त विभाग ने आज यानी शुक्रवार को इसकी घोषणा की है।

हरियाणा में एयर फोर्स ऑफिसर के साथ लाखों की ठगी, पहले टेलीग्राम पर दिया लालच

हिसारः हिसार में इंडियन एयरफोर्स में तैनात अधिकारी प्रदीप नैन के साथ ऑनलाइन ठगी की गई। आरोपियों ने उनके खाते से 2.70 लाख रुपये ठग लिए। इस मामले की पीड़ित ने साइबर थाना पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है और पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार पुलिस को दी शिकायत में प्रदीप नैन ने बताया कि वे 2 महीने के अवकाश पर है और अपने फोन पर टेलीग्राम का इस्तेमाल करते हैं। इस दौरान टेलीग्राम पर उन्हें रश्मिका शर्मा नामक एक आईडी से मैसेज आया और उसने रेस्टोरेंट रिव्यू के टास्क पूरे करने पर प्रति टास्क 50 रुपए देने का वादा किया गया था। उन्होंने कहा कि इस लालच में आकर मैंने हामी भर दी। इसके बाद रश्मिका शर्मा ने उनकी आईडी जनरेट कर दी। उन्होंने कहा कि इसके बाद रेस्टोरेंट रिव्यू करने के लिए 5 टास्क मिले, जिन्हें पूरा कर दिया। जैसे जैसे टास्क पूरे होते गए और पैसे बढ़ने का लालच बढ़ता गया। इसी तरह 2,82,282 रुपए टास्क पर बताए यूपीआई आईडी पर लगा दिए। इसी तरह आईडी पर लाभ सहित कुल रकम 3,33,782 रुपये दिखाने लगा। जिनको मैं अपने बैंक खाता में ट्रांसफर करने लगा लेकिन ये पैसे मेरे बैंक खाता मे ट्रांसफर नहीं हुए। इससे ठगी होने का अंदेशा हुआ। इसके बाद इस मामले को लेकर पुलिस में शिकायत दी।

बीएसएफ जवान शिवानी प्रजापति ने रचा इतिहास, जिसको पाने में लगते हैं 18 साल, उस मुकाम को पांच 5 महीने में किया हासिल

हरियाणाः एएनआइ सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के छह दशक के इतिहास में एक अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल करते हुए एक युवा कांस्टेबल को बल में शामिल होने के मात्र पांच महीनों के भीतर बिना बारी के (आउट आफ टर्न) पदोन्नति मिली है। यह एक ऐसा मील का पत्थर है जो भारत के किसी भी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल में पहले कभी नहीं देखा गया। उत्तर प्रदेश में दादरी निवासी बढ़ई की बेटी शिवानी ने बीएसएफ में इतनी तेजी से पहचान हासिल करने वाली पहली महिला कांस्टेबल के रूप में इतिहास में अपना नाम दर्ज

करा लिया है। 31 अगस्त से आठ सितंबर, 2025 तक ब्राजील में आयोजित 17वीं विश्व वुशु चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने की उल्लेखनीय उपलब्धि के बाद उन्हें हेड कांस्टेबल के पद पर पदोन्नत किया गया है। बहुत ही कम लोगों को मिलता है ऐसा दुर्लभ अवसर बीएसएफ शिवानी के असाधारण प्रदर्शन की सराहना करते हुए महानिदे ने कहा, वह बीएसएफ की एक उत्कृष्ट खिलाड़ी है।

निश्चित रूप से यह दुर्लभ अवसर है जो बहुत कम लोगों को मिलता है। यह खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करता है। आउट आफ टर्न पदोन्नति के प्रविधान का लाभ उठाकर वे अपनी सेवा में उन्नति प्राप्त कर सकते हैं। यह न केवल उनके लिए, बल्कि उनके परिवारों और समग्र समाज के लिए भी लाभकारी

यमुनानगर में डिलीवरी के दौरान जच्चा-बच्चा की मौत, परिजनों बोले- सही- सलामत कराया था दाखिल

यमुनानगर : हरियाणा के यमुनानगर में एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान जच्चा बच्चा की मौत होने के बाद परिजनों ने हंगामा किया और अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया। खेड़ा गांव निवासी अनूप कुमार की पत्नी कोमल को कल शाम डिलीवरी के लिए इस अस्पताल में दाखिल करवाया गया था ।आज तड़के उसे दर्द हुई तो ऑपरेशन थिएटर में ले गए ।इसके बाद अस्पताल स्टाफ ने परिजनों को बताया कि बच्चे की सांस नहीं आ रही और फिर बता दिया कि बच्चे की मां की भी मौत हो चुकी है। जिस पर परिजनों ने अस्पताल में हंगामा करते हुए डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाया। इसके बाद परिजनों को जैसे ही इस मामले की जानकारी लगी तो वह अस्पताल में पहुंचे, लेकिन इस बीच परिजनों का आरोप है कि जैसे ही वह अस्पताल परिसर में पहुंचे तो उन्होंने अस्पताल प्रांगण में खुले में प्लेजेंटा (बच्चों की थैली) पड़ी हुई देखी तो परिवार के लोगों का गुस्सा सातवें आसमान पर

पहुंच गया। वहीं दूसरी तरफ डॉक्टर ने भी हालात को देखते हुए आई एम ए को इस मामले की सूचना दे दी । मृतक कोमल के परिजनों भी अस्पताल में ही इकट्ठा होना शुरू हो और उन्होंने जमकर हंगामा शुरू कर दिया। परिजनों का आरोप था कि उन्होंने कोमल को कल शाम को ही अस्पताल में सही सलामत दाखिल कराया था लेकिन डॉक्टरों की लापरवाही के चलते ही दोनों की मौत हुई है। परिवार की महिलाओं ने अस्पताल में हल्की तोड़फोड़ भी कर दी लेकिन मौके पर पहुंची पुलिस ने इन लोगों को समझाना शुरू कर दिया। हालात को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस पर भी पहुंच गया और परिवार को समझाने में जुट गया लेकिन परिवार के लोग इस बात पर अड़ गए की पहले डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई की जाए। इसके बाद परिवार के लोगों ने पुलिस को लिखित में शिकायत दी और पुलिस ने तब जच्चा और बच्चा के शव को कब्जे में लेकर उन्हे पोस्टमार्टम के लिए के लिए सिविल अस्पताल जगाधरी में दिया। हालाकि इस पूरे मामले में डॉक्टरों का कहना है कि उन्होंने दोनों को बचाने की कोशिश की लेकिन वह बच्चा नहीं पाए, जिसका उन्हें भी अफसोस है फिलहाल पुलिस इस मामले में अब जांच में जुट गई है और जांच के बाद ही आगामी कार्रवाई को अमल में लाने की बात कह रही है।

खबर एक्सप्रेस

10 हजार रुपये के लिए बुजुर्ग महिला की हत्या, फिर शव को लगाई आग... 2 आरोपियों की गिरफ्तारी

अंबाला : अंबाला पुलिस ने ब्लाइंड मर्डर की गुत्थी सुलझाने में बड़ी कामयाबी हासिल की है। 10 हजार रुपये के लिए एक बुजुर्ग महिला को मौत के घाट उतार दिया गया, जिसका बीते दिनों अंबाला में हरियाणा पंजाब की सीमा पर एक 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला का अधजला शव बरामद हुआ था। पुलिस ने बड़ा खुलासा करते हुए इस मामले के 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने खुलासा करते हुए बताया कि मात्र दस हजार रुपये के लिए महिला को मौत के घाट उतार दिया गया था। दरअसल महिला उधार दिए हुए पैसे वापिस लेने गई थी। इस दौरान आपसी कहासुनी में आरोपियों ने पहले तो महिला के सिर पर लोहे की रोड मारी और फिर चुन्नी से उसका गला घोट दिया, जिसके बाद रिक्शा में महिला का शव ले जाकर एक सुनसान जगह पर शव को जला दिया। इस मामले में कड़ी मशक्कत से पुलिस ने 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जिनको कोर्ट में पेश कर रिमांड लिया जाएगा। मामले पर महेशनगर थाना रत्नड जितेंद्र सिंह ने बताया कि मृतक महिला ने जिन लोगों को उधार पैसे दिए थे। उन्होंने ही महिला को मौत के घाट उतार दिया। एसएचओ ने कहा कि इस मामले में 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। फिलहाल आरोपियों को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा।

शादी की खुशियां मातम में बदलीं, डीजे पर नाच रहे युवक की चाकू मारकर हत्या

करनालः जिले के ढाकवाला गुजरान गांव में एक शादी समारोह के दौरान 18 वर्षीय युवक को डीजे पर नाचते हुए बुलाकर चाकू मार दिए गए। इस घटना में युवक की मौत हो गई। पुलिस ने सूचना मिलते ही मृतक के शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। परिजनों ने कहा कि उनके बेटे का किसी से कोई विवाद नहीं था। डीजे पर नाचते समय उसे जबरदस्ती वहां से खींचकर चाकू से हमला किया गया। युवक को गंभीर चोटें आई थीं। उन्होंने गांव के कुछ युवकों पर अपने बेटे की हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस और जांच अधिकारी का बयानकल्पना चावला मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे जांच अधिकारी तरसेम सिंह ने बताया कि घटना की सूचना उन्हें मिली थी कि शादी में एक युवक को चाकू से घायल किया गया है, जिससे उसकी मृत्यु हो गई। उन्होंने कहा कि परिजनों ने कुछ नाम आरोपितों के रूप में बताए हैं और जल्द ही उनकी गिरफ्तारी की जाएगी।

बाइक पर जा रहे थे पिता-पुत्र, तभी स्कॉर्पियो सवार बदमाशों ने बरसाई गोलियां, मौत

सोनीपत : जिले के खरखौदा इलाके में अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हो गए हैं। दरअसल, बदमाशों ने दिनदहाड़े पिताझ्रपुत्र की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। घटना का विवरण जानकारी के अनुसार खरखौदा शहर के बाइपास स्थित थाना कलां चौक के पास पिताझ्रपुत्र बाइक पर जा रहे थे। इसी दौरान स्कॉर्पियो सवार बदमाश पहुंचे और ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। गोलियों की बौछार में गांव गोपालपुर निवासी धर्मबीर और उनके बेटे मोहित की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद जब आरोपी स्कॉर्पियो में फरार हो रहे थे, तो उनकी गाड़ी डिवाइडर से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई। इसके बाद 2 बदमाशों ने पास से गुजर रहे गांव तुर्कपुर के एक युवक की बाइक छीनकर मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। अभी तक हत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है। दूसरी ओर, दिनदहाड़े हुई इस दोहरे हत्याकांड ने इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया है। लोग प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

हरियाणा के हिसार से सुप्रीम कोर्ट तक का सफर... जानिए कौन हैं देश के अगले सीजेआई

हरियाणा : हरियाणा के हिसार से निकलकर देश की सर्वोच्च न्यायिक कुर्सी तक पहुंचने वाले जस्टिस सूर्यकांत की कहानी प्रेरणादायक है। साधारण परिवार से आने वाले इन न्यायाधीश ने मेहनत, ईमानदारी और न्याय के प्रति जुनून से सुप्रीम कोर्ट तक का सफर तय किया है। वे 24 नवंबर 2025 को भारत के अगले मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बनेंगे और फरवरी 2027 तक इस पद पर रहेंगे। प्रारंभिक जीवन और शिक्षा

जस्टिस सूर्यकांत का जन्म 10 फरवरी 1962 को हिसार जिले के पेट्वर गांव में हुआ। उन्होंने प्रारंभिक शिक्षा गांव के स्कूल से पूरी की और 1981 में गवर्नमेंट पीजी कॉलेज, हिसार से स्नातक की डिग्री प्राप्त की। फिर उन्होंने 1984 में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक से कानून (एलएलबी) की पढ़ाई पूरी की। कानूनी करियर और सफलता 1984 में उन्होंने हिसार के जिला न्यायालय में वकालत शुरू की और 1985 में चंडीगढ़ स्थित पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में प्रैक्टिस शुरू की। उन्होंने सांविधानिक, सेवा और नागरिक मामलों में प्रभावशाली दलीलों द्वारा अपनी पहचान बनाई।

सामाजिक न्याय के लिए योगदान

जस्टिस सूर्यकांत की न्यायिक यात्रा सामाजिक मुद्दों पर केंद्रित रही। वे सार्वजनिक संसाधनों के संरक्षण, भूमि अधिग्रहण, मुआवजे, पीड़ितों के अधिकार, आरक्षण और संवैधानिक संतुलन जैसे विषयों पर संवेदनशील और न्यायसंगत दृष्टिकोण के लिए जाने जाते हैं। उनके फैसलों ने सामाजिक न्याय और नागरिक अधिकारों को मजबूती दी।

प्रमुख उपलब्धियां

7 जुलाई 2000ः हरियाणा के सबसे युवा एडवोकेट जनरल नियुक्त।

2001ः वरिष्ठ अधिवक्ता का दर्जा प्राप्त।

9 जनवरी 2004ः पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के स्थायी न्यायाधीश बने।

5 अक्तूबर 2018ः हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश नियुक्त।

आगामी मुख्य न्यायाधीश नियुक्ति

केंद्र सरकार ने जस्टिस सूर्यकांत को देश का 53वां मुख्य न्यायाधीश बनाने की प्रक्रिया शुरू की है। मौजूदा मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई 23 नवंबर 2025 को सेवानिवृत्त होंगे। नियुक्ति प्रक्रिया पूरी होने के बाद, 24 नवंबर 2025 को जस्टिस सूर्यकांत मुख्य न्यायाधीश पद संभालेंगे। वे 9 फरवरी 2027 तक इस पद पर रहेंगे।

नियुक्ति प्रक्रिया का नियम

मेमोरेंडम ऑफ प्रोसीजर के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट का सबसे वरिष्ठ और उपयुक्त न्यायाधीश को मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया जाता है। वर्तमान सीजेआई के सेवानिवृत्त होने से लगभग एक माह पहले विधि मंत्री उनकी सिफारिश मांगते हैं। वर्तमान में जस्टिस सूर्यकांत सुप्रीम कोर्ट में सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश हैं। जस्टिस सूर्यकांत की नियुक्ति से भारतीय न्यायपालिका को नई दिशा और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

खबर एक्सप्रेस

जेएनयू छात्र संघ के लिए चार नवंबर को होंगे मतदान, जारी हुआ पूरा शेड्यूल

दक्षिणी दिल्ली। दिल्ली में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव 2025-26 के लिए मतदान चार नवंबर को होंगे। चुनाव समिति की ओर से छात्रसंघ चुनावों को लेकर संभावित शेड्यूल जारी कर दिया गया है। इसके मुताबिक, 24 अक्टूबर यानी शुक्रवार को अस्थायी मतदाता सूची प्रदर्शित की जाएगी और शाम पांच बजे तक इसमें संशोधन होंगे। वहीं, शनिवार यानी 26 अक्टूबर को दोपहर दो से शाम पांच बजे तक नामांकन पत्र जारी होंगे। इसके बाद 27 अक्टूबर को नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू होगी। इसके तहत सुबह 9:30 से शाम पांच बजे तक छात्र नामांकन कर सकेंगे। इसके बाद 28 अक्टूबर को सुबह 10 बजे वैध नामांकनों की सूची प्रदर्शित की जाएगी। बताया गया कि दोपहर दो से पांच बजे तक नामांकन वापसी की प्रक्रिया चलेगी और इसी दिन शाम सात बजे उम्मीदवारों की अंतिम सूची प्रदर्शित की जाएगी। आठ बजे उम्मीदवारों के साथ प्रेस वार्ता होगी।वहीं, 29 से 31 अक्टूबर तक स्कूल जनरल बॉडी मीटिंग (जीबीएम) की जाएगी। एक नवंबर को विश्वविद्यालय की जीबीएम और दो नवंबर को शाम आठ बजे से प्रेजिडेंशियल डिबेट की जाएगी। इसके बाद चार नवंबर को सुबह नौ से शाम 5:30 बजे तक मतदान होंगे और रात नौ बजे से मतगणना शुरू होगी। छह नवंबर परिणाम जारी कर दिए जाएंगे।

अंतरराज्यीय ड्रग सिंडिकेट का मास्टरमाइंड गिरफ्तार, थाईलैंड से चलाता था नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने ड्रग्स तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय ड्रग सिंडिकेट के मास्टरमाइंड जमजिथ के.पी. उर्फ समझू को गिरफ्तार कर लिया है। 38 साल का समझू केरल के कालीकट का रहने वाला है और लंबे समय से थाईलैंड में रहकर तस्करी का नेटवर्क चला रहा था। उसे 21 अक्टूबर को मंगलुरु एयरपोर्ट पर दुबई से लौटते वक्त पकड़ा गया। वह फरार था और उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू हो चुकी थी।इस मामले की शुरूआत 9 जुलाई को हुई जब क्राइम ब्रांच ने इस केस से संबंधित तीन लोगों, फहीम अहमद, दीपक शर्मा उर्फ दीपू और समीर को पकड़ा।इनके पास से चार किलो से ज्यादा हाइब्रिड गांजा बरामद हुआ था। पूछताछ में इन लोगों ने समझू का नाम लिया। पता चला कि वह मुंबई और दिल्ली एयरपोर्ट के जरिए अंतरराष्ट्रीय कार्गो में ड्रग्स मंगवाता था और अपने साथियों के माध्यम से देश के कई हिस्सों में सप्लाई करवाता था। समझू ने 12वीं तक पढ़ाई की और कंबोडिया में नौ साल तक तंबाकू का कारोबार किया। बाद में वह ड्रग्स तस्करी में शामिल हो गया। वह युवाओं को लालच देकर अपने नेटवर्क में शामिल करता था। इंस्पेक्टर रामपाल की टीम ने एसीपी उमेश बर्थवाल के नेतृत्व में लगातार उसकी तलाश की और आखिरकार उसे मंगलुरु में दबोच लिया। अब तक चार लोग गिरफ्तार हो चुके हैं और जांच जारी है। पुलिस पूरे नेटवर्क को खत्म करने और बाकी आरोपियों को पकड़ने में जुटी है। दिल्ली पुलिस ने साफ कहा है कि ड्रग्स तस्करी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी और कोई बच नहीं पाएगा।

दो भाइयों की जिंदगी का आखिरी सफर... 1 किलो मीटर तक घसीटती गई फॉर्च्यूनर, दो परिवारों में पसरा मातम

पश्चिमी दिल्ली। बुधवार देर रात करीब दो बजे दीपांशु और हैनरी के मन में अचानक मुरथल जाने का विचार आया। प्रतियोगी परिक्षाओं की तैयारी कर रहे दोनों चचेरे भाइयों ने तय किया कि मुरथल जाएंगे। पहले दोनों एक छोटी कार से मुरथल के लिए निकले। लेकिन अचानक दोनों ने तय किया कि वे अब फॉर्च्यूनर कार से जाएंगे। रास्ते से वे लौटे, कार को खड़ा किया और फॉर्च्यूनर लेकर निकल पड़े। फॉर्च्यूनर से उनका यह सफर आखिरी सफर साबित हुआ। दोनों युवक अपने माता-पिता की इकलौती संतान थे। पीड़ित परिवार के सदस्यों ने बताया कि दोनों देर रात करीब पौने तीन बजे मुरथल के लिए निकले थे। स्वभाविक रूप से इस समय लोग गाड़ी तेज चलाते हैं। हाइवे पर ट्रक से टकराने के बाद फॉर्च्यूनर ट्रक के साथ करीब एक किलोमीटर तक घसीटती चली गई। इस दौरान ही फॉर्च्यूनर में आग लग गई और दोनों भाई आग की चपेट में आ गए। पीड़ित परिवार के सदस्यों ने बताया कि दोनों युवकों की मौत ने न सिर्फ उनके माता-पिता को बल्कि उनके परिजनों को तोड़ कर रख दिया है। आखिर कोई दोनों युवकों के माता-पिता को क्या और किस शब्दों में सांत्वना देगा। उनका क्या बचा है। जिस संतान के लिए दोनों परिवार दिन रात मेहनत कर रहे थे, अब उस मेहनत का क्या होगा । पिता का प्रॉपर्टी का कारोबार हैनरी के पिता का नाम श्याम चंदीला है। इनका प्रॉपर्टी का कारोबार है। दीपांशु के पिता रजनीश भी प्रॉपर्टी कारोबारी हैं। दोनों ही इस घटना से एकदम टूट चुके हैं।

दिन में करते थे रेकी, रात में पार कर देते थे वाहन; दिल्ली पुलिस ने गिरोह के तीन सदस्यों को दबोचा

बाहरी दिल्ली। बाहरी दिल्ली में मुखर्जी नगर थाना पुलिस ने वाहन चोर एक ऐसे गिरोह के तीन चोरों को गिरफ्तार किया है, जो दिन में रेकी कर रात में दो पहिया वाहनों को पार कर देते थे। फिर चोरी के वाहनों को अन्य लोगों से बेच देते थे। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से तीन मोटरसाइकिल और एक स्कूटी बरामद की हैं। गिरफ्तार आरोपितों में दो आदतन अपराधी हैं, जो पहले भी लूट, झपटमारी और चोरी जैसे मामलों में शामिल रह चुके हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अजय उर्फ बंगाली उर्फ रोचक (23) हरीश राजपूत उर्फ बानी (27) और दिलीप कुमार (27) के रूप में हुई है। वहीं, पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि अजय और हरीश दोनों ही आदतन अपराधी हैं और प्रत्येक पर पहले तीन-तीन आपराधिक मामले दर्ज हैं। हरीश राजपूत थाना मुखर्जी नगर का घोषित अपराधी भी है। उत्तरी-पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि थाना मुखर्जी नगर में 20 अक्तूबर को शिकायतकर्ता हर्ष ने बताया कि उनकी हीरो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल चोरी हो गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर एसएचओ राजीव शाह के नेतृत्व में टीम बनाई गई।टीम ने सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय सूत्रों से मिले सुरागों के आधार पर छापेमारी कर अजय और हरीश को पकड़ा। उनकी निशानदेही पर चोरीशुदा स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की गई। पूछताछ में दोनों ने अपने तीसरे साथी दिलीप कुमार का नाम बताया, जिसे बाद में गिरफ्तार किया गया। बताया कि उसकी निशानदेही पर तीन और चोरीशुदा वाहन दो मोटरसाइकिल और एक स्कूटी थाना शालीमार बाग, हर्ष विहार और वजीराबाद क्षेत्रों से बरामद की गईं। भीष्म सिंह ने बताया कि आरोपियों से आगे की पूछताछ जारी है और अन्य संभावित मामलों में उनकी संलिप्तता की जांच की जा रही है।

दिल्ली में प्रदूषण से निपटने के लिए क्लाउड सीडिंग जरूरी: सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली : दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी के लिए ह्यक्लाउड सीडिंग' (कृत्रिम वर्षा) बहुत जरूरी है, क्योंकि यह सर्दी के मौसम में बढ़ते प्रदूषण के स्तर को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। बृहस्पतिवार को किए गए इस सफल प्रायोगिक परीक्षण के बारे में गुप्ता ने कहा, क्लाउड सीडिंग' ऐसी चीज है जो पहले कभी नहीं हुई। हम शहर भर में यह परीक्षण करना चाहते हैं, क्योंकि यह वायु प्रदूषण को कम करने में मदद कर सकता है। उन्होंने कहा, हम मानते हैं कि यह तकनीक सफल होगी। इसका उपयोग भविष्य में पर्यावरणीय चुनौतियों, खासकर सर्दियों के महीनों में सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए किया जा सकता है। गुप्ता ने बृहस्पतिवार रात 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि इस परियोजना का सफल परीक्षण बुराड़ी क्षेत्र में किया गया। उन्होंने लिखा, "दिल्ली में पहली बार क्लाउड सीडिंग' के जरिए कृत्रिम वर्षा कराने की तैयारी पूरी हो चुकी है, जो राजधानी की वायु प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई में मील का एक महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकीय पत्थर है। विशेषज्ञों ने बृहस्पतिवार को बुराड़ी क्षेत्र में एक परीक्षण सफलतापूर्वक किया।" अधिकारियों ने बताया कि परीक्षण के दौरान, कृत्रिम वर्षा कराने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले यौगिकों सिल्वर आयोडाइड और सोडियम क्लोराइड की थोड़ी मात्रा एक विमान से छिड़की गई थी। हालांकि, उस समय हवा में नमी 20 प्रतिशत से भी कम थी। क्लाउड सीडिंग' के लिए आमतौर पर लगभग 50 प्रतिशत नमी की आवश्यकता होती है, जिसका अर्थ है कि क्षेत्र में कोई बारिश नहीं हुई। भारतीय प्राद्योगिकी संस्थान (आईआईटी)-कानपुर ने परीक्षण पर अपनी रिपोर्ट में कहा, इस उड़ान ने क्लाउड सीडिंग' की क्षमताओं, विमान की तैयारी और सहनशक्ति, सीडिंग उपकरण और फ्लेयर्स' की कार्यक्षमता और इसमें शामिल सभी एजेंसियों के बीच समन्वय का आकलन करने के लिए एक प्रमाणन अभियान के रूप में काम किया। रिपोर्ट में कहा गया, "वर्षा का कोई प्रमाण नहीं है, क्योंकि बादलों का आवरण न्यूनतम था और नमी की मात्रा 15 प्रतिशत से काफी नीचे थी," रिपोर्ट में यह भी नोट किया गया कि सिल्वर आयोडाइड और सोडियम क्लोराइड दोनों को जारी करने के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए फ्लेयर्स' का उपयोग किया गया था। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि इस उड़ान ने क्लाउड सीडिंग' प्रणाली की क्षमताओं, विमान की सहनशक्ति और सभी सहभागी एजेंसियों के बीच समन्वय का आकलन करने के लिए एक प्रमाणन अभियान के रूप में कार्य किया। आईआईटी-कानपुर और दिल्ली सरकार द्वारा संयुक्त रूप से विकसित इस क्लाउड-सीडिंग परियोजना का उद्देश्य दीवाली के बाद स्मॉग' के मौसम में शहर में कणिका प्रदूषण के स्तर को कम करने के लिए कृत्रिम वर्षा को एक विधि के रूप में तलाशना है। पिछले महीने, दिल्ली सरकार ने पांच क्लाउड-सीडिंग परीक्षणों के लिए आईआईटी-कानपुर के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे, जिनके उत्तर-पश्चिमी दिल्ली में होने की उम्मीद है। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) सहित कई विभागों द्वारा अनुमोदित इस परियोजना का उद्देश्य यह पता लगाना है कि क्या कृत्रिम वर्षा सर्दियों के दौरान बढ़ते प्रदूषण के स्तर से निपटने के लिए एक व्यवहार्य समाधान हो सकती है। आईआईटी-कानपुर के एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग को सेसना 206-एच विमान (वीटी-आईआईटी) का उपयोग करके यह गतिविधि संचालित करने के लिए विमान नियम, 1937 के नियम 26(2) के तहत अनुमति दी गई है। दिल्ली मंत्रिमंडल ने सात मई को 3.21 करोड़ रुपये की कुल लागत पर पांच ह्यक्लाउड-सीडिंग' परीक्षण आयोजित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी।

इस राज्य में छठ पूजा को लेकर किया बड़ा ऐलान, पहली बार मिलेगी डेढ़ दिन की सरकारी छुट्टी

नई दिल्ली : दिल्ली सरकार ने इस बार छठ पूजा को लेकर बड़ा ऐलान किया है। राजधानी में पहली बार छठ के मौके पर डेढ़ दिन की छुट्टी दी जाएगी। 27 अक्टूबर को दोपहर 2 बजे से सभी सरकारी कार्यालय बंद रहेंगे और 28 अक्टूबर को पूरा दिन छुट्टी रहेगी। इससे पहले दिल्ली में छठ पर केवल एक दिन की छुट्टी मिलती थी। 2021 की एफआईआर होंगी वापस मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने घोषणा की कि साल 2021 में छठ पूजा करने गए लोगों पर दर्ज एफआईआर वापस ली जाएंगी। उस समय सार्वजनिक अवज्ञा के मामले में धारा 188 के तहत केस दर्ज किए गए थे। वर्तमान सरकार ने उन सभी मामलों को समाप्त करने का निर्णय लिया है, जिससे पूजा में शामिल लोगों को राहत मिलेगी।हर इलाके में बनेगा घाट, यमुना किनारे भी पूजा संभव इस बार दिल्ली में छठ पूजा के लिए लगभग 1300 घाट बनाए गए हैं, जिनमें 17 प्रमुख घाट भी शामिल हैं। राजधानी के हर इलाके में कम से कम एक घाट होगा। यमुना नदी के किनारे भी पूजा की जा सकेगी, लेकिन नदी में किसी भी प्रकार का विसर्जन वर्जित रहेगा। घाटों पर भव्य सजावट, सांस्कृतिक कार्यक्रम और एंट्री गेट की व्यवस्था की जाएगी।यमुना नदी की सफाई और पानी की निगरानी मुख्यमंत्री ने बताया कि यमुना नदी की सफाई के लिए विशेष अभियान चलाया गया है। जलकुंभी हटाई गई है और हरियाणा से अतिरिक्त पानी भी मंगवाया गया है। दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) हर दो घंटे में पानी के सैंपल लेकर क्वालिटी जांच कर रहा है। सांसद, विधायक और पार्षद अपने-अपने इलाकों के घाटों पर सफाई और व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। घाटों पर मेडिकल और अन्य सुविधाएं घाटों पर लाइटिंग की व्यवस्था रहेगी और मेडिकल सुविधा के लिए डॉक्टरों की टीम तैनात रहेगी। हर नगर निगम में घाटों के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। इसके अलावा सिंगल विंडो सिस्टम बनाया गया है। घाटों पर साफ-सफाई और शौचालय की सुविधा रहेगी। पूजा में भाग लेने वाले व्रतियों पर पुष्प वर्षा की जाएगी। सांस्कृतिक कार्यक्रम भोजपुरी और मैथिली भाषाओं में आयोजित किए जाएंगे, जिससे पारंपरिक माहौल बना रहे। विशेष सुरक्षा और सुविधा इंतजाम घाटों पर विशेष सुरक्षा इंतजाम किए जाएंगे। यातायात और भीड़ नियंत्रण के लिए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी तैनात रहेंगे। व्रतियों और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए घाटों के आसपास पानी, छाया और शौचालय की पर्याप्त व्यवस्था की गई है।

दिल्ली के 4 स्कूलों को मिली बम से उड़ाने की धमकी! पुलिस ने शुरू की जांच

नई दिल्ली : राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में चार अलग-अलग स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इस धमकी के बाद से स्कूलों में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें तुरंत मौके पर पहुँची और सघन तलाशी अभियान शुरू किया गया। राहत की बात यह है कि शुरूआती जांच के बाद चार में से तीन स्कूलों में मिली धमकी को 'हॉक्स' (Hoax) यानी झूठी जानकारी घोषित कर दिया गया है। एक अन्य स्कूल में अभी भी सुरक्षा एजेंसियां तलाशी अभियान चला रही हैं। जानकारी के लिए बता दें कि द्वारका, गोयल डेयरी और प्रसाद नगर जैसे इलाकों में स्कूलों को धमकी मिली है। घटना की सूचना मिलते ही इन सभी परिसरों में फायर और पुलिस की गाड़ियाँ तैनात कर दी गईं और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। पुलिस अधिकारियों ने पुष्टि की है कि गोयल डेयरी और प्रसाद नगर स्थित स्कूलों में जाँच पूरी कर ली गई है और वहाँ कोई भी विस्फोटक सामग्री नहीं मिली है। इसी तरह द्वारका के स्कूल में भी तलाशी के बाद धमकी को झूठा करार दिया गया है। धमकी की सूचना मिलते ही पुलिस ने स्कूलों की इमारतों और परिसरों की गहन जांच की। अब पुलिस इस बात की जाँच में जुट गई है कि धमकी देने वाला कौन था और इसके पीछे उसका मकसद क्या था। फिलहाल अधिकारी स्थिति पर करीब से नजर बनाए हुए हैं।

आनंद विहार नमो भारत स्टेशन को मिला IGBC प्लेटिनम रेटिंग सम्मान, हरित निर्माण में पेश की मिसाल

पूर्वी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) को आनंद विहार नमो भारत भूमिगत स्टेशन के लिए भारतीय ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल (आइजीबीसी) ने प्लेटिनम रेटिंग से सम्मानित किया है। यह रेटिंग ग्रीन सर्टिफिकेशन के तहत दी जाने वाली सर्वोच्च श्रेणी है, जो स्टेशन की पर्यावरणीय सततता और हरित निर्माण के लिए दी गई है।

छह श्रेणियों में किया गया मूल्यांकन एनसीआरटीसी ने नमो भारत परियोजना के अंतर्गत सभी प्रमुख परिसरों जैसे डिपो, स्टेशन और रिसीविंग सब-स्टेशन को आइजीबीसी से पंजीकृत कराया है। परियोजना का मूल्यांकन छह श्रेणियों में किया गया है। जिसमें साइट चयन, जल एवं ऊर्जा दक्षता, सामग्री संरक्षण, आंतरिक पर्यावरण और नवाचार शामिल है। इन सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के चलते आनंद विहार स्टेशन को यह उपलब्धि हासिल हुई।स्टेशन के निर्माण में एनसीआरटीसी ने कम कार्बन उत्सर्जन वाली तकनीकों, ऊर्जा-कुशल प्रणालियों, वर्षा जल संचयन और प्राकृतिक वेंटिलेशन को प्राथमिकता दी है। साथ ही, वायडक्ट के नीचे हरित लैंडस्केपिंग से कार्बन फुटप्रिंट कम करने की पहल की है। नवीकरणीय स्रोतों के इस्तेमाल का लक्ष्य एनसीआरटीसी अधिकारियों ने बताया कि उनका लक्ष्य है कि कुल ऊर्जा आवश्यकता का लगभग 70 प्रतिशत नवीकरणीय स्रोतों से पूरा किया जाए। इसके लिए 15 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन की योजना बनाई गई है, जिसमें से 4.7 मेगावाट उत्पादन पहले ही शुरू हो चुका है।

दिल्ली के आनंद विहार में स्थित नमो भारत स्टेशन को IGBC ने प्लेटिनम रेटिंग दी है। यह सम्मान हरित निर्माण और पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं के लिए मिला है। स्टेशन ऊर्जा दक्षता, जल संरक्षण और अपशिष्ट प्रबंधन में उत्कृष्ट है। सौर ऊर्जा का उपयोग और वर्षा जल संचयन जैसी सुविधाएं हैं। यह हरित परिवहन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण कदम है।

चलती कारों से किए खतरनाक स्टंट, गाजियाबाद में युवकों ने सड़कों पर जमकर मचाया हुड़दंग

साहिबाबाद । गाजियाबाद जनपद में साहिबाबाद थाना क्षेत्र के मोहननगर में बृहस्पतिवार देर रात कई कार सवार युवकों ने खतरनाक स्टंट किए। इन्होंने कारों के हूटर बजाते हुए और सनरूफ से बाहर निकलकर खूब हुड़दंग किया। चार से पांच कार सवार युवकों की स्टंटबाजी का यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। यह वीडियो रात में गश्त करने वाले पुलिसकर्मियों की पोल खोल रहा है। पूरे रूट पर एक भी पुलिसकर्मी तैनात नहीं मिला, जो इन युवकों पर कार्रवाई कर सके। वहीं, एसीपी साहिबाबाद श्वेता यादव का कहना है कि वीडियो पर संज्ञान लिया गया है। कार नंबर के आधार पर आरोपी युवकों पर कार्रवाई की जाएगी। नंबर के आधार पर उनकी तलाश की जा रही है। वीडियो के साथ रूट पर लगे हुए सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है।

दो सप्ताह तक डिजिटल अरेस्ट रखकर दिल्ली में सबसे बड़ी ठगी, कंबोडिया में बैठे ठगों ने 22.92 करोड़ ठगे

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के गुलमोहर पार्क इलाके में रहने वाले 78 वर्षीय सेवानिवृत्त बैंकर को डिजिटल अरेस्ट कर 22.92 करोड़ की ठगी करने के मामले में दिल्ली पुलिस की इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस (आईएफएसओ) ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में तीन खाता धारक, एक बिचौलिया और एक एनजीओ का मालिक शामिल है। यह दिल्ली का सबसे बड़ा डिजिटल अरेस्ट का मामला है। कंबोडिया में बैठे चीन के साइबर अपराधियों ने दिल्ली में अपने भारतीय एजेंटों के जरिये सेवानिवृत्त बैंकर को शिकार बनाया। मोटी रकम होने के कारण पैसे को कंबोडिया भेजने में कोई कानूनी अड़चन न आए, इसके लिए उत्तराखंड के गांव में स्कूल व एनजीओ चलाने वाले को भी कमीशन के एवज में साजिश में शामिल कर लिया था। नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के गुलमोहर पार्क इलाके में रहने वाले 78 वर्षीय सेवानिवृत्त बैंकर को डिजिटल अरेस्ट कर 22.92 करोड़ की ठगी करने के मामले में दिल्ली पुलिस की इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस (आईएफएसओ) ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में तीन खाता धारक, एक बिचौलिया और एक एनजीओ का मालिक शामिल है। यह दिल्ली का सबसे बड़ा डिजिटल अरेस्ट का मामला है। कंबोडिया में बैठे चीन के साइबर अपराधियों ने दिल्ली में अपने भारतीय एजेंटों के जरिये सेवानिवृत्त बैंकर को शिकार बनाया। मोटी रकम होने के कारण पैसे को कंबोडिया भेजने में कोई कानूनी अड़चन न आए, इसके लिए उत्तराखंड के गांव में स्कूल व एनजीओ चलाने वाले को भी कमीशन के एवज में साजिश में शामिल कर लिया था। पहले एक महिला ने एक दूर संचार कंपनी की वरिष्ठ अधिकारी बनकर पीड़ित को झांसे में लिया। उसके बाद मुंबई पुलिस, प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय जांच ब्यूरो के अधिकारी बनकर अलग-अलग साइबर अपराधी अलग-अलग तरीके से डराकर उनसे अपने बैंक खातों में 22.92 करोड़ ट्रांसफर करा लिए।

शराबियों ने दिवाली पर दिल्ली में तोड़े रिकॉर्ड, राजधानी में शराब की सेल से सरकार को हुई 600 करोड़ की कमाई

नई दिल्ली: देश की राजधानी दिल्ली में शराब के शौकीनों की कमी नहीं है। खासतौर पर त्योहारी सीजन में तो इसकी खपत में और भी ज्यादा इजाफा देखने को मिलता है। इस बढ़ती खपत से दिल्ली सरकार की तिजोरी खूब भर रही है। हाल ही में दिल्ली सरकार द्वारा जारी किए गए आँकड़ों के मुताबिक दिवाली के त्योहार के दौरान दिल्लीवासियों ने इतनी शराब पी कि सिर्फ टैक्स से ही सरकार को अरबों रुपयों की मोटी कमाई हुई है। सरकारी डेटा बताता है कि पिछले साल के मुकाबले इस बार की कमाई में 15% का बड़ा उछाल आया है।दिवाली पर हुई रिकॉर्ड तोड़ कमाई दिवाली से ठीक पहले के 15 दिनों के दौरान शराब की खुदरा बिक्री से दिल्ली सरकार को लगभग 600 करोड़ का excise revenue मिला है। यह आँकड़ा पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में लगभग 15 % अधिक है। दिल्ली सरकार के एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि दिवाली से पहले के इन 15 दिनों में सरकारी शराब बिक्री दुकानों से 594 करोड़ की बिक्री दर्ज की गई। वहीं 2024 में इस समय के दौरान यह सेल 516 करोड़ रही थी।क्या पूरा होगा रेवेन्यू का टारगेट? Excise Duty और VAT से सरकार को चालू वित्त वर्ष (2025-26) की पहली छमाही में कुल राजस्व 4,192.86 करोड़ रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 3,731.79 करोड़ से अधिक है। दिवाली के दौरान बिक्री में हुई जबरदस्त बढ़ोतरी से आबकारी विभाग को उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष में 6,000 करोड़ के राजस्व लक्ष्य को आसानी से पार किया जा सकता है। आने वाले नए साल के जश्न और पार्टियों के दौरान होने वाली मांग से भी सरकार को बड़ी मदद मिलने की संभावना है।अधिकारियों ने यह भी बताया कि नवंबर और दिसंबर में शादियों का सीजन होने के कारण शराब की बिक्री में और इजाफा हो सकता है। विभाग समारोहों में शराब परोसने के लिए थोक में खरीदारी करने हेतु लोगों को अस्थायी लाइसेंस लेने के लिए भी प्रेरित कर रहा है। शराब कंपनियों के शेयरों में भी तेजी शराब की बढ़ती बिक्री का असर बाजार पर भी दिख रहा है। बीते एक महीने में कई शराब बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में तेजी देखने को मिली है: रेडिको खेतान के शेयरों में लगभग 10 % की तेजी। तिलकनगर इंडस्ट्रीज के शेयरों में करीब 4 %का उछाल। जीएम ब्रेवरेजेस के शेयरों में सबसे ज्यादा 71 % से अधिक का इजाफा। एलाइड ब्लेंडर्स के शेयरों में 17 %की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया तीसरा एकदिवसीय आज

सिडनी (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम शनिवार को यहां मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ तीसरे और अंतिम एकदिवसीय मैच में उतरेगी। भारतीय टीम पहले दो मैचों में हारी है। ऐसे में वह इस मैच को किसी भी हालत में जीतकर सीरीज में क्लीन स्वीप से बचना चाहेगी। वहीं अगर आंकड़ों पर नजर डालें तो भारतीय टीम का रिकार्ड इस मैदान पर अच्छा नहीं रहा है। उसे यहां खेले 19 में से 16 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। वह केवल दो मैच ही यहां जीती है जबकि एक मैच बराबरी पर रहा है। ऐसे में कप्तानी शुभमन गिल की राह काफी कठिन नजर आती है।

इस मैच में सभी की नजरें विराट कोहली और रोहित शर्मा पर रहेंगी। इसका कारण है क ये ऑस्ट्रेलिया में इन दोनो दिग्गजों का अंतिम मैच हो सकता है। विराट अब तक दोनो ही मैचों में असफल रहे। वहीं रोहित ने हालांकि दूसरे एकदिवसीय में 97 गेंदों पर 73 रन बनाये पर प्रशंसक इन दोनो की जो बल्लेबाजी देखना चाहते थे वह नहीं दिखी।

रोहित यहां पहली बार 2007-08 में एकदिवसीय सीरीज के लिए यहां आए थे जबकि कोहली का सीनियर टीम के साथ पहला दौरा 2011-12 सत्र में था जब उन्होंने एडिलेड में टेस्ट शतक लगाया था। वहीं अगले दो साल में ऑस्ट्रेलिया में कोई एकदिवसीय नहीं होने के कारण ये तय है कि अब ये ऑस्ट्रेलिया में नहीं खेलते दिखेंगे। ऑस्ट्रेलिया ने इस सीरीज के पहले दोनों मैच जीतकर सीरीज पर कब्जा कर लिया पर विराट और और रोहित के कारण तीसरे एकदिवसीय के प्रति रोमांच बना हुआ है।

सिडनी मैदान पर मौजूद दर्शक पर इन दोनों से आकर्षक पारी की उम्मीद करेंगे। भारतीय टीम ने यहां जो पिछले पांच एकदिवीसय मैच खेले हैं उनमें से उसे केवल एक मैच में जीत मिली है। इस मैच में जीत के लिए कप्तान शुभमन गिल और कोहली व रोहित को बड़ी पारी खेलनी होग। इसके अलावा मध्य और निचले क्रम को भी रन बनाने होंगे।

पिछले दो मैचों में भारतीय गेंदबाज भी अधिक प्रभावित नहीं कर पाये। टीम का ध्यान बल्लेबाजी की मजबूती पर रहा जिससे उसने

कुलदीप यादव जैसे स्पिनर को बाहर रखा। अब उन्हें इस मैच में शामिल किया जा सकता है। पहले दोनो ही मैचों में स्पिन की कमान अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर पर रही है पर ये मेजबान बल्लेबाजों पर अंकुश नहीं लगा पाये हैं। ऐसे में कुलदीप की जरुरत महसूस हुई है।

टीम प्रबंधन ने अधिक ऑलराउंडर रखने की रणनीति बनायी थी जिससे युवा नीतीश कुमार रेड्डी जैसे को आठवें नंबर पर उतारा जो फायदेमंद नहीं रहा। वहीं गेंदबाजी में भी वह प्रभावित नहीं कर पाये हैं। वहीं हर्षित राणा का प्रदर्शन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के अनुरुप नहीं रहा है। ऐसे में उनकी जगह पर प्रसिद्ध कृष्णा को अंतिम एकादश में जगह मिल सकती है।

वहीं दूसरी और मेजबान टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। वह सीरीज पहले ही जीत गयी है। ऐसे में इस मैच में बदलावों के साथ उतर सकती है। इस मैच में वह मैट कुहनेमैन को अंतिम एकादश में शामिल कर सकती है जिन्होंने पहले मैच में अच्छी गेंदबाजी की थी। उसके युवा खिलाड़ियों मैथ्यू शॉर्ट, मिशेल ओवेन और कूपर कोनोली ने दबाव वाले हालातों में अपने कौशल का अच्छा परिचय दिया है। कुल मिलाकर देखा जाये तो ऑस्ट्रेलिया जीत की प्रबल दावेदार नजर आती है।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत- शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, नितीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा।

ऑस्ट्रेलिया- मिशेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, एलेक्स केरी (विकेट कीपर), जोस इंग्लिस (विकेट कीपर), कूपर कोनोली, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जैक एडवर्ड्स, मिशेल ओवेन, जोश फिलिप, मैथ्यू रेनशॉ, मैथ्यू शॉर्ट, मिशेल स्टार्क, एडम ज़म्पा, मैट कुहनेमैन।

लक्ष्य, दीक्षा, शाइना बैडमिंटन एशिया अंडर-17 और अंडर-15 चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में

चेंगदू (चीन) (एजेंसी)। भारत की लक्ष्य राजेश, दीक्षा सुधाकर और शाइना मणिमुथु ने शुक्रवार को बैडमिंटन एशिया अंडर-17 और अंडर-15 चैंपियनशिप के लड़कियों के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। छठी वरीयता प्राप्त दीक्षा ने चीनी ताइपे की पिन हुआन चियांग को 21-19, 21-15 से हराकर अंडर-17 वर्ग के अंतिम आठ में प्रवेश किया।

लक्ष्य ने कोरिया की ली युन सेओ को 21-16, 21-11 से हराकर अंडर-17 क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। शीर्ष वरीयता प्राप्त शाइना ने अंडर-15 प्री-क्वार्टर फाइनल में दबदबा कायम करते हुए चीन की ली मान लिन को 21-17, 21-16 से हराया।

अदिति दीपक राज और बी.वी. पोन्नम्मा वृद्धि ने लड़कियों के युगल वर्ग में शुरुआती गेम गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए कोरिया की ली युन सेओ और पार्क यू जियोंग की जोड़ी को 17-21, 21-15, 21-17 से मात दी। चरण राम थिप्पाना और हरि कृष्ण वीरमरेड्डी ने लड़कों के युगल वर्ग में जापान के कोसुके शिनोहारा और हिरोतो नाकात्सुका पर 21-14, 21-8 से प्रभावशाली जीत दर्ज की।

जगशेर सिंह खंगुरा ने एकल वर्ग में मलेशिया के विंसन चोह को 21-12, 21-17 से आसानी से हराया। वजीर सिंह सिंह अंडर-15 लड़कों के एकल वर्ग के बेहद रोमांचक मुकाबले में इंडोनेशिया के सातवें वरीय रेवन एड्रिलियो सपुत्रा से 19-21, 22-20, 22-24 से हारकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने से चूक गए।

कोहली अभी संन्यास नहीं लेंगे, सिडनी में बड़ी पारी खेलेंगे : गावस्कर

सिडनी (एजेंसी)। भारतीय टीम के बल्लेबाज विराट कोहली ने जिस प्रकार से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार दूसरे एकदिवसीय में शून्य पर आउट होने के बाद अपना दाहिना हाथ उठाकर भीड़ की तरफ हिलाया, उससे उनके संन्यास की अटकलें शुरु हो गयीं। प्रशंसकों को ऐसा लगा जैसे वह अपने आखिरी मैच में दर्शकों का आभार जता रहे हों। वहीं महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर इससे सहमन नहीं हैं। गावस्कर के अनुसार विराट के मन में संन्यास का ख्याल नहीं है। उन्होंने कहा कि उनका जेस्चर बस उस भीड़ का धन्यवाद करना था जो उन्हें स्टैंडिंग ओवेशन देती आई है। गावस्कर ने कहा कि विराट सिडनी में सीरीज के तीसरे और आखिरी एकदिवसीय में भी खेलेंगे। गावस्कर ने कहा कि कोहली में अभी बहुत सारा क्रिकेट बचा हुआ है। वह बहुत कम मौकों पर विफल हुए हैं। उन्होंने कहा कि शनिवार को सिडनी में कोहली अच्छी वापसी करेंगे। उन्होंने कहा, विराट उस तरह का खिलाड़ी नहीं है जो आसानी से हार मान जाए। क्या आप वाकई सोचते हैं कि वह लगातार दो बार शून्य बनाने के बाद रिटायर हो जाएंगे? नहीं, बिल्कुल नहीं। वह हाई नोट पर रिटायर होना चाहेंगे। सिडनी का मैच अभी बाकी है और उसके बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज है वह 2027 के विश्व कप में रोहित के साथ होंगे। गावस्कर ने कहा, 'देखिए, उनके नाम 14000 से ज्यादा रन हैं, 52 एकदिवसीय शतक हैं और 32 टेस्ट शतक भी है। उन्होंने हजारों रन बनाए हैं इसलिए उनका एकाध बार असफल होना चलता है। जो कुछ हुआ उसका बहुत ज्यादा मतलब मत निकालिए। अभी उनमें बहुत क्रिकेट बचा हुआ है। आगे बहुत क्रिकेट है। हो सकता है कि सिडनी में हम उनसे कोई बड़ी पारी देखें।'

गावस्कर ने आगे कहा, 'एडिलेड निश्चित तौर पर ऑस्ट्रेलिया में उनका पसंदीदा मैदाना रहा है। उन्होंने वहां शतक बनाए हैं, इसलिए स्वाभाविक है कि हर कोई उनसे यहां कुछ बड़े स्कोर की उम्मीद कर रहा था पर वैसा नहीं हुआ।' गावस्कर ने कहा, जब वह बल्लेबाजी के लिए आए तो

महिला विश्व कप में आज होगा ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका का मुकाबला

इंदौर (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका की टीमें शनिवार को यहां महिला विश्व कप क्रिकेट में उतरेंगी। इस मैच में दोनो ही टीमों के बीच कड़ी टक्कर होने की उम्मीद है। जो भी टीम ये मैच जीतेगी वह नंबर एक पर पहुंच जाएगी। ऑस्ट्रेलियाई ने जहां अभी तक अपने सभी मैच जीते हैं और टीम अच्छी लय में है। जिससे वह जीत की प्रबल दावेदार है।

वहीं दक्षिण अफ्रीका ने इस विश्वकप में खराब शुरुआत के बाद अच्छी वापसी की है। पहले मैच में इंग्लैंड के हाथों 10 विकेट से मिली करारी हार के बाद टीम ने लगातार पांच मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनायी है। ऑस्ट्रेलियाई टीम इस मैच से पहले अपनी कप्तान एलिसा हीली के फिट होने की उम्मीद कर रही है। हीली को इंग्लैंड के खिलाफ मैच से पहले अभ्यास के दौरान पिंडली में खिंचाव आ गया था। जिसके बाद से ही टीम से बाहर हैं। इसी कारण इंग्लैंड के खिलाफ मैच में ताहलिया मैकग्रॉ ने कप्तानी की थी।

ऐसे में ऑस्ट्रेलिया के लिए हीली का खेलना बेहतर जरुरी है क्योंकि उसने बल्लेबाजी में लगाताकर शतक लगाये हैं। हीली ने भारत और बांग्लादेश के खिलाफ लगातार मैच में शतक बनाए, जिससे वह इस टूर्नामेंट में सबसे अधिक रन बनाने वालों की सूची में तीसरे स्थान पर काबिज है। इंग्लैंड के खिलाफ हीली के नहीं होने से बल्लेबाजी क्रम में काफी बदलाव करना पड़ा था। इसके बाद भी टीम मैच हार गयी थी।

ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी और गेंदबाजी काफी अच्छी है। ऐसे में जीत के लिए दक्षिण अफ्रीका को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट ये जानती हैं। ऐसे में उन्हें अपनी तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर मारिजाने काप से और अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। काप ने अब तक छह विकेट लेकर और दो अर्धशतक लगाकर गेंद और बल्ले से अहम भूमिका निभाई है। सलामी बल्लेबाज़ वोल्वार्ड्ट, ताज़मिन ब्रिट्स और शीर्ष क्रम की बल्लेबाज़ सुने लुस की तिकड़ी को अधिक से अधिक रन बनाने होंगे तभी दक्षिण अफ्रीका की टीम बड़ा स्कोर बनाकर गेंदबाजों को बचाव का अवसर दे सकती है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

ऑस्ट्रेलिया- एलिसा हीली (कप्तान और विकेटकीपर), डार्सी ब्राउन, एशले गार्डनर, किम गर्थ, हीथर ग्राहम, अलाना किंग, फोबे लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्रा, सोफी मोलिनी, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन शट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

दक्षिण अफ्रीका- लौरा वोल्वार्ड्ट (कप्तान), एनेके बॉश, तज़मिन ब्रिट्स, नादिन डी क्लर्क, एनेरी डर्कसेन, सिनालो जाफ्ता, मारिज़ैन काप, अयाबोंगा खाका, मसाबाता क्लास, सुने लुस, कराबो मेसो, नॉनकुलुलेको म्लाबा, तुमी सेखुखुने, क्लोमिसो थंगारियोन।

भारत में होने वाले जूनियर हॉकी विश्व कप से हटा पाकिस्तान

नई दिल्ली - पाकिस्तान ने नवंबर-दिसंबर में भारत में होने वाले जूनियर हॉकी विश्व कप से नाम वापस ले लिया है। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (FIH) ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। FIH ने कहा कि 28 नवंबर से 28 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में होने वाले टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान की जगह लेने वाली टीम की घोषणा जल्द ही की जाएगी। FIH ने बयान में कहा, 'हम पुष्टि कर सकते हैं कि पाकिस्तान हॉकी महासंघ ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (FIH) को सूचित कर दिया है कि उनकी टीम भारत के तमिलनाडु में होने वाले FIH हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप में भाग नहीं लेगी। पाकिस्तान ने इस टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया था।' बयान में कहा गया, 'इस प्रतियोगिता के लिए पाकिस्तान की जगह लेने वाली टीम की घोषणा जल्द ही की जाएगी।' पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादी हमले और उसके बाद भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के रूप में की गई जवाबी कार्रवाई के बाद से दोनों देशों के बीच खेल संबंध प्रभावित हुए हैं।

तीसरे वनडे में बड़ा रिकॉर्ड बनाने उतरेंगे ट्रैविस हेड, मात्र 22 रन दूर

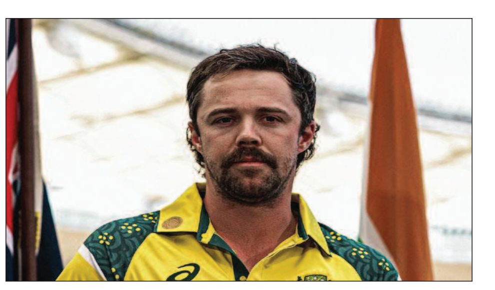

सिडनी (ऑस्ट्रेलिया)। ऑस्ट्रेलियाई ओपनर ट्रैविस हेड वनडे में 3,000 रन पूरे करने से सिर्फ 22 रन दूर हैं। उम्मीद है कि वह शनिवार को भारत के खिलाफ तीसरे और आखिरी वनडे में यह मुकाम हासिल कर लेंगे। ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से अजय बढ़त बना ली है और भारत सांत्वना भरी जीत का लक्ष्य रखेगा। भारत ट्रैविस हेड को रोकने में कामयाब रहा है, और उन्होंने पहले दो वनडे में सिर्फ आठ और 28 रन बनाए हैं। हेड ने 78 वनडे और 75 पारियों में 43.79 की औसत और 105.64 के स्ट्राइक रेट से 2,978 रन बनाए हैं जिसमें सात शतक और 17 अर्धशतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 154* है। सिडनी में तीन वनडे में उनका रिकॉर्ड काफी अच्छा है, उन्होंने तीन पारियों में 40.66 की औसत और 98.38 के स्ट्राइक रेट से 122 रन बनाए हैं जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 52 है। इस मशहूर मैदान पर 9 अंतरराष्ट्रीय मैचों में हेड ने 10 पारियों में 32.88 की औसत से 296 रन बनाए हैं, जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 70 है। उनका कुल अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड बहुत प्रभावशाली नहीं है। इस साल ट्रैविस का वनडे में प्रदर्शन बहुत शानदार नहीं रहा है। उन्होंने 9 पारियों में 41.62 की औसत से 333 रन बनाए हैं, जिसमें एक सेंचुरी और एक फिफ्टी शामिल है और उनका बेस्ट स्कोर 142 है।

कोहली अभी संन्यास नहीं लेंगे, सिडनी में बड़ी पारी खेलेंगे : गावस्कर

सिडनी (एजेंसी)। भारतीय टीम के बल्लेबाज विराट कोहली ने जिस प्रकार से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार दूसरे एकदिवसीय में शून्य पर आउट होने के बाद अपना दाहिना हाथ उठाकर भीड़ की तरफ हिलाया, उससे उनके संन्यास की अटकलें शुरु हो गयीं। प्रशंसकों को ऐसा लगा जैसे वह अपने आखिरी मैच में दर्शकों का आभार जता रहे हों। वहीं महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर इससे सहमन नहीं हैं। गावस्कर के अनुसार विराट के मन में संन्यास का ख्याल नहीं है। उन्होंने कहा कि उनका जेस्चर बस उस भीड़ का धन्यवाद करना था जो उन्हें स्टैंडिंग ओवेशन देती आई है। गावस्कर ने कहा कि विराट सिडनी में सीरीज के तीसरे और आखिरी एकदिवसीय में भी खेलेंगे। गावस्कर ने कहा कि कोहली में अभी बहुत सारा क्रिकेट बचा हुआ है। वह बहुत कम मौकों पर विफल हुए हैं। उन्होंने कहा कि शनिवार को सिडनी में कोहली अच्छी वापसी करेंगे। उन्होंने कहा, विराट उस तरह का खिलाड़ी नहीं है जो आसानी से हार मान जाए। क्या आप वाकई सोचते हैं कि वह लगातार दो बार शून्य बनाने के बाद रिटायर हो जाएंगे? नहीं, बिल्कुल नहीं। वह हाई नोट पर रिटायर होना चाहेंगे। सिडनी का मैच अभी बाकी है और उसके बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज है वह 2027 के विश्व कप में रोहित के साथ होंगे। गावस्कर ने कहा, 'देखिए, उनके नाम 14000 से ज्यादा रन हैं, 52 एकदिवसीय शतक हैं और 32 टेस्ट शतक भी है। उन्होंने हजारों रन बनाए हैं इसलिए उनका एकाध बार असफल होना चलता है। जो कुछ हुआ उसका बहुत ज्यादा मतलब मत निकालिए। अभी उनमें बहुत क्रिकेट बचा हुआ है। आगे बहुत क्रिकेट है। हो सकता है कि सिडनी में हम उनसे कोई बड़ी पारी देखें।'

गावस्कर ने आगे कहा, 'एडिलेड निश्चित तौर पर ऑस्ट्रेलिया में उनका पसंदीदा मैदाना रहा है। उन्होंने वहां शतक बनाए हैं, इसलिए स्वाभाविक है कि हर कोई उनसे यहां कुछ बड़े स्कोर की उम्मीद कर रहा था पर वैसा नहीं हुआ।' गावस्कर ने कहा, जब वह बल्लेबाजी के लिए आए तो लोगों ने खड़े होकर उनका सम्मान

किया। ज्यादातर दर्शक ऑस्ट्रेलियाई थे, इसलिए ये और भी खुशी की बात है।

मेसी ने इंटर मियामी के साथ अपना अनुबंध 2028 तक बढ़ाया

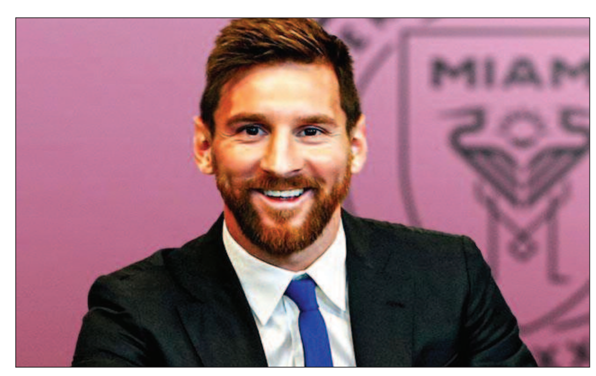

मियामी - लियोनेल मेसी ने इंटर मियामी के साथ अपने अनुबंध को अपने 41वें जन्मदिन के बाद तक बढ़ाने पर सहमति जताई है, एमएलएस क्लब ने यह जानकारी दी। 38 वर्षीय मेसी, जिनका पिछला अनुबंध दिसंबर में समाप्त होने वाला था, ने 2028 के अंत तक चलने वाले इस समझौते की व्यक्तिगत शर्तों पर सहमति जताई। सह-मालिक डेविड बेकहम ने एक बयान में कहा, 'हमारा लक्ष्य इंटर मियामी और इस शहर में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को लाना था, और हमने ठीक यही किया है। वह अब भी पहले की तरह ही प्रतिबद्ध हैं और अब भी जीतना चाहते हैं।' 2023 में क्लब में शामिल होने के बाद से मेसी ने 82 मैचों में 71 गोल किए हैं और 37 असिस्ट दिए हैं, जिससे मियामी को 2023 लीग कप और 2024 सपोटर्स शील्ड जीतने में मदद मिली है। अर्जेंटीना के विश्व कप विजेता ने 29 गोल के साथ इस साल का एमएलएस गोल्डन बूट जीता और लीग के एमवीपी पुरस्कार के लिए चुने गए पांच खिलाड़ियों में से एक हैं। बेकहम ने कहा, 'लियो का इंटर मियामी के लिए अपना भविष्य समर्पित करना, हमारे यहां जो कुछ भी बन रहा है, उसमें उनके विश्वास को दर्शाता है।' उन्होंने आगे कहा, 'उन्होंने इस देश में खेल का चेहरा बदल दिया है, और हमें इस बात पर बहुत गर्व है कि वह भविष्य में हमारे क्लब का नेतृत्व करेंगे।' इंटर मियामी नियमित सत्र के अंत में एमएलएस ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में तीसरे स्थान पर रहा। फ्लोरिडा की यह टीम शुक्रवार को प्लेऑफ के पहले दौर में नैशविले से खेलेगी, जिसका फैसला तीन मैचों में होगा।

सरफराज मामले में इरफान पठान ने चयन समिति का बचाव किया

मुम्बई। पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने सरफराज खान को दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ दो मैच की सीरीज के लिए भारत ए टीम में शामिल नहीं किये जाने के बाद लगाये जा रहे पक्षपात और भेदभाव की बातों को खारिज करते हुए कहा है कि इस प्रकार की आधारहीन बातें कहकर भ्रम न फैलाएं। पठान ने अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयनसमिति और मुख्य कोच गौतम गंभीर का बचाव करते हुए कहा कि चयन में कई बातें होती है। उसे गलत तरीके से न देखें। सरफराज को टीम में जगह नहीं मिलने पर कई लोगों ने चयनसमिति पर भी सवाल उठाये हैं। इसे लेकर सोशल मीडिया पर भी नाराजगी जतायी गयी है। वहीं कुछ लोगों ने तो इसे धार्मिक रंग देने का भी प्रयास किया है। पठान ने ऐसे लोगों को फटकार लगाते हुए कहा है कि इस प्रकार से किसी बात को तोड़ मरोड़कर पेश न करें। साथ ही कहा कि ऐसी धारणा भी न बनायें जो सच न हो। पठन ने सरफराज घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी जब भी उन्हें मौका मिला, उन्होंने अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है। पिछले कुछ महीनों में उन्होंने अपनी फिटनेस पर इतनी मेहनत की है कि कई किलोग्राम वजन घटा लिया है। हालांकि चोट की वजह से वह दलीप ट्रॉफी और वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज के टेस्ट टीम में जगह नहीं बना सके थे। पठान ने अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयनसमिति और मुख्य कोच गौतम गंभीर का बचाव किया है। पठान ने कहा कि ऐसी गलत धारता मत फैलाइये जो सच के करीब तक न हो। पठान ने कहा सिलेक्टर्स और कोच (मैनेजमेंट) का हमेशा कोई प्लान होता है। कभी-कभी यह फैन की आंखों को गलत दिख सकता है, लेकिन प्लीज चीजों को तोड़िए-मरोड़िए मत या ऐसा नैरेटिव मत बनाइए जो सच के करीब तक न हो। सरफराज के उनके चयन न होने को कुछ लोगा उनके सरनेम से जोड़ रहे हैं। यहां तक कि मामला राजनीतिक रंग तक लेता दिख रहा है। नेता ने तो सवाल उठाया है कि क्या सरफराज को उनके सरनेम की वजह से बाहर रखा गया है। ऐसे लोगों की पठान की कड़ी निंदा की है।

स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल ने रिकॉर्ड बुक को नए सिरे से लिखा

नवी मुंबई (एजेंसी)। भारत ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ नवी मुंबई में तीन विकेट के नुकसान पर 340 रन बनाए। यह स्कोर महिला विश्व कप में भारत का सबसे बड़ा स्कोर है। इससे पहले भारत ने इसी टूर्नामेंट में विशाखापट्टनम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 330 रन बनाए थे। यह महिला वनडे में किसी भी टीम का न्यूज़ीलैंड के खिलाफ दूसरा सबसे बड़ा स्कोर भी है। सबसे बड़ा स्कोर इंग्लैंड का है। उन्होंने 2021 में कैंटबरी में 347 रन बनाए थे। स्मृति मंधाना के अब वनडे में 14 शतक हो गए हैं।

यह महिला क्रिकेट में दूसरे सबसे ज्यादा हैं। इस सूची में अब सिर्फ मेग लैनिंग ही उनसे आगे हैं। उनके नाम 15 शतक हैं। मंधाना अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों में 17 शतक तक पहुंच चुकी हैं। यह महिला क्रिकेट में लैनिंग के बराबर है और सबसे ज्यादा भी हैं। प्रतिका रावल ने 23 पारियों में अपने 1000 रन पूरे किए। वह महिला वनडे में सबसे तेज 1000 रन तक पहुंचने वाली बल्लेबाज बनी हैं और 1988 में लिंडसे रीलर द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड की बराबरी की है।

मंधाना ने वनडे में ओपनिंग करते हुए 5194 रन बनाए हैं। यह महिला वनडे में किसी भी सलामी बल्लेबाज द्वारा बनाए गए सबसे ज्यादा रन हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड सूजी बेट्स के नाम था। उनके नाम 5088 रन थे। मंधाना और रावल के बीच पहले विकेट के लिए 212 रनों की साझेदारी हुई। यह महिला विश्व कप में भारत की किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है।

इससे पहले 2022 में वेस्टइंडीज़ के खिलाफ चौथे विकेट के लिए मंधाना और हरमनप्रीत कौर ने 184 रन जोड़े थे। यह महिला वनडे में किसी भी टीम की न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे बड़ी साझेदारी भी है। इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ 2012 में इंग्लैंड की सारा टेलर और लिडिया ग्रीनवे के बीच तीसरे विकेट के लिए 201 रन की साझेदारी हुई थी।

महिला विश्व कप तीन बार ऐसा हुआ है, जब दोनों ओपनरों ने एक ही पारी में शतक बनाए हैं। इंग्लैंड की लिन थॉमस और इनिड बेकवेल ने 1973 में इंटरनेशनल इलेवन के खिलाफ यह कारनामा किया था। ऑस्ट्रेलिया की लिंडसे रीलर और रूथ बकस्टीन ने 1988 में नीदरलैंड्स के खिलाफ भी यह कारनामा किया था। मंधाना ने 2025 में वनडे में पांच शतक लगाए हैं। वह केवल दूसरी खिलाड़ी हैं जिन्होंने एक कैलेंडर वर्ष में पांच शतक लगाए हैं। यह कारनामा ताजमिन ब्रिट्स ने भी 2025 में किया था।

मंधाना के 2025 में बनाए गए 1259 रन, महिला वनडे में किसी भी वर्ष में सबसे ज्यादा हैं जबकि रावल के 976 रन अब दूसरे स्थान पर है। मंधाना और रावल के बीच सात शतकीय साझेदारी हुई हैं। यह महिला वनडे में किसी भी जोड़ी द्वारा भारत के लिए संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा हैं। उन्होंने मिताली राज और पूनम राउत की सात शतकीय साझेदारियों की बराबरी की है। इन सात में से पांच शतकीय साझेदारियां 2025 में आई हैं।

यह किसी भी जोड़ी द्वारा एक कैलेंडर वर्ष में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा हैं। इससे पहले यह

रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया की बेलिंडा क्लार्क और लीजा काइटली के नाम था। मंधाना और रावल ने चार बार 150 या उससे ज्यादा की साझेदारी की है। क्लार्क और काइटली, तथा न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स और एमी सैटर्थवेट ने भी महिला वनडे में चार-चार बार 150 से ज्यादा रन की साझेदारी की है। इन चार में से दो बार मंधाना-रावल ने 200 से ज्यादा रन की साझेदारी की है। ऐसा करने वाली जोड़ी सिर्फ तीन और हैं, लेकिन उनमें से कोई भी भारत से नहीं है।

कीमोथेरेपी से गुजर रही इंग्लैंड की पूर्व महिला क्रिकेटर सूसी

लंदन। इंग्लैंड की महिला टीम की पूर्व क्रिकेटर सूसी विल्सन रोवे फेफड़े के कैंसर से पीड़ित होने के कारण आजकल कीमोथेरेपी और इम्यूनोथेरेपी के कठिन दौर से गुजर रही हैं। कैंसर के कारण ही इस क्रिकेटर का करियर भी समय से पहले ही समाप्त हो गया था। रोवे ने कहा है कि वह अपनी इसलिए साझा कर रही हैं ताकि अन्य लोगों में जागरुकता आये और वह अपने शरीर का ध्यान रखें। जब भी कोई गलत संकेते दिखे तत्काल डॉक्टर के पास जायें। वह जब अस्पताल पहुंची तब तक काफी देर हो गयी है। वहीं समय पर पता लगने से बहुत फर्क पड़ सकता है।' इंग्लैंड के लिए 22 टी20 इंटरनेशनल और 1 वनडे इंटरनेशनल मैच खेलने वाली सूसी को अपने कैंसर के बारे में तब पता चला, जब वह गर्भवती थीं। विल्सन रोवे ने इंग्लैंड के अलावा डोमेस्टिक टीम केंट के लिए नियमित क्रिकेट खेली। रोवे को पसलियों में 'महीनों तक दर्द से जूझने' के बाद इसके कैंसर होने का पता चला। शुरुआत में दर्द का कारण मांसपेशियों में खिंचाव बताया गया था, लेकिन आगे की जांच में पता चला कि उसके बाएं फेफड़े में ट्यूमर है। वहीं उनकी घरेलू टीम केंट ने कहा, सूसी ने एक खिलाड़ी, कोच, मेंटॉर और मित्र के रूप में क्रिकेट को बहुत कुछ दिया है और कई लोगों को प्रेरित किया है।

दुलकर सलमान की बहुप्रतीक्षित फिल्म कांथा 14 नवंबर को होगी रिलीज

दक्षिण भारतीय फिल्मों के अभिनेता दुलकर सलमान की आने वाली फिल्म कांथा की रिलीज डेट आ गई है।निर्देशक सेल्वामणि सेल्वराज की बहुप्रतीक्षित पीरियड ड्रामा में अभिनेता दुलकर सलमान मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। इसके निर्माताओं ने सोमवार को घोषणा की कि यह फिल्म अब 14 नवंबर को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अभिनेता दुलकर सलमान ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इसका एक पोस्टर साझा किया। उन्होंने लिखा, दीपावली अब और भी धमाकेदार हो गई है। कांथा 14 नवंबर से दुनिया भर के सिनेमाघरों में धूम मचाएगी। आप सभी को दीपावली की शुभकामनाएं। सिनेमाघरों में जल्द मिलते हैं। बता दें कि यह फिल्म पहले 12 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, मगर इसकी रिलीज को टाल दिया गया। फाइनली अब यह 14 नवंबर को रिलीज होने जा रही है। इसकी रिलीज डेट 'लोका' फिल्म की वजह से टाली गई थी। इस फिल्म को दुलकर सलमान ने भी प्रोड्यूस किया है। फिल्म सिनेमाघरों में अच्छा प्रदर्शन कर रही थी, इसलिए मेकर्स ने 'कांथा' को आगे के लिए खिसका दिया था। कुछ समय पहले फिल्म का टीजर रिलीज किया गया था। इसे देखने के बाद फैंस फिल्म के रिलीज होने को लेकर काफी उत्साहित दिखे। पहले इस फिल्म का नाम 'सांथा' था, लेकिन टीजर में यह बताया गया था कि फिल्म का नाम बदल दिया गया है, तब से इसे 'कांथा' कहा जाने लगा।

कांथा फिल्म तमिल सिनेमा के पहले सुपरस्टार कहे जाने वाले एम.के. त्यागराज भगवतार के जीवन पर आधारित है। यह फिल्म 1950 के दशक में उनकी प्रसिद्धि और व्यक्तिगत संघर्षों को दर्शाएगी। इसमें स्वतंत्रता के बाद के मद्रास (चेन्नई) की दुनिया देखने को मिलेगी। दुलकर सलमान इस महान अभिनेता के किरदार में दिखेंगे। कांथा में भाग्यश्री बोरसे और समुथिरकानी जैसे सितारे भी हैं। कांथा को राणा दग्गुबाती की स्पिरिट मीडिया और दुलकर की वेफेरर फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म का निर्देशन सेल्वमणि सेल्वराज ने किया है, जो नेटफ्लिक्स डॉक्यूमेंट्री द हंट फॉर वीरप्पन के लिए जाने जाते हैं। पहले दुलकर सलमान इससे बतौर अभिनेता जुड़े थे, लेकिन बाद में उन्होंने इसे प्रोड्यूस करने का भी फैसला किया।

नरगिस फाखरी ने अमेरिका और पाकिस्तान में मॉडलिंग के बाद की बॉलीवुड में धमाकेदार एंट्री

बॉलीवुड हो या फिर हॉलीवुड फिल्म, एक्ट्रेस नरगिस फाखरी ने कई फिल्मों में अपने ग्लैमरस भूमिका से दर्शकों का मनोरंजन किया है। मॉडलिंग में सफलता मिलने के बाद 2011 में नरगिस को पहली ही बार में रणबीर कपूर के साथ रॉकस्टार में स्क्रीन शेयर करने का मौका मिला, वह भी बतौर लीड एक्ट्रेस। एक्ट्रेस के करियर की शुरुआत भले ही अच्छी रही हो, लेकिन धीरे-धीरे उनके करियर की गाड़ी स्लो हो गई। आज भी नरगिस फिल्मों में सेकेंड लीड का रोल प्ले करती हैं। नरगिस अपना 46वां जन्मदिन मना रही है। नरगिस फाखरी का जन्म न्यूयॉर्क में हुआ है, लेकिन पकिस्तान से भी उनका रिश्ता है। उनके पिता मोहम्मद फाखरी पाकिस्तानी के मूल निवासी थे और उनकी शादी मारिया ए. फाखरी से हुई थी। हालांकि दोनों का तलाक हो चुका है और उनके पिता भी अब दुनिया में नहीं रहे हैं। दोनों माता-पिता के अलग-अलग देशों के होने की वजह से उन्हें पाकिस्तान और अमेरिका दोनों की नागरिकता प्राप्त है।

मॉडलिंग में मिली सफलता के साथ नरगिस को फिल्म रॉकस्टार से बॉलीवुड में एंट्री मिली। फिल्म चल निकली और इतनी ज्यादा फेमस हो गई कि नरगिस और रणबीर के लिए मील का पत्थर साबित हुई। इसके बाद उन्होंने 'मद्रास कैफे', 'मैं तेरा हीरो', 'अजहर' और 'अमावस' जैसी हिट फिल्में दीं। उन्होंने 2015 में हॉलीवुड फिल्म स्पाई में भी काम किया। जब किस्मत चमकी तो नरगिस ने साउथ में भी हाथ आजमाया और रश्ना - द रे ऑफ लाइट और साहसम में काम किया। हालांकि कुछ समय बाद उन्होंने यह कहकर बॉलीवुड से दूरी बना ली कि वे लगातार फिल्में कर रही थीं और काफी तनाव ले रही थीं। काम के दौरान वह परिवार और दोस्तों को काफी मिस कर रही थीं। एक्ट्रेस ने बताया था कि वह अब कुछ समय अपनी खुशी के लिए निकालना चाहती हैं। पर्सनल लाइफ की बात करें तो नरगिस ने गुपचुप तरीके से अपने लॉन्ग टर्म बॉयफ्रेंड से शादी कर ली है और 6 महीने तक अपनी शादी को छिपाकर रखा था, लेकिन अब वो अपने पति टोनी बेग के साथ मीडिया के सामने आती रहती हैं।

पंजाबी सिंगर एपी ढिल्लों ने बॉलीवुड इंडस्ट्री पर बोला हमला

मशहूर पंजाबी सिंगर एपी ढिल्लों ने हाल ही में खुलासा किया कि वो बॉलीवुड में क्यों काम नहीं करना चाहते। इसके साथ ही उन्होंने कई तर्क भी दिए। इस खबर से चारों-तरफ सनसनी मच गई है। चलिए जानते हैं आखिर गायक ने बॉलीवुड को लेकर ऐसा क्या कहा, जो चर्चा का विषय बन गया है।

वहां शोषण होता है

गायक एपी ढिल्लों एसएमटीवी यूट्यूब चैनल के साथ एक बातचीत में शामिल हुए। यहां उन्होंने कहा, मैं आपको बताता हूं कि मैंने अब तक कोई बॉलीवुड गाना क्यों नहीं किया। ऐसा इसलिए है क्योंकि मुझे अपने लोगों की परवाह है। यह बॉलीवुड की बात नहीं है, यह मेरे समुदाय के लिए एक मिसाल कायम करने की बात है। मैंने उनसे कहा कि मुझे गाना गाने में खुशी होगी, लेकिन पहले उन्हें अपने व्यापार करने का तरीका बदलना होगा। जब कोई पंजाबी कलाकार किसी बॉलीवुड फिल्म के लिए गाना देता है, तो निर्माता का सब कुछ - ट्रैक, रीमिक्स अधिकार, सब कुछ मालिकाना होता है। वे अपने फायदे के लिए गाने और कलाकार का शोषण करते हैं। मैंने मना कर दिया।

गायक ने आगे बातचीत में कहा, कुछ बड़े कलाकार अपनी फिल्म में मेरा संगीत चाहते थे। मैंने गाना बनाया, हमने सीन की योजना भी बना ली थी। लेकिन वे गाना, उसके अधिकार, सब कुछ अपने पास रखना चाहते थे। यह सही नहीं है। इसलिए मैंने उनसे कहा कि जब तक वे इसे नहीं बदलते, मैं उनके साथ काम नहीं कर सकता। फिर उन्होंने कहा, 'अगर मैं ऐसा करूंगा, तो जूनियर कलाकारों को भी ऐसा करना पड़ेगा। मैं नहीं चाहता कि उन्हें ऐसा करना पड़े। मैं नहीं चाहता कि कोई युवा कलाकार अपने हिट गाने बेचकर अपनी आय का स्रोत खो दे। मैं नहीं चाहता कि उनका शोषण हो।'

कोंकणा सेन शर्मा ने खोला अभिनय का राज

मशहूर अभिनेत्री कोंकणा सेन शर्मा की वेब सीरीज सर्च - द नैना मर्डर केस रिलीज हो चुकी है। यह दर्शकों को काफी पसंद आ रही है। कोंकणा ने इस सीरीज के बारे में बात करते हुए अपने अभिनय का राज लोगों के साथ साझा किया है। उन्होंने कहा कि वह आमतौर पर किरदार के लहजे और टोन में तब तक बदलाव नहीं करतीं जब तक निर्देशक उनसे कोई सुझाव न मांगे। कोंकणा सेन ने बताया कि वह बस वही करती हैं जो उनके निर्देशक उन्हें बताते हैं क्योंकि आखिरकार यही उनका अपना नजरिया होता है और वह इस प्रक्रिया में दखलअंदाजी करना पसंद नहीं करतीं।

कोंकणा सेन ने कहा, एक अभिनेता के रूप में मैं वास्तव में इस बात पर ध्यान नहीं देती कि पिच या टोन क्या होना चाहिए। मैं इसमें सहज महसूस नहीं करती और एक अभिनेता के रूप में कुल मिलाकर यह मेरी जगह नहीं है। इस शो के लिए मैं दो कारणों से बहुत उत्साहित थी, एक यह कि यह फोर्ब्राइडेलसेन नामक एक बेहद सफल शो पर आधारित है, जो एक डेनिश शो है, और मैंने इसका रीमेक देखा है और यह अद्भुत है। इसमें जासूस सारा लुंड हैं, जिनका अपना बहुत बड़ा फैन बेस है। मुझे पता था कि रोहन सिप्पी इसका निर्देशन कर रहे हैं और मैंने उनके साथ पहले भी काम किया है। मैं उनके साथ बहुत सहज हूं और इसलिए मैं इस किरदार को करने के लिए बहुत खुश और उत्साहित थी।

उन्होंने आगे बताया, मुझे इन दोनों किरदारों (अपने सह-कलाकार सूर्या शर्मा की बात करते हुए), जय और संयुक्ता के बीच का तालमेल बहुत पसंद है। इस शो के जरिए मैंने सूर्या को जाना, इसलिए मुझे उनके लहजे और पिच वगैरह में अधिक दिलचस्पी नहीं थी। मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी, हमने खूब रिहर्सल की, टेबल रीडिंग की, और कुछ सवाल या मतभेद वगैरह थे, वो सब सुलझा लिए गए। उनके साथ अभिनय कर मुझे बहुत आनंद आया।

इब्राहिम अली खान ने 'नादानियां' को लेकर हुई आलोचना पर की टिप्पणी

अभिनेता इब्राहिम अली खान की डेब्यू फिल्म 'नादानियां' नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी, जिसमें खुशी कपूर भी अहम भूमिका में थीं। । इस फिल्म को दर्शकों ने ज्यादा पसंद नहीं किया था और इसे आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। महीनों की ट्रोलिंग के बाद, इब्राहिम ने आखिरकार दर्शकों की प्रतिक्रिया दी।

वास्तव में खराब फिल्म

हाल ही में इब्राहिम अली खान एस्क्वायर इंडिया के साथ एक इंटरव्यू में शामिल है। उन्होंने कहा, कुछ समय पहले तक, सभी मेरे लॉन्च का इंतजार कर रहे थे, और नादानियां के बाद , प्रचार बहुत बुरी तरह से गिर गया। उन्होंने मुझे लगातार ट्रोल किया। वह बस यही नहीं कर पाएगा। यह बहुत ही बुरा है और मुझे इसके बारे में लगातार बुरा लगता है। मैं बस इतना कहूंगा कि यह वाकई एक बहुत ही घटिया फिल्म थी। आगे बातचीत में अभिनेता ने कहा, यह वाकई बहुत बुरा था। यह एक तरह की संस्कृति बन गई थी कि, ओह, चलो उस फिल्म को ट्रोल करते हैं। कुछ लोग इसे सिर्फ इसलिए ट्रोल कर रहे थे, क्योंकि उन्होंने सुना था कि कोई और इसे ट्रोल कर रहा है। यह अनुचित था, लेकिन अगर मैं अब भविष्य में कोई ब्लॉकबस्टर फिल्म दूंगा, तो मैं भी इसी तरह की प्रतिक्रिया चाहूंगा। उन्हें मेरे पीछे पागल हो जाना चाहिए।

उस समय जल्दबाजी में लग गया था

इब्राहिम अली खान ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, मैं बहुत मेहनत कर रहा था जैसे मैं अभी भी अपनी बोलने की समस्या पर कड़ी मेहनत कर रहा हूं। लेकिन एक तरह से, मुझे लगता है कि मैं उस फिल्म में जल्दबाजी में लग गया था।

मैं 21 साल का था, जब मैंने इसकी शूटिंग शुरू की थी, मेरे आस-पास के दूसरे लोग 26, 27, 28 साल की उम्र में इसे कर रहे हैं और अब मुझे लगता है कि जो कुछ होने वाला था, उसके पैमाने के बारे में मैं और ज्यादा सचेत हो सकता था।

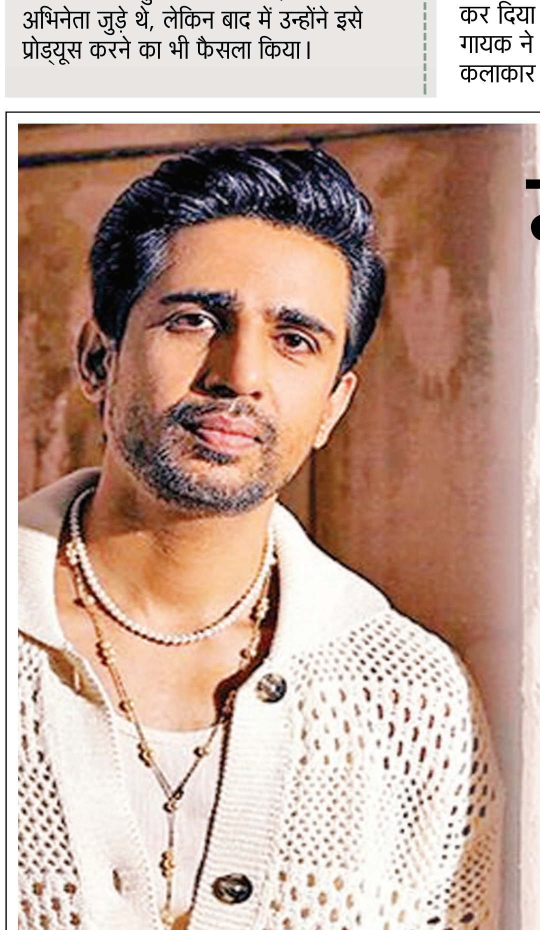

मेरे लिए नंबर या कमाई उतनी मायने नहीं रखती

कांतारा चैप्टर 1 में नजर आए बॉलीवुड अभिनेता गुलशन देवैया ने हाल ही में खास बातचीत की। इस दौरान अभिनेता ने ऋषभ शेट्टी के साथ काम करने के अनुभव, सेट पर माहौल और बॉलीवुड और साउथ के बीच के अंतर का जिक्र किया।

जब आपको यह फिल्म मिली तो पहली प्रतिक्रिया क्या थी?

मुझे पहले से अंदाजा था कि यह फिल्म मेरे पास आएगी। 2019 में मेरी मुलाकात ऋषभ शेट्टी से हुई थी। उन्होंने कहा कि वो मेरी फिल्म हंटर के फैन हैं और मेरे लिए कुछ लिख रहे हैं। फिल्म की घोषणा पहले ही हो चुकी थी, लेकिन लॉकडाउन के कारण यह रुकी रही। 'कांतारा' की सफलता के बाद जब ऋषभ ने मुझे बताया कि उन्होंने मेरे लिए एक रोल लिखा है तो मैं तुरंत तैयार हो गया। मैं पहले से ही उनके काम का दीवाना था, इसलिए ये मेरे लिए यह एक रोमांचक अनुभव था।

साउथ की फिल्म में काम करने का अनुभव कैसा रहा?

सबसे बड़ा अंतर शिफ्ट टाइमिंग और काम करने के तरीके में था। आमतौर पर मलयालम और कन्नड़ इंडस्ट्री में कलाकार सुबह छह बजे शुरू करके शाम छह बजे तक काम करते हैं... जबकि नाइट शिफ्ट का मामला अलग होता है। वहां पूरे बारह घंटे की शिफ्ट नहीं होती और नाइट शिफ्ट छोटी होती है। तकनीकी रूप से भी काफी कुछ अलग था। सिंक साउंड कम इस्तेमाल होता और कलाकार अपनी आवाज सेट पर ही देते हैं। मुझे लगता है यह तरीका माहौल और परफॉर्मेंस के लिहाज से सबसे बेहतर है क्योंकि कलाकार की असली परफॉर्मेंस वहीं सुनाई देती है।

ऋषभ से आपने सबसे बड़ी सीख क्या ली?

ऋषभ में मुझे उनकी क्षमता और तनाव को संभालने की कला ने बहुत प्रेरित किया। इतनी बड़ी फिल्म पहली बार में बनाने के बावजूद उन्होंने टीम, बजट और शूट को पूरी कुशलता से मैनेज किया। उनकी जिम्मेदारियां कितनी भी बड़ी क्यों न हों, उनके चेहरे पर शिकन नहीं आती।

फिल्म की सफलता आपके करियर के लिए कितनी मायने रखती है?

इस फिल्म का श्रेय मैं अकेले नहीं ले सकता। मैं बस इसका हिस्सा हूं। करियर के लिहाज से यह निश्चित रूप से अच्छा रहेगा, लेकिन एक कलाकार के रूप में मेरे लिए नंबर या कमाई उतनी मायने नहीं रखती। मैं 2011 से काम कर रहा हूं और यह मेरी पहली फिल्म है जिसने इतनी बड़ी कमाई की, लेकिन मेरे लिए सबसे कीमती अनुभव यह है कि दर्शक हमारी मेहनत और किरदार को महसूस कर रहे हैं।

क्या दर्शक आपको कभी धर्मा या यशराज जैसे बड़े बैनर की फिल्मों में देखेंगे?

मेरे लिए हर फिल्म, हर रोल और हर किरदार अहम है। हर डायरेक्टर की अपनी समझ होती है और मैं उसकी कहानी और किरदार के हिसाब से काम करता हूं। लोग अक्सर सोचते हैं कि ऐसी फिल्में ही मुझे सफलता दिलाएंगी। लेकिन मैं ऐसा नहीं सोचता। मैं अभिनय से प्यार करता हूं और अलग-अलग किरदारों निभाना मुझे पसंद है। मेरा फोकस हमेशा किरदार और कहानी पर होता है। अभी मैं बस देख रहा हूं कि सिनेमा मुझे कहां ले जाता है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।